देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा मंगलवार 08 अगस्त 2023 वर्ष 38 अंक 345 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA–30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

केरल में कार विस्फोट में एक की मौत

अलप्पुझा (ईएमएस)। केरल के अलप्पुझा के निकट मावेलिक्कारा में सोमवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति की कार में अचानक विस्फोट हो गया जिससे उसकी कार के अंदर जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जब कार में विस्फोट हुआ तो मवेलिक्कारा निवासी कृष्ण प्रकाश कार से बाहर नहीं निकल पाए। उन्होंने आगे बताया कि घटना सोमवार देर रात को हुई। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम वाहन और घटनास्थल की जांच कर रही है। पुलिस ने कहा ?कि जैसे ही वह अपने घर के गेट में घुसे वाहन में अचानक विस्फोट हो गया और वह कार से बाहर नहीं निकल सके। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक जांच के बाद ही विस्फोट के पीछे का कारण पता चल सकेगा।

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

जहां कमल का निशान वहां गरीब का कल्याण–मोदी

फरीदाबाद (ईएमएस)। फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित राजहंस होटल में सोमवार से भाजपा का दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद सम्मेलन शुरू हो रहा है, जिसके उद्घाटन के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे हैं। इसके उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश अमृत काल महोत्सव में विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष कर कहा, चार दशक तक कांग्रेस को समझ ही नहीं आया कि पंचायती राज व्यवस्था कितनी जरूरी है। आजादी के सात दशक बाद भी देश के 18000 गांव तक बिजली नहीं पहुंची थी। ग्रामीणों के घरों में नल तक जल नहीं पहुंच सका था। कांग्रेस राज में पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने के ठोस प्रयास कभी नहीं हुए। पीएम मोदी ने कहा, 2014 के बाद से भाजपा ने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने का काम शुरू किया। पिछले 9 वर्षों में देश में 30,000 से ज्यादा नए पंचायत घरों का निर्माण हुआ है। पिछले 9 वर्षों में किसानों के लिए बीज से लेकर खेत तक अनेक काम हुए। 50 करोड़ से ज्यादा लोग आयुष्मान भारत योजना से जुड़ चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा, जहां कमल का निशान है, वहां गरीब कल्याण है। जहां कमल का निशान है वहां गरीब की मदद है। जहां कमल का निशान है वहां हर इंसान की शान है। जहां कमल का निशान है, वहां किसी गरीब को भटकना नहीं पड़ता है। आपको अपने कार्य की पहचान इसी तरह की बनानी है। इसी तरह की हम सब की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद कर सम्मेलन की जानकारी दी है। पंचायत लेवल पर भाजपा को मजबूत करने के लिए यह सम्मेलन हो रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी पहुंच चुके हैं।

सफलता की ओर अग्रसर हुआ चंद्रयान–3, चांद की पहली तस्वीर भेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चंद्रयान–3 सफलता की ओर अग्रसर है, उसने चंद्रमा की पहली तस्वीर भेजकर यह संकेत दे ?दिया है। जानकारी के अनुसार इसरो ने 5 अगस्त 2023 को चंद्रमा के ऑर्बिट में चंद्रयान–3 को पहुंचा दिया है। अब चंद्रयान–3 चांद के चारों तरफ 1900 किलोमीटर प्रति सेकेंड की गति से चांद के चारों तरफ 170 किमी गुणा 4313 किमी के अंडाकार ऑर्बिट में यात्रा कर रहा है। चंद्रयान ने जो तस्वीर भेजी है, उसकी हर तस्वीर में बाएं तरफ गोल्डन रंग का यंत्र चंद्रयान का सोलर पैनल है। सामने चंद्रमा की सतह और उसके गड्ढे दिख रहे हैं। ये हर फोटो में बढ़ते जा रहे हैं। इसरो ने बताया है कि आगामी 9 अगस्त की दोपहर पौने दो बजे करीब इसके ऑर्बिट को बदलकर 4 से 5 हजार किलोमीटर की ऑर्बिट में डाला जाएगा। अब इसकी हर तस्वीर में चंद्रमा बड़ा और गहरा होता जाएगा। 14 अगस्त की दोपहर इसे घटाकर 1000 किलोमीटर किया जाएगा। पांचवें ऑर्बिट मैन्यूवर में इसे 100 किलोमीटर की कक्षा में डाला जाएगा। 17 अगस्त को प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग होंगे। इसरो से जारी सूचना के अनुसार चंद्रयान–3 की 18 और 20 अगस्त को डीऑर्बिटिंग होगी। यानी चांद के ऑर्बिट की दूरी को कम किया जाएगा। लैंडर मॉड्यूल 100 × 35 किमी के ऑर्बिट में जाएगा। इसके बाद 23 अगस्त की शाम पांच बजकर 47 मिनट पर चंद्रयान की लैंडिंग कराई जाएगी। ?मिली जानकारी के अनुसार चांद के ऑर्बिट को पकड़ने के लिए चंद्रयान–3 की गति को करीब 3600 किलोमीटर प्रतिघंटा के आसपास किया गया।

क्योंकि चंद्रमा की ग्रैविटी धरती की तुलना में छह गुना कम है। अगर ज्यादा गति रहती तो चंद्रयान इसे पार कर जाता। इसरो वैज्ञानिकों ने चंद्रयान की गति को कम करके 2 या 1 किलोमीटर प्रति सेकेंड किया। इस गति की वजह से वह चंद्रमा के ऑर्बिट को पकड़ पाया। अब धीरे-धीरे चांद के चारों तरफ उसके ऑर्बिट की दूरी को कम करके दक्षिणी ध्रुव के पास पर लैंड कराया जाएगा। चंद्रयान–3 इससे पहले 288 गुणा 369328 किलोमीटर की ट्रांस लूनर ट्रैजेक्टरी में यात्रा कर रहा था। अगर यह चांद का ऑर्बिट नहीं पकड़ पाता तो 230 घंटे बाद यह धरती के पांचवी कक्षा वाले ऑर्बिट में वापस आ जाता। इसरो इसे दोबारा चांद पर भेजने का दूसरा प्रयास कर सकते थे।

डीएम ने किया सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान में 0 से 5 वर्ष के बच्चों एवं लक्षित गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण की शुरुआत

निज संवाददाता

गोण्डा। भारत सरकार द्वारा सघन मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है आज इस अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने परेड सरकार प्राथमिक विद्यालय मे बच्चों को पोलियो और रोटा वैक्सीन की खुराक पिला कर की।

सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत छूटे हुए 0 से 5 वर्ष की आयु तक के बच्चों एवं लक्षित गर्भवती महिलाओं को आवश्यक रूप से टीका से आच्छादित कर पूर्ण रूप से प्रतिरक्षित किया जाना है। ये कार्यक्रम तीन चरणों मे होना है जिसका प्रथम चरण दिनांक 7–12 अगस्त–2023, द्वितीय चरण 11–16 सितम्बर– 2023, और तृतीय चरण 9–14 अक्टूबर – 2023 में किया जा रहा है। सघन मिशन इन्द्र धनुष के इन विशेष सत्रों के आयोजन का उद्देश्य यह है कि टीकाकरण से वंचित बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने बताया है कि यह टीके बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों जैसे खसरा, गलघोंटू कालीखांसी, टेटनेस, निमोनिया, टी बी, दिमागी बुखार,पोलियो डायरिया, हेपटाइटस बी. हिमोफिलस इन्फ्लूएंजा टाइप बी इत्यादि से सुरक्षा प्रदान कर उनका जीवन स्वस्थ्य और बेहतर बनाते हैं। सम्पूर्ण टीकाकरण प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। टीकाकरण पूर्ण रूप से सुरक्षित है और सभी आवश्यक टीके सभी सरकारी अस्पतालों और और स्वास्थ केंद्रों मे नि:शुल्क उपलब्ध हैं। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आम जनमानस से अपील भी की है।

कूनो उद्यान में 9 चीतों की मौत से राष्ट्र की छवि हुई है धूमिल

भोपाल (ईएमएस)। वन एवं पर्यावरण कांग्रेस के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी डॉ एसपीएस तिवारी ने कहा है कि 4 महीने में 9 चीता की मौत और 21 दिन से फीमेल चीता निरवा के लापता होने से मध्यप्रदेश की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल हुई है। विदेशों में यह छवि बनने लगी है कि भारत सरकार और मध्यप्रदेश अफसरों के बीच छिड़ी अहम की जंग की वजह से चीता को संरक्षित करने में हम असफल साबित हो रहे हैं। डॉ तिवारी सोमवार को प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि श्योपुर जिले में कूनो राष्ट्रीय उद्यान गुजरात के गिर से एशियन लायन लाने के लिए 100 करोड़ रूपये खर्च करके तैयार किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने भी वर्ष 2013 में कूनो में गिरी से एशियन लायन लाकर कुनो में बसाने के निर्देश दिए थे, परन्तु गुजरात की भाजपा सरकार ने राज हठ के चलते लायन कूनो के लिए नहीं दिए। आनन–फानन में पिछले वर्ष 17 सितम्बर 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर नामीबिया एवं दक्षिण अफ्रीका से 20 चीता जो कैप्टिव ब्रीडिंग के थे, लाकर कूनो में छोड़े गए। चूंकि भारत में पिछले 07 दशक से चीते नहीं हैं एवं विशेषज्ञ भी नहीं है साथ ही कूनो का आवोहवा भी चीता के लिए अनुकूल नहीं है। इसके फलस्वरूप 9 चीते मर चुके हैं और एक फीमेल चीता 21 दिन गायब है। उन्होंने बताया कि चीता प्रोजेक्ट में विकल्प के तौर पर राजस्थान के मुकुन्द्रा में चीतों के लिए जंगल तैयार किया गया है परन्तु चूंकि वहां कांग्रेस शासन है, इसलिए केन्द्र सरकार जानबूझकर हठ में चीते वहां न भेजकर कूनो में भेजे। इस तरह कूनो चीतो का कब्रगाह बन चुका है एवं अंतर–राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को गहरा आघात लगा है।

-तेंदूपत्ता मजदूरों की मजदूरी 4000 पति मानक बोरा किया जाए

पत्रकारों से चर्चा करते हुए वन एवं पर्यावरण कांग्रेस के अध्यक्ष तिवारी ने बताया कि प्रदेश में लगभग 20 लाख तेन्दुपत्ता संग्राहक हैं एवं प्रतिवर्ष लगभग औसतन 20 लाख मानक बोरा तेन्दुपत्ता संग्रहण होता है एवं औसतन लगभग 1,200 करोड़ रूपये का तेन्दुपत्ता का व्यापार वन विभाग करता है। तेन्दुपत्ता संग्राहकों की संग्रहण मजदूरी दर 3,000/– प्रति मानक बोरा है, जबकि छत्तीसगढ़ में 4,000/– प्रतिमाह बोरा है। कांग्रेस पार्टी मजदूरी दर बढ़ाने हेतु वर्तमान सरकार को कई पत्र लिख चुकी है परन्तु वर्तमान सरकार के द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। पिछले वर्ष तेन्दुपत्ता का संग्रहण लगभग 18 लाख मानक बोरा हुआ था, परन्तु इस साल खराब मौसम के कारण मात्र 12 लाख मानक बोरा का ही तेन्दुपत्ता संग्रहण हो पाया है। इस तरह लगभग 180 करोड़ रूपये तेन्दुपत्ता संग्राहकों को कम मजदूरी मिली है। वो आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। परन्तु वर्तमान सरकार 240 करोड़ रूपये संग्राहकों के खाते में न जमा कर इस राशि से जूते, चप्पल, साड़ी तथा पानी की बोतल आयोजन करके बांट रही है।

करोड़ों रूपये आयोजन करने में व्यय हो जायेगा। इस तरह संग्राहकों का पैसा उन्हीं से काटकर सरकार अपनी ब्रांडिंग के लिए अपव्यय कर रही है।

– शिवराज के रहते रातापानी नहीं बन पाएगा टाइगर रिजर्व

भोपाल सर्किल के मुख्य वन संरक्षक रह चुके डॉ तिवारी ने बताया कि भोपाल से सटे रातापानी अभ्यारण्य में 70 से अधिक बाघ पाये गये हैं। रातापानी अभ्यारण्य प्रोजेक्ट टाईगर के लिए अनुकूल है। भाजपा शासन में कई बार स्टेट वाइल्ड लाईफ बोर्ड में इस पर विचार भी हुआ, परंतु मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जो कि बोर्ड के अध्यक्ष है, इसे सिरे से नकार दिया करते हैं।

सीएचसी कटरा बाजार में मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

अधीक्षक ने केक काटकर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

निज संवाददाता

गोण्डा। महिला कल्याण विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटरा बाजार में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सीएचसी अधीक्षक डा. एमपी यादव ने केक काटकर किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता फैल रही है। संरक्षण अधिकारी चन्द्रमोहन वर्मा ने कहा कि शासन व निदेशालय के निर्देश पर प्रत्येक प्रथम व तृतीय सोमवार को कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया जाना है, जिसके क्रम में यह आयोजन किया गया है। महिला कल्याण अधिकारी ज्योत्सना सिंह ने कहा कि बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना सरकार की महत्वाकांक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं का उत्थान है।

उन्हें शिक्षित बनाकर समाज से जोड़ना है। उन्होनें उपस्थित महिलाओं व अन्य लोगों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी देते हुए महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

जिला समन्वयक राजकुमार आर्य ने बताया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी के निर्देशन में चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जन्म लेने वाली 20 बच्चियों को 1–1 हिमालया बेबी व 2–2 कपड़ा वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं के पम्पलेट भी वितरित किये गये। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार राव, बीपीएम पंकज उपाध्याय, बीएएम मुख्तार आलम, सीएचओ दिशा शर्मा आदि मौजूद रहीं।

मोटराइज्ड ट्राई–साइकिल को परीक्षण शिविर 9 को

दिव्यांगों को मिलेगी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

निज संवाददाता

गोण्डा। दिव्यांगजनों के लिए खुशबरी है। दिव्यांगों की सुविधा और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से शासन ने एक और नई पहल की है। अब दिव्यांगों को ट्राई साइकिल की जगह मोटराइज्ड ट्राई साइकिल (बैट्री चालित ट्राई साइकिल) दी जाएगी। इसके लिए जिले में कवायद तेज हो गई है। विभाग ने इसके लिए 80 फीसद दिव्यांगों से आवेदन मांगे हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गौरव स्वर्णकार ने बताया कि इच्छुक दिव्यांगजन जिन्हे मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की आवश्यकता है वे जरूरी अभिलेखों के साथ 09 अगस्त, 2023 को कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, गोण्डा के कक्ष संख्या–35 में उपस्थित होकर अपना शारीरिक परीक्षण करा ले जिससे नियमानुसार मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराया जा सके।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गौरव स्वर्णकार ने बताया कि दिव्यांगों की राह आसान करने के लिए मोटराइज्ड (बैट्री चालित) ट्राई साइकिल दिया जाना है। इसे प्राप्त करने के लिए शासन कुछ शर्तें रखी हैं। दिव्यांगता 80 फीसद या उससे अधिक होनी चाहिए। दिव्यांगों की आयु 16 साल या उससे अधिक होनी चाहिए। दिव्यांगजन हाथों से मोटराइज्ड ट्राई साइकिल चलाने में सक्षम हो। आवेदक के पास यूनिक डिसएबिलिटी आइडेंटिटी कार्ड होना चाहिए। दिव्यांगजन या उसके परिवार की सालाना आय 1.80 लाख से अधिक न हो।

1. मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र 80 प्रतिशत या उससे अधिक।
2. तहसील द्वारा निर्गत आय प्रमाण पत्र वार्षिक आय एक लाख 80 हजार से अधिक न हो)।
3. निवास प्रमाण पत्र।
4. जाति प्रमाण पत्र।
5. विद्यार्थी वर्ग हेतु हाई स्कूल का अंक प्रमाण पत्र।
6. यू0डी0आई0डी0 कार्ड।
7. आधार कार्ड।
8. दिव्यांगता प्रदर्शित एक फोटो।
9. मोबाइल नम्बर।

केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में हो सकता है तीन फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी होने के कयास लगाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार अपने एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता, डीए सहमत फार्मूले के तहत तीन प्रतिशत बढ़ाकर 45 प्रतिशत कर सकती है। बता दें ?कि इस समय डीए 42 प्रतिशत है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता हर महीने श्रम ब्यूरो द्वारा जारी किए जाने वाले औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई–आईडब्ल्यू) के आधार पर तय किया जाता है। ऑल इंडिया रेलवेमैन फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा ?कि जून 2023 के लिए सीपीआई–आईडब्ल्यू 31 जुलाई, 2023 को जारी किया गया था। हम महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इसके 45 प्रतिशत होने की संभावना है। उन्होंने आगे बताया कि वित्त मंत्रालय का व्यय विभाग डीए में बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार करेगा और प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखेगा। डीए बढ़ोतरी एक जुलाई 2023 से प्रभावी होगी। डीए में आखिरी संशोधन 24 मार्च 2023 को किया गया था और यह एक जनवरी 2023 से प्रभावी हुआ था।

डीएम ने विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यक्रमों की मासिक समीक्षा आयोजित हुई। समीक्षा बैठक में डीएम ने मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले वन टांगिया ग्रामों में सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ सभी लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अन्य सभी विभागों के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। वहीं निर्माण कार्यों की समीक्षा में डीएम ने कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यों का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ समय से कराना सुनिश्चित करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा है कि खाद्यान्न वितरण एवं कोटे की रिक्त दुकानों का आवंटन को नियमानुसार समय से कराने के संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए, श्रम योगी मानधन योजना, श्रमिक पंजीयन, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं, पीएम किसान सम्मान निधि सहित समस्त पेंशन योजनाओं, बाल विकास पुष्टाहार, शादी अनुदान, कन्या सुमंगला योजना, कौशल विकास मिशन, e-district पोर्टल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, सेवायोजन विभाग, राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत सैम–मैम बच्चों के संबंध में समीक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। इसके अलावा विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले शिकायतों/आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान जनपद के समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण पूरी गुणवत्ता के साथ की जाए ताकि शिकायतकर्ताओं को बार–बार परेशान ना होना पड़े और शिकायत को पूरी तरह नियमानुसार निस्तारित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाई गई तो संबंधित विभाग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जनपद में संचालित सभी योजनाओं के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं का कार्य शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष समय से कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मोली, सीएमओ डॉक्टर रश्मि वर्मा, प्रभारी प्रभागीय वनाधिकारी, उपनिदेशक कृषि, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव स्वर्णकार, जिला प्रोवेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, खाद्यी ग्रामोद्योग अधिकारी, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, नहर विभाग सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

रिक्त राशन की दुकानों के चयन की प्रकिया करें शीघ्र पूर्ण – डीएम

गोण्डा– खाद एवं रसद विभाग की योजनाओं की समीक्षा हेतु सोमवार शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बैठक बुलाई। बैठक में राशन की रिक्त दुकानों, माडल शाप, उज्जवला योजना की समीक्षा की गयी। डीएम ने राशन की रिक्त दुकानों की समीक्षा के दौरान एसडीएम को यथाशीघ्र समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर नियमानुसार राशन की दुकानों के चयन की प्रकिया पूर्ण की करने के निर्देश दिये। मॉडल उचित दर की दुकान निर्माण की समीक्षा के दौरान डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देश दिया कि जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में 5–5 मॉडल उचित दर की दुकान स्थापित करने के लिए यथाशीघ्र भूमि का चिन्हांकन करते हुए निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाय। उज्जवला योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा डीएसओ को निर्देश दिये गये कि गैस एजेन्सियों से लाभार्थियों की सूची प्राप्त कर आधार फीडिंग का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराये ताकि लाभार्थियों को सब्सिडी योजना का लाभ प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सब्सिडी ना लेने वाले लाभार्थियों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए साथ ही बैंक व गैस एजेंसी पर फ्लेक्सी लगवा कर प्रचार–प्रसार कराकर लोगों को जागरूक किया जाए।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा की पहल, बदलेगी जनपद के सरकारी स्कूलों की तस्वीर

15 सरकारी प्राइमरी, अपर प्राइमरी और कम्पोजिट स्कूलों के क्लासरूम होंगे हाईटेक

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती नेहा शर्मा ने जब से जनपद की कमान संभाली है वह मेरा गोण्डा, मेरी शान, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस से लेकर ग्राम चौपाल जैसे अभियानों के माध्यम से सरकारी मशीनरी को जागृत कर जनपद की तस्वीर बदलने में लगी है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा जनपद के सरकारी प्राइमरी, अपर प्राइमरी और कम्पोजिट स्कूलों को हाइटेक बनाने की दिशा में पहल की गई है। 15 स्कूलों को स्मार्ट बनाने का फैसला लिया गया है। यहां बच्चों को स्मार्ट क्लासरूम में पढ़ने का मौका मिलेगा। निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी के सहयोग से जनपद के 15 सरकारी प्राइमरी, अपर प्राइमरी और कम्पोजिट स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम तैयार किए जाएंगे। इन स्कूलों में पढ़ने और पढ़ाने के तरीकों को हाईटेक बनाया जाएगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहयोग से इन स्कूलों का चयन किया गया है। इससे सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी बच्चों को गुणवत्ता युक्त बुनियादी

शिक्षा मुहैय्या कराई जा सकेगी। खास बात यह है कि इस कोशिश में विभाग पर कोई वित्तीय भार भी नहीं पड़ेगा।

ब्लैकबोर्ड बनेगा स्मार्ट, बैठने की होगी व्यवस्था

सभी चयनित 15 सरकारी स्कूलों में सामान्य ब्लैक बोर्ड का स्थान हाइटेक स्मार्ट बोर्ड लेगा। एक ओर जहां शिक्षक हाईटेक आईसी स्क्रीन पर लिखकर, हाईलाइट करके, सर्किल, फिल्म के माध्यम से किसी भी विषय और पाठ को आसानी से बच्चों को समझा सकेंगे, वहीं छात्रों को सीखने में आसानी होगी। ब्लैकबोर्ड के स्मार्ट बनाने के साथ ही स्मार्ट क्लासरूम में बच्चों के बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था की जाएगी। क्लासरूम को खूबसूरत बनाने के लिए दीवारों के रंग–रोगन के साथ कारपेट जैसी व्यवस्थाएं भी की जाएंगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में प्रति स्कूल करीब चार लाख रुपये का खर्च आना संभावित है।

o इन स्कूलों को चुना गया

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहयोग से 15 स्कूलों का चयन किया गया है। इनमें, मनकापुर का प्राथमिक विद्यालय अमवा और कम्पोजिट विद्यालय सोवरसा शामिल है। इसके अतिरिक्त कम्पोजिट विद्यालय छोटका रमराईपुर वजीरगंज , कम्पोजिट विद्यालय जमुनहा वजीरगंज, कम्पोजिट विद्यालय केशवपुर केशव नगर, कम्पोजिट विद्यालय धानेपुर, प्राथमिक विद्यालय धौरहरा मुजेहना, प्राथमिक विद्यालय सिंहपुर, प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर खान बभनजोत, कम्पोजिट विद्यालय मरचौर परसपुर, प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ अमीनपुर, कम्पोजिट विद्यालय महादेवा पण्डरी कृपाल, प्राथमिक विद्यालय पिपरा बाजार, कम्पोजिट विद्यालय डिड़िसिया कला और कम्पोजिट विद्यालय नगवा समेत अन्य शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

आठ साल बाद खुला गोदी में आंगनबाड़ी केंद्र का ताला

अल्मोड़ा। गोदी में आठ साल से बंद पड़ा आंगनबाड़ी केंद्र का भवन अमर उजाला की मुहिम से महज आठ दिन में ही खुल गया। केंद्र के खुलने के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों व लोगों ने अमर उजाला का आभार जताया है। आंगनबाड़ी केंद्र गोदी में आठ साल से ताला लगा होने व बच्चों के बाहर आंगन में पढ़ने संबंधी खबर अमर उजाला ने 28 जुलाई व फिर 2 अगस्त के अंक में प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद ग्राम पंचायत की ओर से संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में शुक्रवार को बैठक बुलाई गई। बैठक में ताला लगाने वाले पूर्व प्रधान किशन सिंह धपोला भी मौजूद थे। उनका कहना था कि पूरा भुगतान न मिलने के कारण उन्होंने ताला लगाया है। बाद में अधिकारियों के समझाने पर वे मान गए और ताला खोलने को तैयार हो गए। आंगनबाड़ी केंद्र का ताला खुलते ही तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लोगों के चेहरे पर खुशी का भाव नजर आया। इस मौके पर मिठाई भी बांटी गई। वहीं तहसीलदार विवेक राजौरी, बीडीओ दिलमणी जोशी,बीडीसी सदस्य चेतना नेगी, प्रधान गोविंदी देवी, उप प्रधान राधा नेगी, एडीओ पंचायत सुंदर लाल, ग्राम पंचायत अधिकारी मीना, बीडीओ गणेश गिरी, हिरा सिंह थापा, हेम चंद्र, अनुज तिवारी, दीपा त्रिपाठी व सरस्वती देवी सहित कई लोग मौजूद थे। आंगनबाड़ी केंद्र खोलो अभियान में हमारा मंच, हमारी बात ग्रुप, व्यापारी बंधुओं का मंच व चौखुटिया की आवाज की ओर से भी अलग से सहयोग दिया गया।

समस्याओं के विरोध में किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा। नगर पंचायत के दिगौत वार्ड में सड़कों की खस्ता हालत, कूड़ेदान न बांटे जाने, स्ट्रीट लाइट न लगने और क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर न डाले जाने से गुस्साए लोगों ने नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि बरसात का मौसम निकलने को है परंतु दिगौत व बुधोड़ी बाखली में चूना अथवा ब्लीचिंग पाउडर नहीं डाला गया है जिससे कई लोग रास्तों में गिर चुके हैं। लोगों का कहना था कि लंबे समय से झाड़ियों का कटान भी नहीं किया जा रहा है। जबकि स्ट्रीट लाइट न होने से भी लोग परेशान हैं। प्रदर्शन करने वालों में हरीश जोशी, चंदन नेगी, सुरेश हतेली, नवीन जोशी, दीप चंद बुधोड़ी, विशन सिंह बिष्ट, लक्ष्मी कांत भट्ट, ईश्वरी दत्त कांडपाल, जगदीश रावत, मोहन सिंह, उर्वादत्त बडगली, नीरज बुधोड़ी व जगदीश तिवारी आदि शामिल थे।

अल्मोड़ा में एक एसएच सहित छह सड़कें बंद

अल्मोड़ा। बारिश के बाद भिकियासैंण बुगीधार-देघाट चौखुटिया राज्यमार्ग शनिवार को पांच घंटे बंद रहा। इस प्रमुख सड़क के बंद रहने से यात्री फंसे रहे और जगह-जगह वाहनों की कतार लगी रही। पांच ग्रामीण सड़कें बंद रहने से 10 हजार से अधिक की आबादी को परेशानी झेलनी पड़ी। बारिश के बाद जिले में एक राज्य मार्ग सहित कुल छह सड़कें बंद रहीं। जगह-जगह मलबा और बोल्डर गिरने से इन सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप रही। बुगीधार-चौखुटिया एसएच बंद होने से छह घंटों से अधिक समय तक यात्री और वाहन चालक फंसे रहे। किसी तरह मलबा हटाकर सड़क पर आवाजाही शुरू कराई गई, तब जाकर यात्री अपने गंतव्य को रवाना हो सके लेकिन ग्रामीण सड़कों पर देर शाम तक भी आवाजाही शुरू नहीं हो सकी। ऐसे में 20 से अधिक गांवों का सड़क संपर्क कटा है और ग्रामीण गांवों में ही कैद होकर रह गए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग जल्द सड़कों को खोलने के दावे कर रहा है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल ने कहा कि सड़कों को खोलने काम चल रहा है। जल्द सड़कों पर आवाजाही शुरू करा दी जाएगी।

विनायक से रामनगर आ रही बस नाले में पलटी, मौके पर मौजूद लोगों ने सवारियों को बाहर निकाला

अल्मोड़ा। बरसाती नाले के बीच में जब बस पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटते ही मौके पर मौजूद लोगों ने बस में सवार यात्रियों को बाहर निकाला। अल्मोड़ा के विनायक से रामनगर आ रही केएमओयू की बस संख्या यूके-04पीए-0548 शनिवार शाम साढ़े पांच बजे धनगढ़ी नाले पर पहुंची, बस में 15 सवारियां थीं। नाले में जलस्तर कम था और बस आसानी से निकल रही थी। निजी बस से आगे एक और बस जा रही थी। बरसाती नाले के बीच में जब बस पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटते ही मौके पर मौजूद लोगों ने बस में सवार यात्रियों को बाहर निकाला।

टीकाकरण का रिकॉर्ड यू विन पोर्टल पर होगा अपलोड

अंबाला सिटी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 0-5 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को बीमारियों से बचाने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष सात अगस्त से लेकर 12 अगस्त 2023 तक चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान टीकाकरण से वंचित सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाए और रिकॉर्ड यू विन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। टीकाकरण का पूरा विवरण एप के माध्यम से देखा जा सकेगा। इस पोर्टल के बारे में विभाग के चिकित्सकों और अन्य स्टाफ को पूर्ण प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यू विन पोर्टल के बारे में निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा यू विन पोर्टल को शुरू करने से नागरिकों को आसानी होगी व टीकाकरण विवरण की पूरी जानकारी मिलेगी। यू विन पोर्टल पर टीकाकरण करने वाली एएनएम व आशा वर्कर को भी आसानी होगी। यह पोर्टल स्वयं डयूलिस्ट दिखाएगा और इससे यह भी पता लगेगा कि गर्भवती महिला व बच्चे का टीकाकरण पूर्ण हो गया है या उसका टीकाकरण आने वाले समय में कब होगा। उन्होंने यह भी बताया कि टीका कब और कौन से सरकारी केंद्र पर लगेगा, इसकी भी जानकारी अभिभावकों को अब घर बैठे ही मिलेगी। यू विन पोर्टल लांच होते ही अभिभावक अपनी सुविधा अनुसार एडवांस पंजीकरण कर सकेंगे। लाभार्थी टीकाकरण के बाद ई-प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

बैंकों के बाहर खड़े होकर करते थे रेकी

खैर (अलीगढ़)। खैर पुलिस के अनुसार यह बदमाश गैंग बनाकर लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। तीन बदमाश बैंक के बाहर खड़े होकर रुपये लेकर आने-जाने वालों की रेकी करते थे। यह सूचना अपने अन्य तीन साथियों को देते थे। वह रुपये लेकर जाने वाले का बाइक से पीछा कर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। बैंक से निकलते समय होम्योपैथिक चिकित्सक के हाथ में थैला देखकर इन बदमाशों ने लूट की योजना बनाई थी। 26 जुलाई को अरनी निवासी किसान से 36 रुपये भरा थैला लूटा था।

पति, देवर व ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस

अमेठी। शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के शुक्लन का पुरवा मजरे महिया सिंदुरिया गांव निवासी अंजलि ने अपने पति आशीष तिवारी ससुर शिव कुमार एवं देवर सुशील के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उसका विवाह 5 मार्च 2018 को अयोध्या के फैजाबाद कोतवाली के तिवारी का पुरवा मजरे शाहनवाज पुर निवासी आशीष तिवारी से हुआ। शादी के दो माह बाद से ही परिवार के लोग कम दहेज मिलने की बात कहते हुए उसे प्रताड़ित करने लगे। पति आशीष तिवारी व्यवसाय करने के नाम पर दहेज के रूप में पांच लाख की डिमांड कर रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर पति और ससुर ने 8 नवंबर 2021 उसे शिवरतनगंज में छोड़कर वापस चले गए। एसओ तनुज कुमार पाल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पूरे प्रकरण की जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने 8.50 लाख के बकायेदार को कराया गिरफ्तार

अमेठी। तिलोई तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम राकेश कुमार मिश्र के समक्ष प्रज्ञा इंटरप्राइजेज बहादुरपुर जायस के प्रोपराइटर संजय कुमार जनशिकायतों को लेकर पेश हुए। वह अपनी बात कह रहे थे, तभी अधिकारियों ने उनके साढ़े आठ लाख रुपये के बकायेदार होने की जानकारी दी। इस पर डीएम ने तत्काल स्थानीय पुलिस से उन्हें गिरफ्तार करवा दिया। तिलोई में डीएम ने अफसरों से दो टूक शब्दों में कहा कि ग्राम में कोई बड़ी उम्मीद लेकर शिकायत करने पहुंचता है, उन्हें निराश न करें। संपूर्ण समाधान दिवस में सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व, पुलिस तथा विकास विभाग से संबंधित रहीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने लेखपालों को निर्देशित करते हुए कहाकि गांव में जाकर निरंतर भ्रमण कर अवैध कब्जा सहित छोटे-मोटे विवाद निपटाएं। 98 शिकायतों में से दस शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। इसके बाद डीएम व एसपी डॉ. इलामारनजी ने तहसील परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान एसडीएम तिलोई दिग्विजय सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी डीएन सिंह, डीडीओ तेजभान सिंह, तहसीलदार तिलोई पवन शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। अमेठी में एडीएम अर्पित गुप्ता ने जनसमस्याओं की सुनवाई की। यहां पर 124 में से सात का निस्तारण किया गया।

हर घर पर लहराएगा तिरंगा, हर गांव से कलश को एकत्र होगी माटी

अमेठी। आजादी के अमृत महोत्सव समापन समारोह के तहत जिले में गांव से लेकर शहर तक मेरी माटी-मेरा देश एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित होगा। गांव से मिट्टी एकत्र कर कलश के लिए दिल्ली भेजी जाएगी। इसके लिए अफसरों को जिम्मेदारी दे दी गई है। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम होगा। शनिवार को डीएम राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। डीएम ने कहा कि सभी सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों, व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, रेस्टोरेंट, शॉपिंग कंपलेक्स, टोल प्लाजा, पुलिस चौकी/थाना समेत प्रत्येक घरों में अनिवार्य रूप से तिरंगा फहराया जाएगा।

हर घर व प्रतिष्ठान में तिरंगा फहराया जा सके, इसके लिए झंडे की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए लोगों को जागरूक करें। 9 से 15 अगस्त तक अमृत कलश में हर गांव-हर शहर की मिट्टी होगी। यह कलश गांव से ग्राम पंचायत फिर क्षेत्र पंचायत होते हुए जिला मुख्यालय पर एकत्रित किया जाएगा। सभी नगरीय निकायों के कलश जिला मुख्यालय पर एकत्रित किए जाएंगे। जिला मुख्यालय से लखनऊ के बाद दिल्ली में स्थित कर्तव्य पथ पर पूरे देश से आये अमृत कलश के साथ शामिल होंगे। डीएम ने कहा कि अमृत कलश देश की पावन मिट्टी से पूरित हैं, इसका सम्मान हो, अमृत कलश यात्रा भव्य हो, जगह-जगह आमजन की सहभागिता के साथ जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए

डीएम ने कहा कि हर ग्राम पंचायत/नगरीय निकाय में शिलाफलकम स्थापित होना है। स्थानीय वीरों/शहीदों का परिचय प्रदर्शित होगा। हर ग्राम/नगर में शिलाफलकम का पूरे सम्मान के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित कर लोकार्पण किया जाएगा। पंचायत स्तर के कार्यक्रमों में पंच प्रण प्रतिज्ञा और सेल्फी, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन और ध्वजारोहण और राष्ट्रगान शामिल है। वसुधा वंदन कार्यक्रम प्रत्येक ग्राम पंचायत में 75 स्थानीय प्रजाति के पौधे रोपित कर अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। सीडीओ सान्या छाबड़ा, एडीएम अर्पित गुप्ता, प्रभागीय वनाधिकारी डीएन सिंह, सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह व डीडीओ तेजभान सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

डीआरएम ने देखी कार्यक्रम की तैयारी

अमेठी। डीआरएम डॉ. मनीष थपलियाल और नोडल अधिकारी राहुल कुमार ने शनिवार शाम अमेठी रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। यहां पर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल को लेकर रेलवे अधिकारियों से जानकारी ली। साथ ही अमृत भारत स्टेशन से होने वाले विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।

दुष्कर्म में दोषी को आजीवन कारावास

गौरीगंज (अमेठी)। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में शनिवार को एक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। न्यायालय ने 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

एसपी डॉ. इलामारन जी ने बताया कि स्थानीय थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 6 अप्रैल 2022 नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अंगद सिंह ने जांच कर साक्ष्य संकलित कर मेडिकल रिपोर्ट व बयान को शामिल करते हुए 25 मई को आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। कोर्ट में मामला विचाराधीन चल रहा था। मॉनीटरिंग सेल के माध्यम से पैरवी कराई गई। शनिवार को न्यायालय एसजे सुल्तानपुर ने अभियुक्त दलगंजन उर्फ दूनी को आजीवन कारावास एवं 20,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पशुओं को लावारिस छोड़ने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

अल्मोड़ा। पशुओं को लावारिस छोड़ने वालों की अब खैर नही है। ऐसे लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हो सकता है। मिशन कामधेनु के तहत इसको लेकर हुई बैठक में तहसील स्तर पर एसडीएम के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी प्रत्येक रविवार को दो ग्राम पंचायतों में पशुओं का सत्यापन करेगी। लावारिस पशुओं की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने नया तरीका अपनाते हुए मिशन कामधेनु की शुरूआत की है जिसका श्रीगणेश चौखुटिया तहसील से किया गया है। इसके तहत पशुओं को लावारिस छोड़ने व जंगल में भगा देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर एसडीएम जयवर्धन शर्मा द्वारा बुलाई गई बैठक में उनके नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई है। जो प्रत्येक रविवार को ब्लाक के दो गावों में जाकर पंजीकृत पशुओं का सत्यापन करेगी। जिन पशु पालकों ने अपने पशुओं को बेचा है वह ग्राम प्रधान के माध्यम से सत्यापित प्रमाण पत्र दिखा सकते हैं परंतु जिन लोगों के गोशाला या घरों में पंजीकृत पशु नही मिलेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई के साथ ही उनसे दो हजार रुपये का अर्थदंड वसूला जाएगा।

कमेटी में एसडीएम के अलावा तहसीलदार विवेक राजौरी, बीडीओ दिलमणी जोशी, ईओ नगर पंचायत विजय कनवासी व पशु चिकित्सक डॉ.आरएन मौर्य को शामिल किया गया है। इसमें ब्लॉक प्रमुख किरन बिष्ट, संबंधित बीडीसी सदस्यों व प्रधानों का भी सहयोग लिया जाएगा। इस प्रयोग को पूरे जिले में लागू करने की बात कही जा रही है। बैठक में पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया की विकासखंड अंतर्गत सभी पशुओं के पंजीकरण संख्या पते के साथ थानाध्यक्ष एवं तहसीलदार चौखुटिया को मुहैया करवाएंगे ताकि तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन प्रत्येक गांव में पशुपालन द्वारा चिन्हित किए गए पशुओं की जांच कर प्रति सप्ताह रिपोर्ट सम्मिलित करेंगे।

लिपिकों ने काले कपड़े पहनकर की नारेबाजी

अंबाला सिटी। जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष सीएडब्लूएस भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले लिपिकीय वर्ग कर्मचारियों को अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन 32वें दिन भी जारी रहा। लिपिकों ने काले रंग के कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रोष व्यक्त किया। करीब एक महीना बीत जाने के बावजूद भी हरियाणा सरकार ने लिपिकीय वर्ग की मांगों पर कोई संज्ञान नहीं लिया। इससे पूर्व में संगठन की ओर से थाली बजाओ व पुतला दहन के पश्चात शनिवार को काला दिवस मनाया गया। सीएडब्लूएस के अंबाला जिलाध्यक्ष सुमित कुमार, सुरिंद्र व विशाल ने बताया शनिवार को सुमित कुमार, पूजा, शिवांस वशिष्ठ, भजन सिंह, शिव कुमार भूख हड़ताल पर बैठे। जिलाध्यक्ष सुमित ने कहा कि सरकार के भेदभाव पूर्ण रवैये ने लिपिकीय वर्ग को हड़ताल करने के लिए मजबूर किया है। सरकार लिपिकीय वर्ग के हकों की काफी वर्षों से अनदेखी करती आई है। मांगों को हर राजनैतिक दल ने हर बार मात्र घोषणापत्र तक ही सीमित रखा। लिपिक कई वर्षों से मात्र आश्वासन के भरोसे काम करते आए हैं। सभी सरकारें उनकी अनदेखी करती आई हैं।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर सही जानकारी अपलोड करने के निर्देश

अंबाला सिटी। शहर स्थित पंचायत भवन के सभागार में अंबाला-1 और अंबाला-2 के वीएलई के लिए बैठक और ट्रेनिंग का आयोजन किया। यह बैठक डीसी अंबाला डॉ. शालीन के निर्देश पर की गई। इस बैठक में नायब तहसीलदार अंबाला छावनी यशवंत ने वीएलई को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें नायब तहसीलदार ने वीएलई को खराब फसलों से संबंधित जानकारी दी गई। इस दौरान डीडीपीओ दिनेश शर्मा, जिला प्रबंधक विवेक शर्मा भी मौजूद रहें। नायब तहसीलदार यशवंत ने बताया कि पिछले दिनों बाढ़ के चलते लोगों के जानमाल का जो नुकसान हुआ हैं, 18 अगस्त तक संबंधित व्यक्ति ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपने नुकसान संबंधी जानकारी भर सकता हैं। उन्होंने कहा कि इस बैठक एवं ट्रेनिंग को किए जाने का उद्देश्य यही है, कि वीएलई को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के बारे में पूरी जानकारी हो, उसे दूर करने बारे भी वीएलई का मार्गदर्शन किया गया। उन्होंने वीएलई को यह भी स्पष्ट किया कि वे पोर्टल पर जो दर्शाया गया है, उसी के अनुसार संबंधित व्यक्ति से जानकारी लेकर उसे भरना सुनिश्चित करें।

सही जानकारी ही इस पोर्टल पर भरें, ताकि नियमानुसार संबंधित व्यक्ति को सत्यापन के बाद मुआवजा संबंधी राशि उसके खातों में स्थानांतरित की जा सकें। नायब तहसीलदार ने बताया कि वीएलई को किसान के हुए नुकसान की पूरी जानकारी लेनी है, किसान की टोटल जमीन कितने एकड़ है, उस जमीन से पोल्ट्रीफार्म, बाड़ा, तालाब व अन्य जगह को लेकर हटा दिया जाए। सिर्फ जिस जगह पर किसान की फसल खराब हुई है सिर्फ उतनी ही जगह को पोर्टल पर अपलोड किया जाए। ठेके पर ली हुई जमीन पर खराब हुई फसल की एंट्री जमीन मालिक का नाम ही पोर्टल पर अपलोड किया जाए। वीएलई के पोर्टल पर अपलोड करने के बाद पटवारी व तहसीलदार खेत में जाकर जानकारी जुटाएंगे इसके बाद ही संबंधित विभाग की ओर से पीड़ित को मुआवजा उसके खाते स्थानांतरित कर दी जाएगी।

ड्राई पोर्ट के लिए साहा में 30 एकड़ जमीन तय, सरकार को भेजेंगे प्रस्ताव

अंबाला सिटी। अंबाला के उद्योगपतियों को जल्द ही देश के किसी भी हिस्से में अपना सामान भेजने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि सरकार ने बजट में जिस ड्राईपोर्ट (मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क) बनाने के लिए घोषणा की थी अब वह धरातल पर उतरती दिख रही है। इसके लिए हाल ही में रेलवे और जिला राजस्व अधिकारी ने जमीन को देख लिया है। साहा में 25 एकड़ में यह ड्राई पोर्ट बनाया जाएगा। यहां की जमीन को अधिगृहीत करने के लिए सरकार को जल्द ही प्रस्ताव भेजा जाएगा, जिससे कि ड्राईपोर्ट को बनाया जाए।

दरअसल साहा में न्यू केसरी रेलवे स्टेशन के पास गांव नगला में 25 से 30 एकड़ की जमीन को ड्राई पोर्ट के लिए तय कर लिया है। इसके लिए काफी मंत्रणा हुई और जगह को रेलवे के हिसाब से भी उपयुक्त माना है। ऐसे में यहां के सर्कल रेट 30 लाख रुपये प्रति एकड़ है। जिस जगह को तय किया गया है यहां से रेलवे का डेडिकेटिड फ्रेट कॉरीडोर निकल रहा है। ऐसे में रेलवे इस स्थान पर अपना यार्ड भी तैयार करेगी। जिससे व्यापारियों का सामान आसानी से डबल डेकर मालगाड़ियों के माध्यम से आ जा सकेगा। फ्रेट कॉरीडोर को भी डबल डेकर मालगाड़ियों के हिसाब से ही बनाया गया है। इसको लेकर रेलवे के अधिकारियों ने भी जगह को देख लिया है।

साइंस उद्योग को मिलेगी बड़ी राहत -असीमा

अंबाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (असीमा) के महासचिव गौरव सोनी ने बताया कि ड्राईपोर्ट बनने तक सब कुछ ठीक रहा तो अंबाला से आसानी से उत्पाद देश के किसी भी हिस्से में कम लागत और कम कम में भेजे जा सकेंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा अंबाला की साइंस इंडस्ट्री को होगा। यहां से देश के कई राज्यों में दवाएं, अस्पतालों के उपकरण, लेबोरेटरी के उपकरण सप्लाई किए जाते हैं। इस समय उद्योगों के लिए समय पर सामान पहुंचाना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है।

अंबाला का साइंस उद्योग 5000 करोड़ से अधिक

अंबाला का साइंस उद्योग अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए ?ऑटोमेशन और रोबोटिक तकनीक का सहारा ले रहा है। इसके लिए ?अंबाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (असीमा) के तहत उद्योगपतियों ने देश में विभिन्न स्थानों पर मशीनों के एक्सपो में भाग लेना शुरू किया।

वहां उन्हें पता चला कि कई ऐसी नई मशीनें आ गई हैं जो कम समय में अधिक मात्रा में और ज्यादा गुणवत्ता के साथ उत्पाद तैयार कर सकती हैं। साइंस उद्योग से जुड़े कारोबारी इन आधुनिक मशीनों को खरीदकर अपने यहां लगा रहे हैं। ऐसे में यह उद्योग अभी 5000 करोड़ रुपये से अधिक का है। आगे ड्राईपोर्ट बनने से निश्चित तौर पर उद्योग को बढ़ोतरी मिलेगी।

कार सवारों से स्मैक बरामद, मामला दर्ज

अंबाला। एंटी नारकोटिक सैल ने होली रिडिमर चर्च के पास नाकाबंदी के दौरान कार सवार दो व्यक्तियों के पास से 8.20 ग्राम स्मैक बरामद कर दोनों के खिलाफ थाना कैंट में एडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया। एंटी नारकोटिक सैल अंबाला के पुलिस दल का सूचना मिली कि जम्मू के हरि सिंह नगर रिहाड़ी वर्तमान पता छावनी के अजित नगर निवासी माधव गुप्ता स्मैक बेचने का काम करता है। जो अपने साथी बलदेव नगर निवासी साथी अमित कुमार के साथ अपनी कार में स्मैक लेकर छावनी बस स्टैंड से चर्च होते हुए कान्वेंट स्कूल के पास आयेगा। अगर चर्च चौंक पर नाकाबंदी की जाए, तो माधव गुप्ता व अमित कुमार को स्मैक सहित काबू किया जा सकते है।

सूचना के बाद पुलिस ने चर्च के पास नाकाबंदी कर दी और कार को रोककर दो व्यक्तियों को काबू कर तलाशी ली, तो पुलिस को उनके पास से 8.20 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान शहर के बलदेव नगर अमित कुमार व माधव गुप्ता के रूप में हुई।

जीजीआईसी में गंदगी और अव्यवस्था देख भड़के एडी

गौरीगंज (अमेठी)। अपर निदेशक शिक्षा अजय कुमार द्विवेदी ने शनिवार को सात इंटर कॉलेजों का जायजा लिया। अमेठी जीजीआईसी में गंदगी और अव्यवस्था देख भड़क गए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में सुधार करने को कहा। अपर शिक्षा निदेशक ने इसके अतिरिक्त छह अन्य कॉलेजों का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर का आकलन किया। एडी शिक्षा प्रयागराज शनिवार को अचानक जिला मुख्यालय पहुंच गए। मुख्यालय से माध्यमिक विभाग के अफसर व कर्मियों के साथ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अमेठी पहुंचे। यहां कॉलेज परिसर में गंदगी मिली। इसके साथ ही शिक्षण कक्ष में अंधेरा देखकर नाराजगी जताई।

प्रधानाचार्य डॉ. फूलकली को स्कूल की सफाई कराने के साथ अन्य व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त अपर शिक्षा निदेशक ने जीआईसी टीकरमाफी, जीजीआईसी सोनारीकला, गौरीगंज, राजकीय हाईस्कूल अमेठी, अफुइया और संग्रामपुर के ठेंगहा स्थित ऐडड कॉलेज रणंजय इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षक की भूमिका में आए अपर शिक्षा निदेशक ने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर का परीक्षण किया।

जीजीआईसी गौरीगंज की प्रधानाचार्य डॉ. संगीता शर्मा ने शिक्षकों की कमी के कारण होने वाली समस्या बताई। जिस पर अपर निदेशक ने शिक्षकों की भर्ती प्रक्रियाधीन होने की बात कहते हुए जल्द ही शिक्षकों की तैनाती करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने संचालित योजनाओं का सत्यापन करते हुए साथ मौजूद सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आशुतोष मिश्र को ऑपरेशन अलंकार से राजकीय स्कूल को मूलभूत सुविधा से लैस करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजने के साथ जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करने को कहा। प्रधान सहायक राकेश कश्यप, दुर्गेश के साथ अन्य विभागीय कर्मी मौजूद रहे।

आरडी के नाम पर महिलाओं से लाखों की ठगी

अल्मोड़ा। नगर के पास खत्याड़ी की 40 महिलाओं को आरडी के नाम पर आठ लाख के गबन का मामला सामने आया है। दिल्ली की एक कंपनी ने नगर में कार्यालय खोलकर महिलाओं से आरडी के नाम पर धन लिया और अचानक गायब हो गई। समय पूरा होने के दो साल बाद जब अभिकर्ताओं ने धन लौटाने से हाथ पीछे खींचे तो महिलाओं ने कोतवाली पहुंचकर कंपनी के खिलाफ तहरीर दी और जमा धनराशि लौटाने की मांग की। खत्याड़ी की पीड़ित महिलाओं ने कोतवाली पहुंचकर कंपनी के खिलाफ कार्रवाई कर प्रदर्शन किया। बताया कि वर्ष 2016-17 में दिल्ली की एक कंपनी ने नगर के पास अपना कार्यालय खोला। गांव की एक महिला को अभिकर्ता बनाया। उसके कहने पर उन्होंने कंपनी में पंचवर्षीय योजना के तहत आरडी खोली और सभी महिलाओं का करीब आठ लाख जमा हो गया। लेकिन इसी बीच कंपनी कार्यालय बंद कर गायब हो गई। इसके बाद महिलाएं अभिकर्ता बीना महाजन के साथ कोतवाली पहुंची और प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि किसी तरह उन्होंने पूंजी जमा की, लेकिन कंपनी उनका पैसा लेकर गायब हो गई और उन्होंने इस फर्जीवाड़े का शिकार होकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा दी है। वहीं अभिकर्ता ने कंपनी के खिलाफ तहरीर दी है। कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि अभिकर्ता की ओर से मामले की तहरीर मिली है। मामले की जांच बेस चौकी प्रभारी को सौंपी है। प्रदर्शनकारियों में भावना जलाल, भावना अधिकारी, इंदू देवी, ललिता कनवाल, ममता पोखरिया, राधा देवी, माया देवी, रेखा सतवाल, मुन्नी देवी, मोहनी देवी आदि मौजूद रहीं।

ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा लगा रहे बुजुर्ग का निधन

अलीगढ़। ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा लगा रहे 80 वर्षीय धर्मवीर सिंह निवासी मतानतनगर बुधसैनी जिला बागपत शनिवार को बाजना के समीप गश खाकर गिर पड़े। कुछ राहगीरों ने उन्हें बागपत के लिए एक बस में बिठा दिया लेकिन बस के चालक-परिचालक उन्हें गौमत चौराहे के पास उतारकर चले गए। यहां उनकी हालत खराब देखकर ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां दोपहर में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। बताते हैं कि धर्मवीर सिंह चौरासी कोस की परिक्रमा करने के लिए 26 जुलाई को निकले थे। यात्रा के नौवें दिन शनिवार की सुबह वह बाजना के पास पहुंचे थे तभी गश खाकर गिर पड़े थे।

देश सेवा के लिए बढ़े 752 अग्निवीरों के कदम

रानीखेत (अल्मोड़ा)। रानीखेत के कुमाऊं रेजीमेंट मुख्यालय में निकले 752 अग्निवीरों के कदम देश सेवा के लिए सरहदों की तरफ बढ़े हैं। 31 हफ्ते की कठिन ट्रेनिंग के बाद इन अग्निवीरों ने पासिंग परेड में शामिल होकर देश की रक्षा का संकल्प लिया। अग्निवीरों के इस पहले बैच की ब्रिगेडियर गौरव भग्गा ने सलामी ली। परेड के बाद सभी अग्निवीर खुशी से झूम उठे। रानीखेत के सोमनाथ मैदान में शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। यहां अग्निवीरों के पहले बैच की पासिंग परेड हुई, जिसे लेकर उनमें खासा उत्साह नजर आया। 752 अग्निवीरों ने कदम-कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा की स्वरलहरियों के बीच हुई भव्य पासिंग परेड में मार्च पास्ट किया। केआरसी कमांडेंट ब्रिगेडियर गौरव भग्गा ने मार्च पास्ट की सलामी ली और अग्निवीरों का हौसला बढ़ाते हुए तत्परता से देश सेवा में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश सेवा का जज्बा लिए युवाओं ने अग्निवीर बनने का निर्णय लिया जो गौरव की बात है। कहा कि सेना के लिए देश सेवा से बढ़कर कोई काम नहीं है।

उन्होंने सेना में जाने को प्रेरित करने के लिए अग्निवीरों के परिजनों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि अब ये अग्निवीर थल सेना का हिस्सा बनकर देश सेवा करेंगे और इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। इस मौके पर डिप्टी कमांडेंट कर्नल सुनील कटारिया, कर्नल विक्रमजीत सिंह, ले. कर्नल वीरेंदर सिंह दानू, ले. कर्नल सोभी राज, कैप्टन अरविंद सिंह, ले. कर्नल ऐश्वर्य राइ जोशी, कैप्टन सुमित दहिया, सूबेदार मेजर इंदर सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ महिमान सिंह सहित कई अधिकारी, अग्निवीर और उनके परिजन मौजूद रहे।

उत्कृष्ट रिक्रूट को किया सम्मानित

रानीखेत। पासिंग परेड के दौरान मुख्य अतिथि कमांडेंट ब्रिगेडियर गौरव भग्गा ने प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को मेडल देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में रिक्रूट रोहित कुमार, अभय कुमार, देवेंद्र बिष्ट, गौरव बिष्ट, जीवन सिंह शामिल रहे।

खुशी से झूमे अग्निवीर, कहा देश सेवा के लिए सेना में जाने का सपना हुआ पूरा

रानीखेत। पासिंग परेड के बाद अग्निवीर खुशी से झूम उठे और उनके चेहरे पर अलग ही रौनक नजर आई। मानो उन्होंने आसमान छूलिया हो। वह सेना का हिस्सा बनने पर अपने को गौरवांवित महसूस कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बचपन से ही उन्होंने देश सेवा का जज्बा लिए सेना में जाने के लिए तैयारी की। नतीजन उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। कहा कि उन्हें देश की सुरक्षा की जो जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरेंगे। कहा उनका सेना में जाने का सपना आखिरकार पूरा हुआ है, जिससे वे बेहद खुश हैं।

दुकानें खाली करने का अल्टीमेटम, जमा कारोबार ठप होने की बढ़ी टेंशन, एक दुकानदार की तबियत बिगड़ी

अलीगढ़। अतरौली नगर पालिका की दुकानों को खाली कराने की सूचना से कई दुकानदारों की तो भूख गायब है जो खाना भी नहीं खा पा रहे। साइबर कैफे संचालक हिमांशु की इस बात को लेकर रविवार को तबियत भी खराब हो गई उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। अतरौली नगर पालिका की दुकानें खाली करने का प्रशासन द्वारा सोमवार तक दिए समय को लेकर दुकानदार बेहद परेशान हैं। दुकानदारों को समझ नहीं आ रहा कि आखिर वह क्या करें अपने हाथों से कैसे अपने जमे हुए कारोबार को ठप करें। दुकानदारों का कहना है कि नगर पालिका की गलती का खामियाजा आखिर उनको क्यों उठाना पड़ रहा है?

नगर पालिका कार्यालय के नीचे 39 दुकानें बनी हुई हैं। इनमें से 12 दुकानों का आवंटन वर्ष 2009-10 में हुआ था और शेष दुकानों का आवंटन नगर पालिका द्वारा 2014 में किया गया था। व्यापारियों ने नगर पालिका द्वारा बताए गए नियम शर्तों का पालन करते हुए दुकानें ली थीं। वहीं कस्बा निवासी अंशुल भारद्वाज ने नियम कानूनों को ताक पर रखते हुए आवंटन करने की शिकायत शासन में की थी। जांच के दौरान 32 दुकानों का आवंटन गलत मानते हुए अधिकारियों ने दुकानें निरस्त कर दीं। एसडीएम को अध्यक्ष, सीओ व ईओ को सदस्य बनाते हुए दुकानें खाली कराने का आदेश दिया। एसडीएम ने दुकानदारों को आज सोमवार तक दुकानें खाली करने का समय दिया है। चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक स्वतः दुकानें खाली नहीं कीं तो प्रशासन पुलिस के साथ दुकानें खाली कराएगा। इसे लेकर दुकानदारों में खल बली मची हुई है।

जगह-जगह मदद की गुहार लगा रहे दुकानदार

पूर्व सभासद गीता देवी, अंशु भारद्वाज, नितिन भारद्वाज, राजू प्रधान, मुकेश लोधी आदि दुकानदार एटा सांसद राजवीर सिंह भी मिले और मदद की गुहार लगाई। दुकानदारों का कहना है कि नगर पालिका ने जो नियम शर्तें दीं उनका पालन करते हुए प्रीमियम जमा कर दुकानें आवंटित कराई थीं और उनमें व्यापार शुरू किया। 10 से 12 वर्ष की कड़ी मेहनत के बाद दुकानदारों ने कारोबार जमाया।

ज्यादातर व्यापारियों की आय का जरिया इन्हीं दुकानों से है और परिवार पल रहा है। नगर पालिका ने यदि किसी नियम शर्त की गलती की तो इसमें उनका क्या दोष है। व्यापर ठप हो जाने की स्थिति में कई परिवार बर्बादी के कगार पर और भूखों मरने की नौवत तक आ जाएगी। दुकानदार रो रहे हैं कि भले ही प्रशासन ने आदेश दिया हो तब भी अपने हाथों से भी अपना करोबार बंद नहीं कर सकते और प्रशासन जबरन दुकानें खाली कराएगा तो भी रोजी रोटी हाथ से जाएगी आखिर वो करें तो करें क्या? इसे लेकर वह जगह जगह मदद की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि इस प्रकरण को दुकानदारों ने हाईकोर्ट में भी रिट दायर कर दी है जिस पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है।

दुकान खाली करने की सूचना पर एक की हालत बिगड़ी

इन 32 दुकानों में बुक सेलर, परचून, कंप्यूटर रिपेयरिंग्र कॉस्मेटिक, शादी कार्ड्स, साइबर कैफे, डिश टीवी, ग्राहक सेवा केंद्र, मिनी बैंक, किराना आदि कारोबार संचालित हैं। दुकानें खाली कराने की सूचना से कई दुकानदारों की तो भूख गायब है जो खाना भी नहीं खा पा रहे। साइबर कैफे संचालक हिमांशु की इस बात को लेकर रविवार को तबियत भी खराब हो गई उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

अल्मोड़ा में शुरू हुई डाक वाहन सेवा

अल्मोड़ा। जिले के उपभोक्ताओं तक उनकी डाक अब जल्द और सुरक्षित पहुंच सकेगी। डाक विभाग ने रुद्रपुर से अल्मोड़ा तक पहली बार डाक वाहन सेवा की शुरुआत की है। अपना वाहन होने से डाक विभाग को रोडवेज बस या अन्य वाहनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अब जिले के लोगों को अपनी डाक पाने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। लोगों तक जल्द और सुरक्षित डाक पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने रुद्रपुर से यहां तक डाक वाहन सेवा शुरू की है। अब तक विभाग का अपना वाहन नहीं होने से रोडवेज बस या अन्य वाहनों से डाक मंगानी पड़ रही थी। इससे पार्सल या अन्य डाक को नुकसान पहुंच रहा था। अब डाक विभाग का लाल रंग का वाहन रुद्रपुर से सीधा प्रधान डाकघर में डाक पहुंचाएगा और उसकी अन्य वाहनों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। बस के कई स्टॉप पर रुकने से डाक पहुंचने में काफी समय लगता था।

डाक विभाग से मुताबिक डाक वाहन रुद्रपुर से रवाना होकर सीधा अल्मोड़ा पहुंचेगा। इस रूट पर पड़ने वाले अन्य जिलों के डाकघरों से इसका कोई संबंध नहीं रहेगा। केवल अल्मोड़ा की डाक ही वाहन से मंगवाई जाएगी जिसमें समय और धन की बचत होगी।

अब 1.17 करोड़ से होगा 12 क्रास रोड की अधूरी सड़क का निर्माण

अंबाला। क्रास रोड 12 की अधूरी सड़क का निर्माण एक करोड़ 17 लाख से पूरा होगा। नगर परिषद ने यह अनुमानित लागत तैयार की है और इसकी फाइल तैयार करके मुख्यालय भेज दी है, जिससे कि अनुमति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा सके और फंड मिलते ही काम। यह सड़क सेवा समिति स्कूल के चौक से लेकर महाराजा ढाबे तक बनाई जाएगी। पिछले लगभग चार साल से यह सड़क अधूरी पड़ी है जबकि इस सड़क से रोजाना स्कूली बच्चों सहित सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। सड़क की हालात खस्ता होने के कारण रोजाना हादसे भी हो रहे हैं। बारिश के दिनों में तो इस सड़क से निकलना मुश्किल हो जाता है।

50 लाख रुपये थी शुरुआती लागत

नगर परिषद ने लगभग डेढ़ साल पहले सड़क के निर्माण के लिए योजना तैयार की थी। शुरुआती दौर में इसकी अनुमानित लागत 50 लाख रुपये तय की गई। इसके कुछ समय बाद दोबारा से सड़क निर्माण के लिए रुपरेखा तैयार की गई तो यह 67 लाख तक पहुंच गई। अब कुछ समय पहले दोबारा से सड़क निर्माण का लेखा-जोखा तैयार किया गया तो यह एक करोड़ 17 लाख तक पहुंच गया।

यह है नगर परिषद की योजना

नगर परिषद की यह योजना है कि 12 क्रॉस रोड की सड़क को सुभाष पार्क की सड़क तक एक समान बनाया जाएगा, जिससे कि जगाधरी-अंबाला नेशनल हाईवे पर आवागमन करने वाले वाहन उक्त रास्ते से सीधा बस अड्डा, छावनी रेलवे स्टेशन और दिल्ली और चंडीगढ़ की तरफ जाने वाले हाइवे तक बिना किसी परेशानी के पहुंच सकें। यह रास्ता तैयार होने से लोगों के समय की बचत होगी और वह जल्दी गंतव्य तक पहुंच पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हेड कांस्टेबल के छोटे भाई उवैस की हत्या में शामिल तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

अमरोहा। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव सहसपुर अलीनगर में रहने वाले हेड कांस्टेबल के छोटे भाई उवैस की हत्याकांड के तीसरे आरोपी हमजा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। इससे पहले पुलिस हमजा के भाई बहाव और उवैस के सीने में गोली मारने वाले मुसरेन को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सहसपुर अलीनगर में रहने वाले मोहम्मद उमर के परिवार में पत्नी के अलावा चार बेटे हैं। बड़ा बेटा जावेद किसान हैं। जबकि दूसरे नंबर का बेटा जुबैर यूपी पुलिस में हेड कांस्टेबल है। वर्तमान में उसकी तैनाती रामपुर जनपद में है। वहीं जुनैद और उवैस छोटे बेटे हैं। उवैस इंटर तक की पढ़ाई करने के बाद विदेश जाने की तैयारी में था। बीते सोमवार को उवैस अपने चचेरे भाई सुबेब, फैजान अपने दोस्त जिलानी निवासी दीपपुर के साथ सिनौरा गांव में पूर्व प्रधान जावेद के दफीने में शामिल होने के लिए जा रहे थे। एक बाइक उवैस चला रहा था, जिसके पीछे जिलानी बैठा हुआ था। जबकि दूसरी मोटरसाइकिल फैजान और सुबेब सवार थे। चारों नीलीखेड़ी गांव अंडरपास के रास्ते होते हुए सिनौरा जाने वाले चौराहे पर पहुंचे थे। तभी ढकिया गांव निवासी बहाव, उसका भाई हमजा और सिनौरा का रहने वाला मुसरेन ने उवैस पर हमला कर दिया। सीने में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतक उवैस के पिता मोहम्मद उमर ने ढकिया गांव निवासी बहाव, हमजा और सैनारा गांव निवासी मुसरेन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने बहाव और मुसरेन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि शनिवार को हत्याकांड के तीसरे आरोपी हमजा को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बहाव और उसके भाई हमजा के कहने पर ही मुसरेन ने उवैस की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पत्नी से दिलवाओ छुटकारा- बच्चों को छोड़ लिव इन में रहने लगी एएनएम, पीड़ित ने पुलिस कर्मियों से लगाई गुहार

अमरोहा। मऊ निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी सरकारी नौकरी में है। उसके दो बच्चे भी हैं। आरोप लगाया कि वह किसी व्यक्ति के साथ लिव इन में रह रही है। इसलिए उससे छुटकारा दिलाया जाए। मऊ जिले का निवासी सामाजिक संगठन से जुड़े लोगों के साथ बृहस्पतिवार सुबह गजरौला थाने में पहुंचा। पुलिस को बताया कि वह गांव में ही खेतीबाड़ी कर गुजारा करता है। उसकी पत्नी स्वास्थ्य विभाग में एएनएम है और वह दो बच्चों की मां है। गजरौला सीएचसी क्षेत्र में उसकी बीते कई साल से तैनाती है। उसकी पत्नी को गजरौला थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने अपने प्रेम प्रसंग में फंसा लिया है। उसकी पत्नी अपने प्रेमी युवक के साथ रिलेशनशिप में रह रही है। युवक ने पत्नी के साथ रिलेशनशिप के कागजात बनवा लिए हैं। जिस पत्नी पर उसने विश्वास कर इतनी दूर नौकरी करने भेजा, वह पति और दो बच्चों को छोड़ अपने रास्ते से भटक गई है। वह भी पत्नी से छुटकारा चाहता है। मगर इसके लिए उसे कुछ लिखित में चाहिए। पुलिस से गुहार लगाई कि पत्नी के प्रेमी युवक से यह लिखकर दिलाया जाए कि वह उसकी पत्नी को साथ रखेगा। कोई भी घटना या अनहोनी पर मऊ निवासी जिम्मेदार नहीं होगा। पुलिस ने उसे कई बार फोन किया, लेकिन पत्नी के प्रेमी युवक ने पुलिस का फोन नहीं उठाया। बृहस्पतिवार को दोपहर तक उसकी लोकेशन मुरादाबाद में रही। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी।

तलाक देकर पत्नी को प्रेमी संग भेजा-दोस्त को रोज घर बुलाती थी महिला, पति ने दोनों को मिलते देखा तो उठाया कदम

अमरोहा। अमरोहा में पति के मजदूरी पर जाते ही पत्नी मिलने के लिए प्रेमी को घर बुला लेती थी। जब इस बात का पति को पता चला तो उसने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। इसके बाद पत्नी को प्रेमी के साथ रहने के लिए भेज दिया। अमरोहा में मजदूरी कर घर लौटे युवक ने पत्नी को प्रेमी के साथ रंगेहाथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। बाद में जमकर हंगामा हुआ। समझौते के लिए जुटी पंचायत में युवक ने पत्नी को तीन तलाक देकर रिश्ता तोड़ लिया। जबकि बेटी की हरकत में शर्मिंदा मायके वालों ने हमेशा के लिए घर के दरवाजे बंद कर उसे प्रेमी के साथ भेज दिया। मामले में कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। ये मामला शहर के एक मोहल्ले का है। यहां रहने वाली एक विवाहिता का प्रेम प्रसंग पड़ोस के मोहल्ले में रहने वाले युवक के साथ चल रहा था। विवाहिता के दो बच्चे भी हैं। पति के काम पर चले जाने के बाद विवाहिता अपने बच्चों को स्कूल भेजकर प्रेमी को घर बुला लेती थी। करीब छह महीने से दोनों का छिप-छिपकर मिलने का सिलसिला चल रहा था। विवाहिता थोड़ी दबंग किस्म की है लिहाजा पड़ोसी भी उसके पति से उसकी हरकत के बारे में नहीं बताते थे। चार दिन पहले दोपहर में युवक मजदूरी कर घर जल्दी लौट आया। तभी उसने अपनी पत्नी को प्रेमी के साथ कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। युवक को देखकर प्रेमी वहां से भागने लगा। शोर मचाने पर मोहल्ले के लोगों ने पीछा कर प्रेमी को पकड़ लिया। जानकारी होने पर विवाहिता और उसके प्रेमी के घरवाले आ गए। हंगामा बढ़ता देख मामला निपटाने के लिए पंचायत जुट गई। इस दौरान सबके सामने युवक ने तलाक देकर पत्नी से रिश्ता खत्म कर लिया। मायके के लोगों ने भी बेटी के लिए घर वापसी के दरवाजे बंद कर दिए। तभी विवाहिता अपने प्रेमी के साथ उसके घर चली गई। बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी युवक ने ली है।

लापरवाही पर बीएलओ को चेतावनी, कटेगा एक दिन का वेतन

बदायूं। डीएम मनोज कुमार द्वारा ग्राम ढिलवारी के निरीक्षण के दौरान अविवादित विरासतों का सत्यापन व विशेष पुनरीक्षण अभियान के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कार्य में लापरवाही पर बीएलओ को चेतावनी देने व मानदेय काटने, विरासत दर्ज करने में देरी होने पर लेखपाल से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। डीएम ने जिले में सभी अविवादित विरासतों को दर्ज करने के लिए 30 मई से 31 जुलाई 2023 तक अभियान चलाया गया। इसका सत्यापन प्राथमिक विद्यालय ढिलवारी में सभी ग्रामवासियों के समक्ष किया। इस दौरान डीएम ने बताया कि एक अविवादित विरासत जिसमें स्वर्गीय सत्येंद्र के एक वर्ष पूर्व मृत्यु होने व उनके पिता स्वर्गीय चंद्रपाल की करीब 12 वर्ष मृत्यु होने के बाद भी अविवादित विरासत दर्ज करने में देरी हुई, इस पर नाराजगी व्यक्त की गई। वहीं डीएम ने एसडीएम दातागंज को निर्देशित किया कि इसकी पूर्ण जांच कर अपनी सुस्पष्ट आख्या दें। साथ ही पाया कि ग्राम में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर सत्यापन नहीं कर रहे हैं। इस पर डीएम ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित बीएलओ को चेतावनी जारी करने व उनका शनिवार का मानदेय काटने के निर्देश दिए।

नुरपुर पिनौनी में 15 दिन से ट्रांसफार्मर खराब

बदायूं। कस्बे में अस्पताल के पास लगा ट्रांसफार्मर 15 दिन से खराब पड़ा है। इससे आधे गांव की आपूर्ति बाधित पड़ी है। विद्युत आपूर्ति के लिए पुराना ट्रांसफार्मर लगाया गया था, लेकिन वह भी फुंक गया। भीषण गर्मी में ग्रामीणों का बुरा हाल हो रहा है। नूरपुर पिनौनी में 2005 में 100 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया था, तब लोड कम था। अब ज्यादा लोड होने की वजह से 100 केवी का ट्रांसफार्मर लोड नहीं झेल पा रहा है। वह आए दिन फुंक जाता है। ग्रामीणों ने कम से कम 200 केवी का ट्रांसफार्मर रखने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि 95 केवी की जगह पर 55 एमएम की ही केबल डाल दी गई। इससे रोजाना केबल भी टूट जाती है और आपूर्ति ठप हो जाती है। पिछले दिनों एसडीओ को ज्ञापन भी दिया तो उन्होंने आठ दिन में ट्रांसफार्मर लगाने का लेकर आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक हालात जस के तस हैं।

मेरठ मार्ग की जर्जर हालत पर फूटा लोगों का गुस्सा

बड़ौत। बड़ौत-मेरठ मार्ग की जर्जर हालत को लेकर शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने बड़ौत-मेरठ मार्ग पर बिनौली बस स्टैंड के पास एकत्रित होकर यातायात अवरुद्ध कर प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ उनकी नोकझोंक हुई। इस दौरान लोग धरना देकर बैठ गए। सूचना पर एसडीएम और सीओ मौके पर पहुंचे और नगरपालिका के ईओ और पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर को मौके पर बुलाया। जिसके बाद उन्होंने एक सप्ताह के अंदर मार्ग का निर्माण शुरू कराएं जाने का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया। लोगों ने मार्ग का जल्द निर्माण न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी। लोगों ने बताया कि यह मार्ग जनपद का मुख्य मार्ग है। वर्ष 2018 में बड़ौत से बरनावा मार्ग के पास हिडन नदी तक लगभग 15 किमी लंबी सड़क का निर्माण तकरीबन 10 लाख रुपयों में कराया गया था, लेकिन उसके दो साल बाद वर्ष 2020 में ही मार्ग फिर से टूट गया। अब सड़क में गड्ढे ही गड्ढे दिखाई देते हैं। सड़क की हालत बेहद जर्जर हो गई है। सड़क में कदम-कदम पर गड्ढे हैं। दुपहिया वाहन चालक तो सड़क से उखड़े पत्थरों पर फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। बड़ौत और लोहड्डा गांव के बीच सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई है। वाजिदपुर गांव में सड़क चलने लायक नहीं है। गन्ना सीजन में किसानों को गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना ले जाने में परेशानी होती है। इसके अलावा नागेश्वर मंदिर से जौहड़ी तक सड़क में गड्ढे ही गड्ढे हैं। इस दौरान सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ उनकी नोकझोंक हुई। इस दौरान मार्ग पर तीन घंटे जाम लगा रहा। मार्ग पर वाहनों की लाइन लग गई और भीषण गर्मी में लोगों का बुरा हाल था। मामला बढ़ने पर एसडीएम सुभाष सिंह और सीओ सविरत्न गौतम मौके पर पहुंचे।

विद्युत उपभोक्ता एवं जन-प्रतिनिधि सम्पर्क अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बहराइच संवाददाता

बहराइच। विद्युत व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिले में 31 जुलाई से 06 अगस्त 2023 तक संचालित विद्युत उपभोक्ता एवं जन-प्रतिनिधि सम्पर्क अभियान की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। रिवेम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम पर चर्चा के दौरान मुख्य अभि. विद्युत देवीपाटन मण्डल गोण्डा दीपक अग्रवाल ने बताया गया कि आगामी पांच वर्षों के लिए जनपद बहराइच में 12 नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्रों का निर्माण, 18 की क्षमती वृद्धि तथा 16 पर स्थापित ट्रांसफार्मर्स की क्षमतावृद्धि के अलावा 25 केवीए 251, 63 केवीए 141, 100 केवीए 189, 250 केवीए 71 तथा 400 केवीए 7 कुल 659 नये परिवर्तकों की स्थापना की जायेगी।

मुख्य अभियन्ता श्री अग्रवाल ने बताया कि इसके अलावा जिले में 2561 परिवर्तकों की क्षमता वृद्धि का भी कार्य किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत 682 परिवर्तको की क्षमता 10 से बढ़ाकर 25 केवीए, 1285 की क्षमता 16 से बढ़ाकर 25 केवीए, 322 की क्षमता 25 से बढ़ाकर 63 केवीए, 107 की क्षमता 63 से बढ़ाकर 100 केवीए, 76 की क्षमता 100 से बढ़ाकर 250 केवीए, 04 की क्षमता 160 से बढ़ाकर 250 केवीए, 65 की क्षमता 250 से बढ़ाकर 400 केवीए तथा 20 परिवर्तको की क्षमता 400 से बढ़ाकर 630 केवीए की जाएगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि प्रस्तावित कार्यों से जिले की विद्युत आपूर्ति में व्यापक सुधार आयेगा तथा स्थानीय फाल्ट की संख्या में भी गुणात्मक कमी आयेगी। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों की ओर से सुझाव प्राप्त हुआ कि उप खण्ड कार्यालयों पर विभागीय अधिकारियों के टेलीफोन नम्बर अंकित करा दिये जायें ताकि कार्यालय पर अधिकारी से सम्पर्क न हो पाने की दशा में उपभोक्ता अपनी बात मोबाइल पर बता सकें। जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्युत चोरी पर अंकुश तथा राजस्व वृद्धि के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया कि ग्राम प्रधानों से समन्वय कर ग्राम स्तर पर चौपाल आयोजित की जाय। चौपाल आयोजन से जहां कटिया कनेक्शन को नियमित कनेक्शन में बदलने के अलावा बकाया राजस्व की वसूली में भी इज़ाफा होगा। जनप्रतिनिधियों ने यह भी सुझाव दिया कि चौपाल के दौरान फाल्स बिलिंग से सम्बन्धित समस्याओं का अनिवार्य रूप से निराकरण कराया जाए ताकि आमजन शुद्ध हुए बिलों के सापेक्ष धनराशि जमा कर सकें।

जनपद में औसत से कम वर्षा को दृष्टित रखते हुए विभाग को सुझाव दिया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाय तथा ट्यूबवेल कनेक्शन मांगने वाले कृषकों को शीर्ष प्राथमिकता पर कनेक्शन उपलब्ध कराया जाय। विभाग को यह भी सुझाव दिया गया कि विद्युत दोष से बन्द पड़े सभी राजकीय नलकूपों को प्रत्येक दशा में क्रियाशील किया जाय। जनप्रतिनिधियों ने विभागीय अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं ने फोन न रिसीव करने सम्बन्धी शिकायतों पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि सभी अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन काल को अनिवार्य रूप से रिसीव करें तथा उस सम्बन्ध में अपेक्षित कार्यवाही भी की जाय। बैठक के दौरान सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिया गया कि अभियान चलाकर जर्जर तारों व खम्भों को बदला जाये विशेष कर सड़कों के किनारे जहां भी जर्जर तार व खम्भे है उन्हें बदल दिया जाय तथा ढीले तारों को भी दुरूस्त कराएं। ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना नगण्य हो जाय। जनप्रतिनिधियों ने यह भी सुझाव दिया कि इस सम्बन्ध में आमजन की ओर से प्राप्त होने वाली शिकायतों को भी कतई नज़रअंदाज़ न किया जाए। नगर क्षेत्र में हुए अण्डर ग्राउण्ड केबलिंग कार्य का भुगतान से पूर्व सत्यापन अवश्य कराया जाय। मानक के अनुसार कार्य न पाये जाने पर भुगतान की कार्यवाही न की जाय। मुख्य अभियन्ता श्री अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों की ओर से प्राप्त हुए निर्देशों एवं सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के फोन न उठाएं जाने सम्बन्धी शिकायतों की पुर्नावृत्ति होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध एक्शन लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि विद्युत जैसे महत्वपूर्ण विभाग में कार्य करते हुए सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा के साथ निर्वहन कर आमजन तक मानक के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर एम.एल.सी. पदमसेन चौधरी व डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा के प्रतिनिधि मनीष चौधरी, विधायक कैसरगंज आनन्द कुमार यादव के प्रतिनिधि डॉ. डी.आर. मौर्या, न.पा.परि. नानपारा के अध्यक्ष अब्दुल वहीद, न.पं. अध्यक्ष पयागपुर बालेन्द्र श्रीवास्तव के प्रतिनिधि बसन्त कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधी.अभि. सुरेश कुमार, अधि.अभि. बहराइच शैलेन्द्र कुमार, नानपारा के कृष्ण कुमार, कैसरगंज के सौरभ निगम, अधि.अभि. पारेषण फैय्याज़ अहमद व मीटर के पी.के. सिंह के अलावा उप खण्ड अधिकारी, सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में दोषी को 20 वर्ष की कैद

रामपुर। छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए 20 वर्ष की कैद और 65,500 रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई। मामला पटवाई थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गांव निवासी एक ग्रामीण ने 3 जून 2022 की रात्रि की घटना बताते हुए थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें उसका आरोप है कि उसकी कक्षा आठ में पढ़ने वाली बेटी को पड़ोस का ही रहने वाला आरोपी बहला-फुसलाकर अपहरण करके ले गया और बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। इस मुकदमें की सुनवाई शनिवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मो. रफी की कोर्ट में हुई। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुमित शर्मा ने वादी मुकदमा सहित कई गवाहों के बयान दर्ज कराए और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की। जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि घटना का कोई स्वतंत्र साक्षी नहीं है। लिहाजा, आरोपी को बरी किया जाए। दोनो पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने दिनेश कुमार को दोषी मानते हुए 20 वर्ष की कैद और 65,500 रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले मे कहा है कि जुर्माने की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को दी जाए।

भाभी पर आया देवर का दिल- घरवालों ने किया रिश्ते का विरोध तो उठाया ऐसा कदम, आफत में पड़ गई दोनों की जान

बदायूं। रात करीब साढ़े आठ बजे कछला पुल पर युवक को महिला के साथ घूमते हुए देखा गया। इसके कुछ देर बाद ही दोनों पुल की रेलिंग पर खड़े होकर गंगा में कूद पड़े। गोताखोरों ने दोनों की जान बचाई। बदायूं के उझानी क्षेत्र में कछला पुल से शनिवार देर रात रिश्ते के देवर भाभी ने गंगा में छलांग लगा दी। यह देख गोताखोर भी गंगा में कूद पड़े। गोताखोरों ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दोनों ने पहले खुद को पति पत्नी बताया, लेकिन पुलिस ने बाद में पता किया तो वह देवर भाभी निकले। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग है। घरवाले उनके रिश्ते का विरोध कर रहे थे। इसीलिए दोनों ने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की है। कछला पुल पर करीब 30 वर्षीय युवक को महिला के साथ घूमते हुए देखा गया। इसके कुछ देर बाद ही दोनों पुल की रेलिंग पर खड़े होकर गंगा में कूद पड़े। उन्हें कूदता देख घाट पर मौजूद कांवड़ियों और आसपास के दुकानदारों ने शोर मचा दिया। गोताखोरों में ओमकार, छविराम और राजकुमार ने मशक्कत कर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। शुरू में दोनों बेहोशी की हालत में दिखे, लेकिन बाद में वह सामान्य नजर आए।

कासगंज जिले के रहने वाले हैं दोनों

चौकी के पुलिसकर्मियों और गोताखोरों को पूछताछ के दौरान युवक ने खुद को कासगंज जिले में अकाऊ का निवासी बताया। उसने महिला को अपनी पत्नी बताया। युवक ने पुलिस को यह भी बताया कि उसके माता-पिता से पत्नी की कहासुनी हो गई थी। इसी के चलते दोनों आत्महत्या करने के लिए कछला पुल पर आकर गंगा में कूद पड़े। पुलिस ने जब उनके परिजनों से पता किया तो पता लगा कि युवक और महिला रिश्ते में देवर-भाभी हैं। इसे लेकर घाट पर काफी देर रात अफरातफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने युवक के बताए फोन नंबर पर कॉल कर अवगत करा दिया है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि युवक और महिला रिश्ते के देवर भाभी है। परिजनों को बुलाया गया है।

चिकित्सक को लूटने वाले पांच बदमाश दबोचे, लूटी हुई रकम और बाइकें बरामद

अलीगढ़। यह बदमाश गैंग बनाकर लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। तीन बदमाश बैंक के बाहर खड़े होकर रुपये लेकर आने-जाने वालों की रेकी करते थे। यह सूचना अपने अन्य तीन साथियों को देते थे। वह रुपये लेकर जाने वाले का बाइक से पीछा कर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। होम्योपैथिक चिकित्सक से चार लाख रुपये से भरा थैला लूटने वाले पांच बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। उनके पास से लूटा गया रुपया भी बरामद करने के साथ तीन बाइकें भी जद्दारी से बरामद की गई हैं। गांव धूमरा निवासी होम्योपैथिक चिकित्सक अमर सिंह कस्बे के एक धर्मार्थ अस्पताल में कार्यरत हैं। शुक्रवार को वह एसबीआई की एडीबी शाखा से चार लाख रुपये निकालकर घर जा रहे थे। पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने चिकित्सक की बाइक के आगे बाइक लगाकर रुपयों से भरा थैला लूट लिया और भाग निकले। कुछ साहसी युवकों ने पीछा कर भाग रहे दो बदमाशों को पकड़ लिया था। अन्य बदमाश रुपये लेकर भाग निकले थे।

भारत माता की जय के नारे का सांसद दानिश अली ने किया विरोध, बोले- भाजपा का नहीं सरकारी है कार्यक्रम

अमरोहा। सांसद में नारों के बीच कहा कि यह सरकारी कार्यक्रम है न की भाजपा पार्टी का। जिसके बाद काफी देर तक हंगामा हुआ, हालांकि बाद में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों व रेलवे अधिकारियों ने मामले को शांत किया। जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को वर्चुअल सुना गया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के शिलान्यास कार्यक्रम में उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब भाजपाइयों द्वारा लगाए जा रहे भारत माता की जय के नारे का बसपा सांसद दानिश अली ने विरोध किया। सांसद में नारों के बीच कहा कि यह सरकारी कार्यक्रम है न की भाजपा पार्टी का। जिसके बाद काफी देर तक हंगामा हुआ, हालांकि बाद में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों व रेलवे अधिकारियों ने मामले को शांत किया। जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को वर्चुअल सुना गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रविवार को अमरोहा रेलवे स्टेशन पर शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन होना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस का वर्चुअल शिलान्यास कर रहे थे। इसके लिए स्टेशन परिसर में विशेष तैयारी की गई थी मंच भी सजाया गया था। प्रधानमंत्री के संवाद से पूर्व भाजपा एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने अपने भाषण की शुरुआत भारत माता की जय का नारा लगाकर की। वहां मौजूद भाजपाइयों ने भारत माता की जय के साथ पार्टी के समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिया। तभी मंच पर बैठे बसपा सांसद कुंवर दानिश अली ने नारेबाजी का विरोध जताया जताया। कहां यह भाजपा का कार्यक्रम नहीं है यह एक सरकारी कार्यक्रम है इस तरह की नारेबाजी गलत है। जिस पर भाजपा कार्यकर्ता भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया।

अन्य भाजपा नेता भी विरोध में उतर आए और नोकझोंक शुरू हो गई करीब 10 मिनट तक हंगामा होता रहा। बाद में एमएलसी डॉ. हरी सिंह ढिल्लों समेत अन्य पदाधिकारी और रेलवे अधिकारी बीच- बचाव के लिए पहुंचे उन्होंने किसी तरह मामला शांत कराया जिसके बाद शांतिपूर्ण तरीके से प्रधानमंत्री को वर्चुअल सुना गया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सांसद कुंवर दानिश अली वहां से चले गये। उधर, बसपा सांसद दानिश अली का कहना है कि उन्होंने भारत माता की जय बोलने का विरोध नहीं किया था, बल्कि कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से की जा रही अनावश्यक नारेबाजी को लेकर एतराज जताया था और यह कहा था कि यह कार्यक्रम किसी पार्टी का न होकर भारत सरकार का है, इसलिए अनावश्यक नारेबाजी नहीं होनी चाहिए।

हत्या या आत्महत्या

पैर से बह रहा था खून, ऐसे हाल में मिला पशु चिकित्सक का शव; सहम गए लोग

आगरा। पशु चिकित्सक की मौत के मामले में पुलिस जांच कर रही है। बड़ा सवाल ये भी है कि पशु चिकित्सक ने आत्महत्या की या उनकी हत्या हुई। जिस हाल में उनका शव मिला उससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। मैनपुरी के थाना भोगांव क्षेत्र के गांव दलपतपुर निवासी एक पशु चिकित्सक का शव शनिवार की सुबह थाना क्षेत्र के गांव दुधौना में पेड़ पर लटका मिला। संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत का कारण जानने के लिए पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

पेड़ पर लटकी मिली लाश

भोगांव थाना क्षेत्र के गांव दलपतपुर निवासी रामसेवक (50) पशुओं का इलाज करते थे। शुक्रवार की शाम वह थाना क्षेत्र के गांव दुधौना में एक पशु की जांच के लिए आए थे। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटै। परिजन ने तलाश की लेकिन कोई पता नहीं लग सका। शनिवार की सुबह पंचायत घर के पीछे कंज के पेड़ पर रामसेवक का शव अंगौछा के फंदे से लटका मिला।

घरवालों ने उठाये ये सवाल

जानकारी होने के बाद रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने के बाद पहुंची थाना पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक का पुत्र नितिन ने बताया कि पैर में कुछ चोट के निशान थे।

खून भी बह रहा था। परिजन की ओर से किसी अनहोनी की आशंका भी व्यक्त की है। थानाध्यक्ष कपिल वशिष्ठ ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम गया है। रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इसके बाद ही पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

बारिश के दौरान गिरा कच्चा मकान, मलबे में दबने से पति-पत्नी घायल

बदायूं। ओरछी क्षेत्र में बारिश के दौरान गांव खेड़ादास निवासी लटूरी सिंह का कच्चा मकान गिर गया। उसमें सो रहे दंपती मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाला।

बदायूं जिले में शनिवार शाम को करीब एक घंटा जमकर बारिश हुई। जिससे शहर से लेकर देहात तक सड़कों पर जलभराव हो गया। हालांकि बाद में बारिश बंद हो गई, लेकिन बादल छाए रहे। बारिश रात में फिर से बारिश शुरू हो गई, जो सुबह तक जारी रही। ओरछी क्षेत्र में बारिश के दौरान गांव खेड़ादास निवासी लटूरी सिंह का कच्चा मकान गिर गया। उसमें सो रहे लटूरी सिंह और उनकी पत्नी उर्मिला दब गई,चीख-पुकार पर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने दंपती को बाहर निकाला। दोनों के गंभीर चोटें आई हैं।

विवि ने प्रोन्नत के लिए बनाए नियम, दो घंटे की होगी बहुविकल्पीय परीक्षा, 75 प्रश्न करने होंगे

अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) से संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2023-24 विषम सेमेस्टर की सभी परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रणाली पर होगी। परीक्षा दो घंटे की होगी। परीक्षार्थियों को 75 प्रश्नों में सभी प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में अनुत्तीर्ण छात्रों को सभी प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण होने पर ही स्नातक की उपाधि मिलेगी। यह निर्णय परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया। विवि प्रशासन ने प्रोन्नत के लिए नियम बनाए हैं। सत्र 2021-22 में बीए, बीएससी, बीकॉम के प्रथम वर्ष यानी प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के वह छात्र जो द्वितीय वर्ष में प्रोन्नत हो गए थे, लेकिन किसी कारणवश तृतीय वर्ष में प्रोन्नत नहीं हो पा रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए कुलपति की ओर से समिति गठित की गई थी। समिति ने छात्रहित को ध्यान में रखते हुए शासनादेश के क्रम में शिथिलता प्रदान की है। विवि के कुलसचिव महेश कुमार ने बताया कि सत्र 2021-22 के ऐसे सभी छात्र जो तृतीय वर्ष में प्रोन्नत नहीं हो पा रहे हैं, उन्हें इस शर्त के साथ प्रोन्नत किया गया है कि वह प्रथम सेमेस्टर के अनुत्तीर्ण-अनुपस्थित समस्त प्रश्नपत्रों को पंचम सेमेस्टर के साथ और द्वितीय सेमेस्टर के अनुत्तीर्ण-अनुपस्थित समस्त प्रश्नपत्रों को छठवें सेमेस्टर के साथ उत्तीर्ण नहीं कर लेते, तब तक उन्हें स्नातक उपाधि नहीं दी जाएगी। समिति ने यह भी कहा है कि केवल सत्र 2021-22 के लिए ही लागू होगा। इसे आगामी वर्षों के लिए नजीर न माना जाए।

वोकेशनल प्रश्न पत्र की परीक्षा एक सप्ताह में

राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) में सत्र 2023-24 के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में वोकेशनल प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण व अनुपस्थित छात्र-छात्राओं की परीक्षा एक सप्ताह में होगी। प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में वोकेशनल प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण व अनुपस्थित होने के कारण छात्र-छात्राएं पंचम सेमेस्टर में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। विवि के कुलसचिव महेश कुमार ने बताया कि परीक्षा के अंक महाविद्यालय की लॉग इन आईडी के माध्यम से विवि की वेबसाइट पर अपलोड करें।

दो घंटे की परीक्षा

राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) से संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2023-24 विषम सेमेस्टर की सभी परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रणाली पर होगी। परीक्षा दो घंटे की होगी। परीक्षार्थियों को 75 प्रश्नों में सभी प्रश्न करने अनिवार्य होंगे।

साहब जिंदा हूं, अफसरों ने अभिलेखों में मृत दिखा रोक दी सम्मान निधि

औरैया। संपूर्ण समाधान दिवस में तहसीलों में फरियादियों की भीड़ उमड़ी। तीनों तहसीलों में 255 फरियादी शिकायतें लेकर पहुंचे। इसमें से अधिकारियों ने मौके पर 42 शिकायतों का निस्तारण कराया। अधिकारियों के सामने सबसे ज्यादा शिकायतें,बिजली, पानी, सिंचाई, सम्मान निधि, आवास से संबंधित रही। जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस बिधूना तहसील में आयोजित हुआ।

यहां पर एडीएम न्यायिक अब्दुल बासित, एसडीएम निशांत तिवारी ने शिकायतों को सुना। सदर तहसील में एसपी चारु निगम, सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एसडीएम अखिलेश कुमार मौजूद रहे। वहीं अजीतमल में एडीएम वित्त एवं राजस्व महेंद्र पाल सिंह ने एसडीएम संध्या शर्मा के साथ शिकायतें सुनी। अधिकारियों ने पूर्व में दर्ज हुई शिकायतों को लेकर जानकारी जुटाई। कुछ अधिकारियों के समय से न पहुंचने पर हिदायत दी। सदर तहसील में सीडीओ अनिल कुमार ने राजस्व , विकास विभाग से जुड़ी शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

-----केस-1

मृत दिखा साहब रोक दी सम्मान निधि

सदर तहसील में शिकायत लेकर पहुंचे भाग्यनगर ब्लॉक के चिरैयापुर निवासी लालता प्रसाद ने अधिकारियों के सामाने सम्मान निधि न मिलने का दुखड़ा रोया। बताया कि उन्हें पहले योजना का लाभ मिलता था। मगर बीच में सत्यापन के दौरान अधिकारियों ने उसे अभिलेखों में मृत दिखा कर सम्मान निधि रोक दी। यह सुनते ही अधिकारियों का पारा चढ़ गया। संबंधित कृषि व ब्लॉक के कर्मचारियों को समस्या निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। दोबारा से ऐसे मामले सामने न आएं इसके लिए हिदायत भी दी गई।

केस-2

बिना जांच के शिकायत कर दी निस्तारित

अजीतमल तहसील में सेंगनपुर निवासी सुशील कुमार ने प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि पिछले संपूर्ण समाधान दिवस में पीएम आवास की सूची से नाम हटाए जाने की शिकायत की थी। अधिकारियों के सामने आरोप लगाया कि बिना जांच पड़ताल किए ही उसकी शिकायत निस्तारित कर दी गई। बताया कि वह पात्र है और उसे योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

केस-3

छह माह से नहीं वितरित किया पुष्टाहार

अजीतमल तहसील में शिकायत लेकर पहुंचे सरांय अनंतराम निवासी सुनील कुमार ने एडीएम एमपी सिंह से कहा कि उनके बच्चे गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने जाते हैं। पिछले छह माह से बच्चों को पोषाहार वितरित नहीं किया गया है। कई बार इसको लेकर शिकायत की, मगर समस्या दूर नहीं कराई जा सकी है। इस पर अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए।

सिविल सर्विसेज का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 19 अगस्त को

बहराइच। प्रभारी क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि राज्य कर्मचारियों के कल्याणार्थ खेल के विकास तथा शारीरिक संवर्धन के उद्देश्य से 19 अगस्त 2023 को प्रातः 10:00 बजे से इन्दिरा गॉधी स्पोर्ट्स स्टेडियम, बहराइच में वालीबाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिन्टन, टेबुल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एण्ड वेस्टफिजिक, एथलेटिक्स, फुटबाल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावरलिफटिंग, क्रिकेट व हाकी खेल हेतु जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल का आयोजित किया गया है। क्रीडाधिकारी ने बताया कि सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल में राज्याधीन विभागों के अधिकारी/कर्मचारी ही भाग ले सकते हैं। आटोनोमस बाडी जैसे परिषद, बोर्ड, नगर निगम, पंचायत व पुलिस विभाग के कर्मचारी (अध्यापक/सहायक अध्यापक आदि) भाग नहीं ले सकते हैं। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु इच्छुक खिलाड़ी उचित माध्यम से निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होकर चयन/ट्रायल्स में सम्मिलित हो सकते हैं।

धर्म परिवर्तन के बाद मां बेटी से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

बदायूं ।नौकरी का झांसा देकर विवाहिता को अपने जाल में फंसा कर उसका धर्म परिवर्तन कराया और उसके साथ हरियाणा ले जाकर दुष्कर्म किया। विवाहिता जब उसके चंगुल से छूट कर अपने घर लौटी तो आरोपी गुरुवार को उसके घर भी पहुंच गया और उसकी बेटी को अकेला पाकर चाकू के बल पर उसके साथ भी दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को एफआईआर दर्ज करने के दो घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है। विदित हो कि सिविल लाइंस क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस से दी तहरीर में बताया कि वह अनुसूचित जाति की है। उसके पति की कुछ साल पहले मृत्यु हो गई थी। वह अपनी बेटी के भरण पोषण के लिए काम ढूंढ रही थी। उसकी मुलाकात जिला संभल के थाना गुन्नौर के मुहल्ला शेखान निवासी अरशद अली से हुई। अरशद ने बताया कि वह मजदूर ठेकेदार है। उसे अच्छे वेतन पर नौकरी दिला देगा। इसके बाद अरशद ने उसे भरोसे में लिया और महिला का धर्म परिवर्तन कराया और नाम रेशमा रख दिया। शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। नौकरी दिलाने की बात कहकर हरियाणा ले गया। वहां महीनों उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। दबाव बनाकर उससे कलमा और नमाज पढ़वाने लगा। धीरे धीरे महिला उसके इरादे भांप गई। इस पर वह अपनी बेटी को लेकर वहां से बदायूं आकर अपने घर रहने लगी। गुरुवार को जब महिला काम के लिए बाहर गई तो अरशद उसके घर पहुंच गया। जहां महिला की 14 वर्षीय बेटी अकेली थी। अरशद ने चाकू निकाल कर बेटी को धमकाया। जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ भी दुष्कर्म किया और वहां से फरार हो गया। महिला लौटी तो बेटी ने रोते हुए पूरा किस्सा बताया। शुक्रवार दोपहर मां को लेकर थाने पहुंची और मुकदमा दर्ज कराया। प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइंस गौरव विश्नाई ने बताया कि आरोपी अरशद को मुकदमा दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर लिया।

त्रिगुट
मंगलवार 08 अगस्त 2023

संसद की कार्रवाई पर सेंसरशिप

संसद में सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अधिकार है। वह जो भी बोलते हैं,वह रिकॉर्ड पर आता है। सदस्यों की अभिव्यक्ति पर सदन के अंदर कोई रोक टोक नहीं है। आसंदी द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार सदस्य अपनी बात सदन के अंदर कहते हैं। संसद में सदस्यों द्वारा जो बोला गया है, उसको आधार बनाकर सांसद को सदन के बाहर कोई चुनौती भी नहीं दी जा सकती है। यह संवैधानिक संरक्षण निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिला हुआ है। संसद में चर्चा के दौरान यदि किसी सदस्य द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है। जो असंसदीय है, ऐसे शब्दों को हटाने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अथवा सभापति को होता है। उन शब्दों को कार्यवाही से निकालने की परंपरा 1950 से लेकर अभी तक चली आ रही है। इसके लिए राज्यसभा में नियम 261 और लोकसभा में नियम 380 के तहत अध्यक्ष समय-समय पर गैर संसदीय आपत्तिजनक शब्दों को रिकॉर्ड से हटाने के आदेश समय-समय पर देते रहे हैं।

पिछले कुछ समय से विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में जो मामले उठाए जाते हैं। उनको रिकॉर्ड पर ही नहीं लिया जाता है। जो रिकॉर्ड में आ जाते हैं, उन्हें भी हटाने के आरोप अब विपक्षी दल मुखरता के साथ लगा रहे हैं। इस तरह के आरोप से आसंदी कमजोर होती है। हाल ही में डेरेक ओ ब्रायन ने मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद में जो बोला था। उनका पूरा बयान संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। उन्होंने कहा,इसमें कुछ भी संसदीय नहीं था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है, कि विपक्षी सदस्य सदन के अंदर जो बोलते हैं। उनके बयान को संसद की कार्यवाही से हटाया जा रहा है। या उन्हें सेंसर किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोप में कहा कि मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, महुआ मोइत्रा, शांतनु सेन। भगवंत सिंह मान,संजय सिंह जान ब्रिट्स, एमबी राजेश, विनोद विश्वम, वाइको, संजय राउत इत्यादि सदस्यों के कथन सदन की कार्रवाई से हटाए गए हैं। उनके बयान में असंसदीय कुछ भी नहीं था। हां उनके बयान सरकार के खिलाफ थे। सदन की कार्रवाई से जिन सदस्यों के बयान को संसद की कार्रवाई से हटाया गया है। उनमें अधिकतर अडानी समूह, हिंडनबर्ग रिसर्च सेंसरशिप, आपातकाल, प्रधानमंत्री के बयान को उल्लेखित करते हुए जो बयान दिए गए थे। उन्हें सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। विपक्ष का आरोप है, विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में दिए गए हर उस बयान को हटाया गया है। जिनमें सरकार अपनी जवाबदेही में विफल थी। सदन की कार्यवाही को हटाने से पहले सदस्यों को नोटिस तक नहीं दिया गया। नाही उनकी प्रतिक्रिया ली गई। सरकार की आलोचना करने वाले, जो भी बयान विपक्षी सांसदों के थे। उन्हें संसद की कार्रवाई से हटाकर एक तरह से सांसदों के बोलने के रिकॉर्ड पर भी सेंसरशिप जैसी स्थिति आ गई है। 1969 की किताब कैबिनेट गवर्नमेंट को उद्धत करते हुए कहा गया,कि सरकार और मंत्रियों पर प्रहार करना विपक्ष का दायित्व है। इससे भ्रष्टाचार और सरकार के कुशासन पर अंकुश लगाने की संवैधानिक शक्ति विपक्ष को मिलती है। संसद ही एक ऐसा मंच है,जहां पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपने अधिकार के कारण सरकार से सवाल पूछ पाते हैं। सरकार को जवाब देने की बाध्यता, संवैधानिक प्रावधान में है। सदन के अध्यक्ष और सभापति का दायित्व होता है,कि वह सरकार से सदस्यों के हर प्रश्न का उत्तर दिलाने में सदस्यों की मदद करे। पिछले कुछ सत्रों में असंसदीय शब्दों के स्थान पर विपक्षी सांसदों के पूरे बयान को ही,या उसके बड़े हिस्से को हटाने की कार्रवाई, लोकसभा और राज्यसभा में बड़े पैमाने पर की जा रही है। जो विपक्षी सांसदों के अनुसार एक तरह से सेंसरशिप है। सदस्यों की सदन के अंदर बोलने की जो अभिव्यक्ति है। उसको सदन के रिकॉर्ड से बाहर करना, असंवैधानिक बताते हुए अब विपक्ष दलों द्वारा विरोध मुखर होकर किया जा रहा है। आसंदी, सरकार के दबाव में सदन की कार्रवाई को संचालित करने और सरकार को बचाव करने का मौका देने की बात कह रहे हैं। जिसके कारण विपक्ष,सरकार और आसंदी के बीच में टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व संविधान ने सभापति और लोकसभा अध्यक्ष को दिया है। सरकार कई मामलों में विपक्ष के आरोपों या उनके प्रश्न से बचना चाहती है।

थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करने के बाद ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग रिंपोछे की मौत के बाद छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

भारत में झूठा विमर्श गढ़ने के हो रहे हैं प्रयास

प्रहलाद सबनानी

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों को देखने के पश्चात ध्यान में आता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पटरी पर तेजी से दौड़ने लगी है। परंतु, देश के मीडिया में भारत के आर्थिक क्षेत्र में लगातार बन रहे नित नए रिकार्ड का जिक्र कहीं भी नहीं है। इसके ठीक विपरीत देश में रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं, गरीब अति गरीब की श्रेणी में जा रहा है, मुद्रा स्फीति की दर अधिक हो रही है, भुखमरी बढ़ रही है, हिंसा बढ़ रही है, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं, आदि विषयों पर विमर्श गढ़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। भारत में झूठे विमर्श गढ़ने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों के शासन काल में भी कई प्रकार के झूठे विमर्श गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैज्ञानिक एवं आधुनिक है, भारत सपेरों का देश है एवं इसमें अपढ़ गरीब वर्ग ही निवास करता है, सनातन भारतीय संस्कृति रूढ़िवादी एवं अवैज्ञानिक है, शहरीकरण विकास का बड़ा माध्यम है अतः ग्रामीण विकास को दरकिनार करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय के बीच में आर्थिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के क्षेत्र हैं, विदेशी भाषा को जानने के चलते नागरिकों में आत्मविश्वास बढ़ता है, संस्कृति से अधिक तर्क को महत्व दिया जाना चाहिए, व्यक्ति एवं समष्टि में व्यक्ति को अधिक महत्व देना अर्थात व्यक्तिवाद को बढ़ावा देना चाहिए (पूंजीवाद की अवधारणा), कम श्रम करने वाला व्यक्ति अधिक होशियार माना गया, सनातन हिन्दू संस्कृति पर आधारित प्रत्येक चीज को हेय दृष्टि से देखना, जैसे दिवाली के फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं, होली पर्व पर पानी की बर्बादी होती है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज सनातन भारतीय संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों एवं कई विदेशी संस्थानों द्वारा भारत के विरुद्ध गढ़े जा रहे विमर्श के विपरीत भारत लगातार आर्थिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के विकास में सेवा क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सेवा क्षेत्र का ही रहता है एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में भी सेवा क्षेत्र का अहम स्थान है और इससे जुड़ी सर्विस पीएमआई के माह जुलाई 2023 के आंकड़े आ गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल का इंडिया सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई का स्तर जुलाई में 62.3 पर रहा है जो कि पिछले 13 वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से निर्यात भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवाओं का निर्यात 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत से सेवा क्षेत्र में निर्यात वित्तीय वर्ष 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 प्रतिशत अधिक अर्थात 323 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। परिषद के चेयरमैन ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सेवा क्षेत्र से 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा गया था जबकि वास्तव में यह 323 अरब डॉलर का रहा है। कर संग्रहण के क्षेत्र में भी भारत में नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं। जुलाई 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 11 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित करते हुए 1.65 लाख करोड़ रुपए का रहा है, जो जुलाई 2022 माह में 1.49 लाख करोड़ रुपए का एवं जून 2023 माह में 1.61 लाख करोड़ रुपए का रहा था। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के लिए 9.56 लाख करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी प्रकार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर रिटर्न दाखिल करने वाले नागरिकों की संख्या 31 जुलाई 2023 तक 6.77 करोड़ हो गई है, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 से सम्बंधित फाइल किए गए 5.83 करोड़ रिटर्न की तुलना में 16.1 प्रतिशत अधिक है। हर्ष का विषय यह है कि इस वर्ष 53.67 लाख नागरिकों ने पहली बार आय कर रिटर्न दाखिल किया है, अर्थात भारत में अब कर जमा करने के सम्बंध में जागरूकता बढ़ रही है एवं गरीब वर्ग अब मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ रहा है। भारत में माह जुलाई 2023 में ऊर्जा का उपभोग 8.4 प्रतिशत बढ़कर 13,900 करोड़ यूनिट्स के स्तर को पार कर गया है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारत में आर्थिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही है यह इस बात से भी सिद्ध होता है कि भारत में बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों में जबरदस्त उछाल दृष्टिगोचर है। जून 2023 माह में बैकों के गैर खाद्यान ऋणों में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि मई 2023 माह में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। कृषि क्षेत्र में 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 27 प्रतिशत एवं उद्योग क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही, जून 2023 माह में भारत के 8 मूलभूत क्षेत्रों द्वारा 8.2 प्रतिशत की वृद्धि अर्जित की गई है। स्टील उद्योग ने तो 21.9 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की है, वहीं कोयला एवं सिमेंट क्षेत्र में भी वृद्धि दर का आंकड़ा दहाई से भी अधिक का रहा है। 8 में से 7 क्षेत्रों में वृद्धि दर अच्छी रही है। भारत इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में जापान को पीछे छोड़ते हुए आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बन गया है। भारत द्वारा इस्पात के क्षेत्र में आयात को कम करके 34,800 करोड़ रुपये बचाए गए हैं क्योंकि भारत में लगभग 6 करोड़ टन कच्चे इस्पात की क्षमता को जोड़ा गया है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता वर्ष 2014-15 में 109.85 मीट्रिक टन थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 160.30 मीट्रिक टन हो गई है। इस प्रकार, अब इस्पात का कुल उत्पादन 88.98 मीट्रिक टन से बढ़कर 126.66 मीट्रिक टन हो गया है। भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्राप्त की जा रही विभिन्न उपलब्धियों को दरकिनार करते हुए, भारत के बारे में भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं। जैसे, भारतीय कुछ नया करे तो उसे 'जुगाड़' कहा जाता है और चीन यदि कुछ नया करे तो 'रिवर्स इंजिनीयरिंग। पश्चिम का प्रत्येक कदम वैज्ञानिक है, परंतु भारतीय आयुर्वेद को हर बात सिद्ध करने की आवश्यकता होती है। पश्चिम का अधूरा अध्ययन भी साइन्स की श्रेणी में है, परंतु भारत के कई प्राचीन वैज्ञानिक तथ्य भी रूढ़िवादी माने जाते हैं। पश्चिमी विचारधारा में व्यक्ति की भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं है, केवल तकनीकी के बारे में ही विचार किया जाता है। इसी प्रकार से भारत में बाल श्रम को लेकर पश्चिमी देशों द्वारा हो हल्ला मचाया जाता है किंतु उनके अपने देशों में कई प्रतियोगिताओं में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी भाग लेते हैं, परंतु उनकी दृष्टि में यह बाल श्रम की श्रेणी में नहीं आता है। भारत में यदि 16 वर्ष की कम उम्र के बच्चे अपने पारम्परिक व्यवसाय की कला में पारंगत होना प्रारम्भ करें तो यह बाल श्रम की श्रेणी में माना जाता है। भारत के संदर्भ में यह दोहरी नीति का विमर्श क्यों खड़ा किया जाता है। पश्चिमी देशों द्वारा भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान (झूठे विमर्श) को आज तोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए उनके प्रत्येक विमर्श को अलग अलग रखकर भिन्न भिन्न तरीकों से तोड़ना होगा। जैसे किसी विज्ञापन में भारतीय परम्पराओं का निर्वहन करने वाली महिला यदि बिंदी नहीं लगाएगी तो उस उत्पाद को नहीं खरीदेंगे, यदि किसी फिल्म में भारतीय संस्कृति एवं आध्यातम का मजाक उड़ाया जाता है तो उस फिल्म का भारतीय समाज बहिष्कार करेगा। भारतीय त्यौहारों के विरुद्ध किये जा रहे प्रचार, जैसे दिवाली पर फटाके जलाने से पर्यावरण को नुक्सान होता है, होली पर पानी की बर्बादी होती है, शिवरात्रि पर दूध बहाया जाता है, आदि के विरुद्ध भी उचित प्रतिकार किया जाना चाहिए। यह हमें समझना होगा कि भारतीय परम्पराएं आदि-अनादि काल से चली आ रही हैं और यह संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर विश्वास करती है। अतः पूरे विश्व में यदि शांति स्थापित करना है तो भारतीय संस्कृति पर आधारित दर्शन ही इसमें मददगार हो सकता है, इससे पूरे विश्व की भलाई होगी।

नीतीश कुमार और बादल परिवार का जिक्र कर मोदी ने जदयू और अकाली दल को बड़ा संदेश दिया है

संतोष पाठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एनडीए सांसदों की कलस्टरों की बैठक में एनडीए को त्याग की भावना से बना गठबंधन बताते हुए यह कहा कि विधायकों की कम संख्या होने के बावजूद भाजपा ने नीतीश कुमार को बिहार में मुख्यमंत्री बनाया। एनडीए के विस्तार में जुटे भाजपा के अभियान के बाद जिन दो राजनीतिक दलों की एनडीए के पाले में वापसी को लेकर लगातार और बार-बार कयास लगाए जा रहे हैं, वह दोनों ही दल अभी तक इस बारे में कोई अंतिम फैसला शायद नहीं कर पा रहे हैं। स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल की पार्टी शिरोमणि अकाली दल जिसे उनके देहांत के बाद आजकल उनके बेटे सुखबीर सिंह बादल चला रहे हैं और दूसरा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड। यह दोनों ही राजनीतिक दल भाजपा के पुराने सहयोगी रहे हैं। भाजपा पंजाब और बिहार में इन दलों के साथ मिलकर लंबे समय तक सरकार चला चुकी है और यह दोनों ही राजनीतिक दल केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार और नरेंद्र मोदी सरकार में भी शामिल रह चुके हैं लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों की वजह से आज अकाली दल और जेडीयू, दोनों ही एनडीए से दूर हो चुके हैं।

भाजपा का साथ छोड़ने के बाद नीतीश कुमार देशभर में 2024 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को हराने के मंत्र के साथ विपक्षी दलों को एकजुट करने की मुहिम में लगे हुए हैं तो वहीं सुखबीर सिंह बादल एनडीए और विरोधी दलों के गठबंधन दोनों से अलग हटकर मायावती की पार्टी बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर पंजाब में अपने पुराने गौरवशाली दिनों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा ने न तो किसी दल को एनडीए से जाने को कहा है और न ही आने को कहेगी, यह फैसला इन दोनों दलों के नेताओं को करना है कि वह फिर से भाजपा के साथ आना चाहते हैं या नहीं ? हालांकि जेडीयू और अकाली दल लगातार भाजपा के साथ फिर से जाने की खबर पर इंकार करने का ही स्टैंड अपनाए हुए हैं लेकिन इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कमान संभालते हुए नीतीश कुमार और बादल परिवार दोनों को ही या यूं कहें कि जेडीयू और शिरोमणी अकाली दल को भाजपा के त्याग की याद दिलाते हुए कहा है कि एनडीए स्वार्थ नहीं त्याग की भावना से बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एनडीए सांसदों की कलस्टरों की बैठक में एनडीए को त्याग की भावना से बना गठबंधन बताते हुए यह कहा कि विधायकों की कम संख्या होने के बावजूद भाजपा ने नीतीश कुमार को बिहार में मुख्यमंत्री बनाया। उन्होंने बादल परिवार को भी भाजपा के त्याग की याद दिलाते हुए कहा कि पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन सरकार में भाजपा विधायकों की अच्छी खासी संख्या होने के बावजूद भाजपा ने उपमुख्यमंत्री का पद नहीं मांगा। याद दिला दें कि, पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार में प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री थे और उनके बेटे सुखबीर सिंह बादल उपमुख्यमंत्री। उस समय भाजपा के कई नेता दबी जुबान में यह कह रहे थे कि राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन की स्थापित परंपरा के मुताबिक उपमुख्यमंत्री पद पर भाजपा का स्वाभाविक दावा बनता है और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ही पद एक ही पार्टी या यूं कहें कि एक ही परिवार के पास नहीं जाना चाहिए लेकिन अकाली दल के साथ गठबंधन को तवज्जो देते हुए भाजपा आलाकमान ने उस समय अपने ही स्थानीय नेताओं की बात को खारिज करते हुए सुखबीर सिंह बादल को उपमुख्यमंत्री बनाने के प्रकाश सिंह बादल के फैसले को स्वीकार कर लिया। लेकिन प्रधानमंत्री ने सोमवार को एनडीए की बैठक में भाजपा के त्याग का यह किस्सा सुना कर एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है।

यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार और अकाली दल को याद करके जो कुछ भी कहा, वह इन दोनों राजनीतिक दलों के लिए स्पष्ट तौर पर एक संदेश है कि भाजपा के दरवाजे इनके लिए अब भी खुले हुए हैं। मतलब साफ है कि अगर नीतीश कुमार अपने आप को राजनीतिक रूप से विरोधी दल के साथ गठबंधन में खासतौर से लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन की सरकार चलाने में पहले की तरह असहज महसूस कर रहे हो तो फिर से भाजपा के साथ आ सकते हैं। संकेत बिल्कुल साफ है कि नीतीश कुमार चाहें तो भाजपा के साथ आने के बावजूद भी वे राज्य के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। पंजाब में अकेले दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही भाजपा ने अपने सबसे पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल के लिए भी अपने दरवाजे खुले रखे हैं। संकेत बिल्कुल स्पष्ट है कि भले ही राजनीतिक परिस्थितियां बदल गई हों, पंजाब में भाजपा अकाली दल से अलग होने के बाद लगातार मजबूत हुई हो लेकिन इसके बावजूद अगर अकाली दल फिर से एनडीए में शामिल होने का फैसला करता है तो भाजपा निश्चित तौर पर पहले के मुकाबले गठबंधन में अपने लिए ज्यादा स्पेस चाहेगी लेकिन साथ ही साथ बादल परिवार के सम्मान को भी बरकरार रखेगी। एनडीए सांसदों की बैठक में नीतीश कुमार और अकाली दल को याद कर प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ इन्हीं दोनों दलों को राजनीतिक संदेश देने का प्रयास नहीं किया है बल्कि इसके साथ-साथ उन्होंने एनडीए गठबंधन में शामिल वर्तमान राजनीतिक दलों और उनके सांसदों को भी एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है कि भाजपा के रुख, रवैये और स्टैंड को लेकर भाजपा के पुराने सहयोगी या भाजपा के विरोधी चाहे जो कुछ भी कहते रहें लेकिन आज की भाजपा भी अटल-आडवाणी के दौर की भाजपा है जो एनडीए के वफादार सहयोगियों का पूरा खयाल रखती है, सम्मान देती है और परिस्थितियों के अनुसार उन्हें उचित पद और तवज्जो भी देती है। भले ही इसके लिए भाजपा को अपने ही स्थानीय नेताओं की बात को खारिज करना पड़े, भले ही इसके लिए भाजपा को राजनीतिक रूप से बलिदान देना पड़े। प्रधानमंत्री का राजनीतिक संदेश अपने आप में पूरी तरह से स्पष्ट और बड़ा संदेश है।

मध्य प्रदेश में शिक्षण की कमी से अभिभावक एवं छात्रों का भविष्य सुरक्षित

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

वर्तमान में माता पिता अपने बच्चों को पढ़ा लिखाकर दूसरे शहरों में या विदेश भेज देते हैं पढ़ने या नौकरी के लिए उससे वे बेचारे माँ बाप उनसे बिछुड़ जाते हैं और यहाँ तक वे बच्चे उसी जगह स्थापित हो जाते हैं। इससे माँ बाप को अपनी संतान का कोई सुख नहीं मिलता। शादी होने पर बहु का सुख नहीं उसे बाद नाती पोतों का सुख नहीं। बाद में सिर्फ फोटो, मोबाइल के सहारे अपने बच्चों में सुखाभास मिलता हैं और मजे की बात आजकल एक दो संतानों के कारण बच्चों का होना या न होना एक बराबर होता हैं। कोई सुखद अनुभूति नहीं। बच्चों को नौकरी से अवकाश नहीं और उनके बच्चे होने पर उनकी पढाई का समय, परीक्षा, होम वर्क और बच्चे अपने वातावरण में ढलने के कारण उतना मनोकुल न होने से आने में कतराते हैं और वैसे ये सब वृद्धावस्था में होने से दो तीन पीढ़ियों का अंतर होने से भावनात्मक जुड़ाव नहीं होता। कभी कभी माँ बाप को लगता हैं की हम निःसंतान हैं और पुत्रों को लगता हैं की लगता हैं की हमें नहीं लगता की हम किसी के पुत्र हैं वे सिर्फ अपने पिता बनने पर गौरवान्वित होते हैं ! यह कोई आश्चर्यजनक कथ्य नहीं हैं। जब संपर्क वर्षों न होगा तो यह अहसास जरूर होगा।

मध्य प्रदेश सरकार जिसे मनपसंद सरकार कहना अतिश्योक्ति नहीं होंगी ! कारण वर्तमान में आज शिक्षकों की कमी मात्र 66523 से अधिक है और मात्र 18 हज़ार स्कूलों में एक एक शिक्षक कार्यरत हैं ! यह बहुत सुखद अनुभूति देता हैं की हमारा प्रदेश लाखों छात्रों का भविष्य अपने माँ बाप के साथ सुरक्षित कर रहा हैं ! कारण जब छात्र पढेंगें नहीं तो उनकी बेरोजगारी की समस्या से मुक्त, न रोजगार कार्यालय में पंजीयन होगा और न प्रदेश में कोई बेरोजगार नहीं रहेगा और न पढ़े लिखे होने से न शहर छोड़कर कही नहीं जाएंगे और न विदेश का चक्कर। कम से कम उनकी औलाद उनके पास रहेंगी और वे अपनी संतान को अपनी नज़र के सामने रखकर उनका सुख प्राप्त करेंगे, उनके बच्चो का लालन पालन करेंगे। बच्चे अधिक क्या पढ़े लिखे नहीं रहेंगे तो उनकी कोई विशेष समस्या नहीं रहेंगी। आज कल पढ़े लिखे लड़कों की शादी मुश्किल से होती हैं और फिर तलाक की नौबत आती हैं। इनसे उनका परिवार बचा रहेगा आज के समय शिक्षा बहुत सरल भी है और बहुत कठिन। कठिन यों की प्राइवेट में डालना हैं तो लाखों रूपए खरच करो और पढ़ते समय से ही अपनी संतान को बिदा करदो कारण जब पढ़ने बाहर भेजेंगे तो वे उसी समय से आपकी पहुंच से बाहर। और सिर्फ पढाई तक पैसों, सुविधाओं का ख्याल रखे उसके बाद वे अपनी शादी अपना व्यापार या नौकरी के चयन का अधिकार उनका होता हैं इसमें कोई दखलनदाजी नहीं चाहिए। न शादी में और न नौकरी में। सरल ऐसी की सरकारी स्कूल में भर्ती हो जाओ तो वहां आपको खाना, पीना मिलेगा, किताबे मिलेंगी और आराम कारण न शिक्षक को पढ़ाना और छात्रों को पढ़ना। शिक्षक को बहुत अनेक दायित्व सरकार द्वारा सौपें जाते हैं चुनाव, जनसँख्या। पशुओं की गणगा और जो सरकारी योजनाएं हैं उनका काम का दायित्व होता हैं और जब गांव में रहते तब खेती, किसानी, साहूकारी,डॉक्टरी, नेता गिरी से फुर्सत मिले तब पढ़ाएं। कई शिक्षक एवजी में काम करते हैं या कराते हैं। हाँ एक बात बहुत दूरदर्शिता की होंगी जो पढ़े नहीं रहेंगे उन्हें सरकार अपने संघ के कार्यकर्त्ता बनाकर उनसे देश सेवा का काम जरूर कराएंगी जिससे सत्ता पार्टी बहुत मज़बूत होंगी और उसके कार्यकर्त्ता बिना अधिक खरच के मिल जायेंगे। सरकार को मानव शक्ति मिल जाएँगी। हमारा नागरिक बाहर न जाकर प्रदेश के विकास में पूरा सहयोग देगा और हमें मजदुर कही बाहर से नहीं बुलाना पड़ेंगे। शिक्षक विहीन स्कूलों के कारण हमारा सामाजिक, राजनैतिक, पारिवारिक आर्थिक विकास होगा और हमें अन्य राज्यों के ऊपर आश्रित नहीं होना होगा बल्कि हम दूसरे राज्यों में अकुशल मजदुर के रूप में भेजकर प्रदेश का विकास का सकते हैं। वैसे हम इस मामले में उत्तर प्रदेश झारखण्ड से ठीक हैं वहां की स्थिति और भी गंभीर हैं। मनपसंद सरकार वर्तमान में जनता की सुविधाओं के लिए कार्यरत और चिंतित हैं। इस चिंता में शिक्षा विभाग का भी योगदान हैं देश प्रदेश के विकास में। इससे स्वच्छ भारत अभियान में सरकार को बिना पढ़े लिखे लोंगो की जरुरत पूरी करेंगी। हमें विश्वास हैं की सरकार अगले वर्षों में शिक्षक विहीन स्कूल चालू करेंगी और सबको इंटरनेट के द्वारा पढाई कराकर अपना फ़र्ज़ पूरा करेंगी। और देश प्रदेश के विकास में पूरा योगदान देंगी। उस दिन का इंतज़ार हैं मनपसंद प्रदेश वासियों को।

मंज़िल सबकी मौत ही होती हैं, फिर यह नफ़रत क्यों ?

नरेंद्र भारती

मंज़िल सबकी मौत है फिर यह नफ़रत, भेदभाव क्यों यह मोह माया क्यों जब पता है की एक दिन इस नशवर संसार से रुख़सत होना है तो यह गिले शिकवे क्यों द्य मानव ताउम्र भटकता रहता है धनलीपसा में मशगुल रहता हैं उल्टा सीधा काम करके माया क़ो इक्क्ठा कर रहा है आदमी क़ो पता है की यहाँ क़ोई अमर नहीं है मौत का एक दिन मुकरर है द्य जर, जोरू, जमीन के लिए अपनों का खून कर रहा है रिश्तों का कत्लेआम कर रहा हैं द्य खुनी रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं द्य इंसान क़ो कोई नहीं गिरा सकता इंसान ही इंसान क़ो गिरा रहा है द्य खुनी रिश्ते दरक रहे हैं इन रिश्तों क़ो बचाना चाहिए द्य अपने ही काम आते हैं दूसरे तमाशा देखते हैं द्य आज हालात बहुत ही खराब होते जा रहे हैं लोग सोशल मीडिया व व्हाट्सप्प पर व्यस्त रहते हैं चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे हैं अपनों के लिए समय ही नहीं हैं समय का अभाव होता जा रहा हैं द्य अपनों से मनमुटाव हैं मगर सात समंदर पार अजनवी के लिए समय ही समय हैं अपनों का कभी हाल नहीं पूछते लेकिन अजनबी लोगों की पल पल की खबर ली जाती हैं अपना आस पड़ोस ही काम आएगा विदेशी नहीं काम आएगा द्य आज लोग एक दूसरे से बेबजह ही दुश्मनी रखते है । किसी का आदर सम्मान नहीं करते उल्टा अपमान करते है। आदमी क़ो अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए क्यूंकि अतीत की परछाईयां मरते दम तक पीछा करती हैं । गरीबों का हक छिना जा रहा हैं लेकिन जब गरीब की बद्दुआ लगती है तो लोहा भी भस्म हो जाता हैं इसलिए गरीब क़ो मत सताओ । ईश्वर सजा जरूर देता हैं । आज मानव दिन रात अकूत धन्यवाद कमा रहा हैं लेकिन पल भर की खबर नहीं है आज लोग दूसरों के रास्ते में कांटे बिछाते हैं लेकिन एक दिन ऐसे लोगों क़ो उनके कर्मो की सजा जरूर मिलती हैं कर्म अनिश्चित हैं लेकिन फल निश्चित हैं । मानव क़ो ऐसे कर्म करने चाहिए की समाज याद कर सके । ऐसे लोगों की सहायता कीजिये जो जरूरत मंद हैं । वक़्त एक जैसा नहीं रहता राज क़ो रंक बनने में एक पल नहीं लगता अहंकार त्याग देना चाहिए द्य आदमी ताउम्र साम, दाम, दंड, भेद, जैसे हथकंडे अपनाकर पैसा इकट्ठा कर रहा हैं द्य आज लोग संवेदनहिन् हो गया हैं कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है । संवेदना मृतप्राय हो चुकी हैं । आधुनिक मानव स्वार्थ व मतलब तक सीमीत हो गया है द्य यह बहुत ही त्रासदी है द्य संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है द्य नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है । नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं है लोग नैतिकता की अदालत में हा रहे हैं । समाज के बुद्धिजीवी लोगों क़ो मंथन करना होगा नैतिक मूल्य क़ो बरकरार रखना होगा तभी समाज में नैतिकता बनी रहेगी।

धर्म और पर्यटन की –दृष्टि से महत्वपूर्ण है महाकाल लोक

निलय श्रीवास्तव

सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं, परम्परा भारत की पहचान हैं। अनादिकाल से यही सनातन परम्पराएं चली आ रही हैं। भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में उज्जैन प्रमुख है। पवित्र क्षिप्रा के तट पर स्थित भगवान भूतभावन भोलेनाथ का यह मंदिर आस्था तथा भक्ति के साथ – साथ ज्ञान के लिए भी विश्व विख्यात है। भगवान श्री कृष्ण की विद्यास्थली होने के कारण यहाँ का महत्व तीन गुना बढ़ जाता है। अस्तु क्षिप्रा का तट, शिव की नगरी और कृष्ण की पाठ्शाला। इतना ही नहीं उज्जैन नगर तंत्र साधना की –ष्टि से भी सिद्ध है। उज्जैन नगरी धर्म, कला और संस्कृति का समन्वय है। यहाँ के सांस्कृतिक तथा पौराणिक स्थल विदेशी सैलानियों को आकर्षित करते हैं। प्राचीनकाल से ही यह नगरी ज्योतिष का प्रमुख केन्द्र रही है। आज भी भारत के सारे पंचांग उज्जैन की कालगणना पर आधारित होते हैं। राजा जयसिंह द्वारा स्थापित वैधशाला के जरिये ग्रहों की दशा और दिशा का आंकलन किया जाता था, यह क्रम आज भी जारी है। भगवान कृष्ण, बलराम एवं सुदामा ने अपने गुरू महर्षि संदीपनि से तथा योगीराज भतृहरि ने अपने गुरू सत्येंद्रनाथ से क्षिप्रा नदी के तट पर शिक्षा प्राप्त की थी। क्षिप्रा के तट पर ही महाकवि कालीदास ने शंकुतला, रघुवंश और मेघदूत जैसी रचनाएं रची थीं।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धर्म प्रेमी, आध्यत्म में रुचि रखने वाले तथा ईश्वर के प्रति अपार आस्थावान हैं। यही कारण है कि वे देश के प्राचीन धार्मिक स्थलों की साज सज्जा और उनके पुनरोद्धार के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। उनके अथक प्रयासों से ही बनारस कॉरिडोर का भव्य और पावन निर्माण कार्य पूरा हुआ। वहाँ अब श्रद्धालुओं तथा दूसरे राज्यों से आने वाले सैलानियों को दर्शन करने में सुविधा हो रही है। यह पर्यटन की –ष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। बनारस कॉरिडोर की तर्ज पर ही मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल ज्योतिर्लिंग परिसर पर भी महाकाल लोक का निर्माण तथा पुनरोद्धार कार्य किया गया है। इस पुनीत कार्य में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी विशेष रुचि दिखायी थी और काम तेजी से चलकर फलीभूत हुआ । महाकाल लोक की भव्यता, सुंदरता देखकर सहज ही इस बात का प्रमाण मिल जाता है। महाकाल लोक न सिर्फ भव्य एवं दिव्य है बल्कि समूचे महाकाल परिसर को एक नूतन आभा प्रदान करता है। इसमें उज्जयिनी की सम्पूर्ण सांस्कृतिक विरासत की झलक दिख रही है, साथ ही उज्जैन में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की अपार संभावनाएं भी बन गयी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उज्जैन सहित मध्यप्रदेश में पर्यटन की –ष्टि से सैलानियों का आना – जाना भी बना रहेगा। इस तरह धर्म, वैभव, संस्कृति के अलावा व्यापारिक –ष्टि से भी महाकाल लोक अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस वर्ष श्रावण मास में महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ौत्तरी हुयी है। इनमें विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। श्रावण मास के प्रति सोमवार को महाकाल के दर्शन करने वालों की संख्या का आंकड़ा एक लाख से अधिक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। धार्मिक मामलों में गहन रूचि रखने वालों का मानना है कि महाकाल लोक का स्थान देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की अग्रिम पंक्ति में है। आने वाले समय में यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों तथा पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। उज्जैन नगरी के मध्य में स्थित महाकाल लोक में प्रवेश के लिए आठ द्वार बनाये गये हैं। यहाँ प्रवेश के दौरान सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। सुरक्षाकर्मियों से लेकर प्रबंधन तक अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हैं। महाकाल कॉरिडोर के प्रथम घटक में पैदल चलने के लिए उपयुक्त 200 मीटर लम्बा मार्ग है। इसमें 25 फीट ऊँची एवं 500 मीटर लम्बी म्युरल वॉल बनाई गई है। साथ ही 108 शिव स्तंभ, शिव की विभिन्न मुद्राओं सहित निर्मित हो चुके हैं जो अलग ही छटा बिखेर रहे हैं। बड़े रूद्र सागर की झील में स्वच्छ पानी भरा गया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया है कि पानी स्वच्छ ही रहे। महाकाल थीम पार्क में भगवान श्री महाकालेश्वर की कथाओं से युक्त म्यूरल वॉल, सप्त सागर के लिए डैक एरिया एवं उसके नीचे शॉपिंग और बैठक क्षेत्र सुविधाएँ विकसित की गई हैं। इस तरह महाकालेश्वर भगवान के दर्शन मात्र से असीम आनन्द की अनुभूति होती है। मन प्रसन्न होता है एवं आध्यात्म और सांसरिक ज्ञान में अपार वृद्धि होती है। हम इस बात को गौरव के साथ कह सकते हैं कि हमारा सम्बंध उसी मध्यप्रदेश से है जहाँ महाकाल विराजते हैं।

एक डॉक्टर की आत्महत्या पर मेरी मार्मिक टिप्पणी

एल.एस.हरदेनिया

भोपाल के शासकीय गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के स्त्रीरोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग की एक स्नातोकत्तर छात्रा ने दो दिन पहले अपने शिक्षकों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। इस त्रासद घटना पर मेरी मार्मिक टिप्पणी।

प्रिय बेटी,

तुम्हें तो हमने उन माताओं और बेटे-बेटियों की जान बचाने का उत्तरदायित्व सौंपा था जो इलाज के अभाव में कभी अपने घर पर और कभी अस्पतालों के दरवाजे पर दम तोड़ देते हैं। आज हमारे देश में डॉक्टरों की भारी कमी है। विशेषकर स्त्री रोग विशेषज्ञों की। आगे चलकर तुम ऐसी सैकड़ों माताओं और पैदा होने वाले शिशुओं की जिंदगी बचातीं। पर अत्यधिक दुःख की बात है कि तुमने अपनी जिंदगी से ही हार मान ली। तुमने उन डॉक्टरों की हरकतों का उल्लेख किया है जो तुम्हें परेशान करते थे। दुःख की बात है कि तुमने उनसे परास्त स्वीकार कर ली। यदि ऐसे डॉक्टरों जो आपके शिक्षक थे, की घिनौनी हरकतों को आप समाज के सामने, विशेषकर अपने बहादुर जूनियर डॉक्टर साथियों के सामने लातीं तो वे निश्चित रूप से आपका साथ देते। यदि तुम उनकी हरकतों का पर्दाफाश करतीं तो तुम्हें किसी हालत में अपनी जिंदगी से हाथ नहीं धोना पड़ता।

महिलाओं के जुल्म के सामने समर्पण न करने के अनेक साहसपूर्ण किस्से हमने सुने हैं। हमें पाकिस्तान की उस बेटी का साहसपूर्ण करिश्मा याद है जिसे दरिंदों की हिंसा का शिकार होना पड़ा था। मलाला युसुफजई का साहस इतना अद्भुत था कि उसे नोबल पुरस्कार से नवाजा गया। सारी दुनिया ईरान की उन महिलाओं की तारीफ करती है जिन्हें सिर्फ इसलिए तरह-तरह की यातनाएं सहनीं पड़ रही हैं क्योंकि वे हिजाब के मामले में अपने क्रूर और रूढ़िवादी शासकों के आदेश नहीं मान रही हैं। क्या हम अमरीका और यूरोप की उन महिलाओं के साहस को भूल सकते हैं जिन्होंने पिछली सदी के प्रारंभ में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया था और वोट देने का अधिकार हासिल किया था? हमें दक्षिण अफ्रीका की उन महिलाओं के कारनामे याद हैं जिन्होंने बापू के नेतृत्व में, जिन्हें 'काला' कहा जाता था, उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। हमें उन महिलाओं के साहस की याद आती है जिन्होंने आजादी की तड़प के चलते गोरे अंग्रेजों के जुल्म सहे। तुम्हें उन दुष्ट डाक्टरों का मुकाबला करना था जो तुम पर जुल्म कर रहे थे। मेरी छात्र-छात्राओं से अपील है कि वे ऐसे शिक्षकों का पर्दाफाश करें जो उनपर जुल्म करते हैं।

एनडीए पर भारी पड़ सकता है इंडिया गठबंधन

डॉ श्रीगोपाल नारसन

एक सर्वेक्षण में करीब आधे भारतीयों की अपनी राय दी है कि विपक्षी दलों ने सन 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए 26 विपक्षी दलों के गठबंधन को जो इंडिया नाम दिया है वह विपक्ष की ब्रांडिंग का सही फैसला है इस सर्वे में पूछा गया कि क्या विपक्ष का अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखने का फैसला सही है? जिसपर 48.6 प्रतिशत लोगों का कहना है कि विपक्ष का यह निर्णय एकदम सही है, जबकि 38.8 प्रतिशत लोगो का कहना है कि विपक्ष ने इंडिया नाम नही रखना चाहिए था इस सर्वे में 2,664 लोगों से सर्वे टीम द्वारा सवाल पुछा गया था।विपक्षी दलों का समर्थन करने वाले और एनडीए का समर्थन करने वाले लोगों के बीच स्पष्ट मतभेद है,लेकिन विपक्ष का समर्थन करने वालो की संख्या कही ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए से लड़ने के लिए विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने के लिए नेताओं के कई महीनों से प्रयास चल रहे थे।आपसी सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं की लंबी बातचीत चली, क्योंकि इनमें से कई विपक्षी दल कुछ राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी भी हैं।जैसे आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी आपस मे प्रतिद्वंद्वी हैं। इसी तरह, कांग्रेस और वामपंथी दल केरल में प्रतिद्वंद्वी हैं, जबकि वे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ गठबंधन के रूप में लड़ते हैं। फिर भी संयुक्त विपक्ष की पहली सफल बैठक पटना में हुई , जिसमें 16 पार्टियां शामिल हुई थीं। जबकि बेंगलुरु में हुई विपक्षी दलों की बैठक में 26 पार्टियां एकजुट हो गई। इस बैठक में सन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी व उसकी सहयोगी पार्टियों के गठबंधन एनडीए के विकल्प के रूप में आईएनडीआईए यानी इंडिया नामकरण कर विपक्षी एकता पर मुहर लगाई गई। संयुक्त विपक्ष की तीसरी बैठक मुंबई में निश्चित की गई है। विपक्षी दलों का प्राथमिक उद्देश्य करीब 400 लोकसभा सीटों पर बीजेपी के खिलाफ साझा उम्मीदवार खड़ा करना है, ताकि विपक्ष के वोट बंटने न पाएं।

विपक्षी दलों की तीसरी बड़ी बैठक अब मुंबई में होने जा रही है।यह बैठक 15 अगस्त के बाद या फिर सितंबर के प्रथम सप्ताह में हो सकती है। बैठक की तारीख अभी निश्चित नहीं हुई है लेकिन,तीसरी बैठक की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं जिसमें विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस यानि इंडिया में शामिल सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है और उनसे समय मांगा जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि इस बैठक में विपक्षी दलों के करीब 100 बड़े नेता भाग लेंगे। इससे पहले बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक में 26 पार्टियों के नेता शामिल हुए थे।यह पहली बार है कि विपक्षी दलों की बैठक ऐसे राज्य में होगी, जहां इंडिया यानि विपक्षी गठबंधन में शामिल कोई दल सत्ता में नहीं है। विपक्षी दलों की पहली बैठक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल यूनाइटेड ने पटना में आयोजित की थी, दूसरी बैठक बेंगलुरु में हुई थी, इसकी मेजबानी कांग्रेस ने की थी। अब मुंबई में बैठक की मेजबानी शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी के शरद पवार गुट और कांग्रेस द्वारा संयुक्त रूप से किए जाने की संभावना है।महाविकास अघाड़ी नेता 15 अगस्त के बाद महाराष्ट्र में दौरा करेंगे। राज्य में मौसम ठीक होने पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे भी दौरा करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने बैठक के लिए सितंबर के पहले सप्ताह का सुझाव दिया है, लेकिन तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। कांग्रेस और एनसीपी नेताओं ने यशवंतराव चव्हाण केंद्र में उक्त बाबत एक बैठक की है। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, विधायक कांग्रेस दल के नेता बालासाहेब थोराट, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीम खान, शशिकांत शिंदे, संग्राम थोपटे, ए. रोहित पवार, सुनील भुसारा और अन्य उपस्थित रहे।राज्य में महाविकास अघाड़ी एक मजबूत संगठन है। शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पार्टी भी राज्य भर में बैठकें करेंगी। इस बैठक में टिकट बंटवारे को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी चार-पांच बैठकें कर चुका है।नाना पटोले ने कहा कि जब तीनों दल एक साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे तो सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन पर चर्चा होगी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि गठबंधन के संयोजक की नियुक्ति के लिए 11 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी खड़गे ने अलग-अलग मुद्दों के समाधान के लिए विशिष्ट समितियों के गठन के साथ-साथ चुनावी अभियान प्रबंधन के लिए दिल्ली में एक कार्यालय बनाए जाने का ऐलान किया है। उन्होंने राज्य स्तर पर कुछ सदस्यों के बीच मतभेदों को स्वीकार किया था, लेकिन कहा था कि ये मतभेद वैचारिक नहीं हैं। लोगों की भलाई के लिए इन्हें दूर किया जा सकता है।2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को हराने के लिए विपक्षी मोर्चा इंडिया नाम से अब लामबंदी में जुटा है।वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के 26 राजनीतिक दलों ने हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा कर वहां के हालात देश के सामने लाने का मन बना लिया है। शीघ्र ही विपक्ष का गठबंधन हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा। फिलहाल दौरे की तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन यह फैसला कर लिया गया है कि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऐसे राजनीतिक दल करेंगे, जिनकी मणिपुर में अच्छी-खासी पकड़ है। विपक्षी दलों के नए संगठन इंडिया यानि इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस की टैगलाइन जीतेगा भारत रखी गई इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी (शरद पवार गुट), सीपीआई, सीपीआईएम, जदयू, डीएमके, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आरजेडी, समाजवादी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, आरएलडी, सीपीआई (एम एल), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), मनीथानेया मक्कल काची (एम एम के), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरला कांग्रेस, केएमडीके, एआईएफबी, अपना दल कमेरावादी शामिल हैं। लेकिन जिन अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्यों से केंद्र की सरकार बनती है, वहां पर नीतीश कुमार को छोड़कर अन्य किसी नेता या उसकी पार्टी का 5 प्रतिशत भी प्रभाव नहीं है। 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश, 40 सीटों वाले बिहार, 29 सीटों वाले मध्यप्रदेश, 25 सीटों वाले राजस्थान, 14 सीटों वाले झारखंड, 11 सीटों वाले छत्तीगढ़ और 5 सीटों वाले उत्तराखंड राज्य में इंडिया यानि विपक्षी गठबंधन फिलहाल सीटों की दृष्टि से बेहद कमजोर है। बीजेपी ने इन सभी राज्यों में पीएम मोदी के दम पर परचम लहराया था। यहां तक की बीजेपी ने तेलंगाना में भी सेंध लगाकर पिछले चुनाव में 4 सीटें जीत ली थीं। इसके अलावा, तेलंगाना में केसीआर अलग राह पर हैं तो वह भी विपक्षी गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।अगर 2019 के लोकसभा चुनाव पर नजर डाली जाए तो भाजपा प्रभावित राज्यों में बीजेपी ने कुल 204 सीटों में 156 सीटें जीती हुई हैं हालांकि बिहार को छोड़ दें तो कहीं भी बीजेपी का वोट परसेंट 50 या उससे अधिक ही रहा है।इसमें राजग के गठबंधन के साथी शामिल नहीं हैं।नीतीश कुमार के जदयू ने बिहार में 16 सीटें हासिल की थीं, जबकि रामविलास पासवान की लोकजन शक्ति पार्टी ने 6 सीटें जीती थीं। उत्तर प्रदेश में अपना दल को 2 सीटें मिली थीं।2014 के लोकसभा चुनाव से तुलना की जाए तो बीजेपी का प्रदर्शन सीटों और वोट परसेंट दोनों में मामले में 2019 में सुधरा था।जबकि उत्तर प्रदेश में 2014 की तुलना में सीटों में गिरावट आई थी। 2014 में बीजेपी को 71 सीटें मिली थीं, जबकि 2019 में 62 मिलीं थीं,यहां बीजेपी को 9 सीटों का नुकसान झेलना पड़ा था।

इंडिया गठबंधन में कुल 26 दल शामिल हैं।जिसे देखते हुए बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए ने भी घटक दलों की संख्या बढ़ाते हुए 38 कर दी है। इंडिया और एनडीए दोनों में कई ऐसे दल भी शामिल हैं जिनके पास एक भी लोकसभा सीट नहीं है।इंडिया गठबंधन में शामिल 5 ऐसे दल हैं जिनका एक भी सांसद नहीं है। टीएमसी के सांसद डेरेक ओब्रायन की मानें तो दिल्ली में एनडीए की ओर से मीटिंग में बुलाए गए 30 दलों में से 8 ऐसे थे जिनका एक भी सांसद नहीं है। इसके अलावा 9 पार्टियां ऐसी थीं जिनका सिर्फ एक सांसद है, जबकि तीन पार्टियों के लोकसभा में मात्र 2 सांसद हैं इसके बावजूद अपने क्षेत्र में उनका वोट बैंक होने के नाते उन्हें गठबंधन में शामिल किया गया है। साथ ही ममता बनर्जी की सारी ताकत पश्चिम बंगाल तक सीमित है। उसमें भी बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 40 प्रतिशत से अधिक वोट बैंक की सेंध लगा दी थी। हालांकि पंचायत चुनाव में ममता की टीएमसी का वोट बैंक 51 प्रतिशत तक पहुंच गया । ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में से सिर्फ 24 सीटें प्राप्त की थीं, जबकि बीजेपी ने 18 सीटें हासिल की थीं इसलिए पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन भाजपा पर भारी कहा जा सकता है।कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई के द्वारा राज्य में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाते हुए की गई 'स्वाभिमान न्याय यात्रा का समापन किया। इस यात्रा का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने किया उत्तराखंड में कांग्रेस का मार्च, चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए निकाला गया। कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्या मामले में मृतका के लिए न्याय की मांग की और अग्निवीर भर्ती योजना को भी वापस लिए जाने की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला ।विरोध मार्च प्रदेश भर में 150 किलोमीटर से अधिक की यात्रा पूरी करने के बाद कोटद्वार में समाप्त हुआ। 'स्वाभिमान न्याय यात्रा की शुरूआत 17 जुलाई को पौड़ी से हुई थी और पांच जिलों से गुजरने के बाद इसका समापन हुआ। छह दिवसीय इस यात्रा के दौरान दो जनसभाएं और 10 नुक्कड़ बैठकें की गयी ।उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भुवन चंद्र खंडूरी के कांग्रेसी पुत्र मनीष खंडूरी ने कहा कि यात्रा का मकसद अंकिता भंडारी के लिए न्याय, अग्निवीर योजना को वापस लेने तथा भर्तियों में हुए घोटालों के मुद्दों को उठाना है और इस यात्रा को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला है। पौड़ी के वनंत्रा रिजॉर्ट में अंकिता की पिछले साल सितंबर में रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों के साथ मिलकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। आरोपी जेल में हैं और मामले में आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया गया है लेकिन विपक्ष लगातार जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है। अंकित भंडारी केस में बीजेपी नेता के बेटे समेत तीन आरोपी हैं। यह मुद्दा अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।इसी कारण इस मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा को उनके एक बयान पर घेरने की कोशिश की गई है।वहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 2024 में मोदी सरकार की विदाई का कारण बनेगा।

विदेशी नस्लों के पशुओं का आयात कर उनकी मौत पर तेरहवी करना सरकार का दायित्व हैं जो देश के लिए हितकारी

भारत में नामीबिया के चीते अनुकूल नहीं होंगे !

भारत एक महान विकसित देश बन चूका हैं कारण यहाँ अब बेरोजगारी, महंगाई, भुखमरी का कोई स्थान नहीं हैं कारण देश में सबको भोजन, आहार के साथ सबको रोजगार मिल रहा हैं, सबको बहुत सस्ता अन्न, दाल, शक्कर, तेल सरकार के द्वारा प्रदाय किया जा रहा हैं जिससे हमारी आगामी नस्ल नाकार, अलाल, कर्महीन बन चुकी हैं या बनने जा रही हैं। अब हमारे देश को और विकसित करना हैं तो हम विदेशी नागरिको को नहीं रख सकते हैं पर हम विदेशी नस्लों के जानवरों को रखेंगे जिससे बेरोजगारी के साथ हमारे देश का बजट लोककल्याण में लगेगा और हमारे सम्बन्ध विदेशों से मजबूत बनेगे। चीता के मरने पर उनका अंतिम संस्कार के साथ तेरहवी की सुविधा सरकार को करनी चाहिए। मजेदार बात यह हैं की हम विदेशी जानवरों का आयात करते हैं और अपने गाय भैस आदि जानवरों की हत्यायों के लिए निर्यात करते हैं जो विश्व में प्रथम हैं।

कूनो अभयारण के पास माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में हैं उसके मुख्य द्वार के दोनों ओर काले परदे लगे हुए हैं और उन पर लिखा गया हैं कि इस परदे के पीछे बहुत खतरनाक जानवर हैं, जैसे ही आप पर्दा उठाएंगे तो आपको आइना दिखाई देगा जिसमे आपका अक्स दिखाई देगा। यानी मानव /मनुष्य से बड़ा और खतरनाक जानवर अन्य कोई नहीं हैं। सब जानवर अपना अपना धर्म पालते हैं पर मनुष्य सब जानवरों के गुणों का भण्डार /संग्रह हैं।

इसी प्रकार आयुर्वेद शास्त्र में लिखा गया हैं कि जो जीव जिस देश /जलवायु /वातावरण का होता हैं उसके निवासियों को उसी देश /जलवायु /वातावरण की औषधि लाभकारी होती हैं। जैसे हमारे देश में ही जो औषधि कश्मीर के निवासियों को लाभकारी होती हैं वो दक्षिणी प्रांतों में लाभकारी नहीं होती।

जलौका जिसे अंग्रेजी में लीच कहते हैं जो जिस तालाब की होती हैं उसी तालाब के जल में जीवित रहती हैं यदि उसका जल बदल जाता हैं तो वह मर जाती हैं।

इसी प्रकार गंगा -कावेरी नदी का जोड़ना।, केन बेतवा का जोड़ना, नर्मदा -क्षिप्रा का जोड़ना सिचाई आदि के लिए हितकारी हो सकता हैं पर प्रत्येक नदी का जल अपनी विशेषता रखता हैं। पानी मात्र हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मात्रा मिश्रण नहीं हैं, सबका पानी अपने अपने गुणों से भरपूर होता हैं। बहुत पहले स्प्रिट मिलती थी उसमे नीला थोथा मिलाकर उसे डीनेचर्ड बनाया जाकर बेचा जाता था और कोई उसको पी नहीं सकता था। इसी प्रकार यहाँ के वातावरण /जलवायु में यहाँ के ही मनुष्य /जानवर /जल /साग सब्जियां आयुर्वेद दवाएं लाभकारी होती हैं और होंगी। इससे यह स्पष्ट समझ में आ रहा हैं की यहाँ का वातावरण उन चीतों की मनोकूल नहीं होगा और सरकारें केंद्र और राज्य सरकारें अपने शौक के लिए निरीह चीतलों को शौक में रख रही हैं। जो चीतल शाकाहारी होते हैं और उनकी अपनी जिंदगी हैं, अपना विचरण हैं उनको बंदीगृह में रखकर मांसाहारी जानवरों का भोजन बना रहे हैं। यह जानते हुए की चीता मांसाहारी जानवर हैं और वे अपने मनोकूल आहार भोजन करते हैं उनको जबरन निरीह चीतलों का कोपभाजन बना रहे हैं। वे पंचइन्द्रिय जीव होते हैं और वे शांत रहते हैं उनको बलात चीता का भोजन बना रहे हैं।

यहाँ यह चेतावनी हैं कि इन चीतों का हश्र बहुत दयनीय होकर मृत्यु को प्राप्त होंगे और उनके कारण चीतलों की हत्यायों का पाप देश के प्रथम नौकर और प्रदेश के प्रथम नौकर को लगेगा और उनके पाप और निरीह जानवरों की चीख से आप बच नहीं सकेंगे।

क्या डायरी लिखना भी चिकित्सा है

मानव में मन का होना और मन का क्रियाशीलता भावों को प्रदान करती हैं। भावों का चलना एक अनवरत प्रक्रिया हैं। भावों/विचारों का जाग्रत हो या सोते समय या मौन अवस्था में या किसी से वार्तालाप के समय चलता रहता हैं। भाव रचनात्मक/सकारात्मक/नकारात्मक /विध्वंसात्मक/धार्मिक /सामाजिक /राजनीतिक या व्यापारिक कही भी हो चलता रहता हैं। भावों से ही हमारी गति निर्धारित होती हैं। भावों से ही मनुष्य का उत्थान या पतन होता हैं। वाणी के द्वारा अधिकांश हम अपने भावों का आदान प्रदान करते हैं। उन भावों से हम अपने या दूसरों के दुश्मन भी बन जाते हैं। भावों का आदान प्रदान करते समय हम स्वयं या कम से कम एक व्यक्ति का होना अनिवार्य होता हैं। इसके बाद गोष्ठी, सम्मेलन, में भावों का आदान प्रदान होता हैं। भावों के आदान प्रदान से हम किसी के दोस्त बन जाते हैं या सकते हैं और दुश्मन भी। पूरा व्यवहार भावों के द्वारा शब्दों के माध्यम से होता है। जो किसी को अप्रिय लग सकता हैं और किसी को प्रिय। एक बार दांतो और जीभ में लड़ाई हुई और दांत बोले में बत्तीस हुआ और तुम एक ! जिव्हा बोली में तब भी बड़ी हो और रहूँगी। जिव्हा बोली में जन्म से साथ रहती हो और अंत तक रहती हूँ और तुम विलम्ब से आती हो और जल्दी चली जाती हूँ। दांत नहीं माने तो एक दिन जिव्हा ने एक पहलवान से अप्रिय बात कह दी तो पहलवान ने एक मुक्का मारा तो दांत टूट गए और दर्द से कराह उठे। तब जिव्हा बोली बोलो तुम बड़े हो या में। जब सुनाने का मन हो और सुनने वाला करीब न हो तब अहसास होता हैं सुनाने वाले से सुनने वाला कितना कीमती होता हैं।

और एकांत कहाँ हैं ?जहाँ समान विचार धारा के दो लोग मिल जाए वहां एकांत होता हैं।

इसलिए जब कोई किसी से नहीं मिलना चाहता या वह आत्म चिंतन करना चाहता हैं तब स्वांत सुखाय हेतु लेखन कार्य सबसे अच्छा,श्रेष्ठ और अपनी बात बिना किसी के दखलंदाज़ी से व्यक्त करने का सशक्त माध्यम और साधन हैं। इसीलिए जो पढ़ने लिखने में रूचि रखता हैं उसे संसार में किसी की आवश्यकता नहीं रहती। डायरी लेखन कार्य इतना आत्म संतुष्टि देने वाला कार्य हैं, जिसके माध्यम से हम अपने आप से बात करते हैं। अपना आत्म निरीक्षण/आत्मचिंतन करके अपने मनोभावों को शब्दों के माध्यम से कागज़ पर उतार देते हैं। इसमें लेखक को किसी के हस्तक्षेप की जरुरत नहीं पड़ती। वह बिना किसी को कष्ट दिए अपनी अनुभूति को, अपने खट्टे मीठे अनुभवों को कागज़ में उतार देता हैं। जिस दिन, जिस क्षण वह लिखता हैं उस समय उसकी मनोदशा / उस समय की अनुभूति /परिस्थिति /स्थिति चाहे स्वयं की स्थिति हो। या सामाजिक राजनैतिक पारिवारिक आर्थिक स्वास्थ्यजन्य वह लेखक लिख देता हैं वह इतिहास की धरोहर हो जाती हैं। वर्तमान क्षण तुरंत भूतकाल बन जाता हैं और हम भविष्य में पहुंच जाते हैं। वास्तव में काल दो ही हैं या होते हैं भूतकाल या भविष्यकाल, वर्तमान तो क्षणिक होता हैं।

डायरी हमारे मन के द्वन्द या हमारी समस्या या कठिनाइयों को दूर करने में मदद करती हैं कारण हम अपनी समस्या को कई तरीके से लाभ हानि को ध्यान में रखकर लिखते हैं और मन की भड़ास भी निकाल देते हैं उससे मन भी हल्का होता हैं और हमें अपनी गलती का अहसास होने लगता हैं और इसके अलावा हम स्वतंत्रता से अपने भावों को शब्दों के द्वारा व्यक्त कर देते हैं। डायरी के द्वारा हम अपना अपनी अंतर्दृष्टि से अवलोकन कर सकते हैं या करते हैं। जी हां उससे हमें अपनी शक्ति, कमजोरी, अपनी मनोकांक्षा, अपनी कठिनाइयां समझने का अवसर मिलता हैं। यह डायरी हमारे लिए दर्पण का कार्य करती हैं। जैसे दर्पणके समक्ष खड़े होने पर अपनी कालिख /सफाई दिखने लगती हैं वैसे ही जब अपनी डायरी लिखते हैं उस समय हम अपने भावों को निर्बाध रूप से व्यक्त करते चले जाते हैं। उस समय हम भयमुक्त रहते हैं और जो प्राकृतिक भाव होते हैं वे बिना रुकावट के सामने आते चले जाते हैं। डायरी के द्वारा हम अपने भावोंको जो जैसे होते हैं उन्हें लिखते जाते हैं उस समय भावों की प्रमुखता होती हैं उस समय व्याकरण, शब्द विन्यास का कोई अर्थ नहीं होता हैं। उस समय अभिव्यक्ति की प्रमुखता होती हैं। उस समय हमारे नकारात्मक भाव हो या सकारात्मक भाव वे नि:सृत निकलते जाते हैं औरजब कुछ समय के बाद उनको पढ़ते हैं तब अहसास होता हैं कि हमारे मन में कितने आकुलित करते हैं। समय पाकर बहुत दिनों बाद पढ़ो तब यह अनुभूति होती हैं की ये भाव विन्यास मेरे ही द्वारा लिखे गए थे।

डायरी लिखने से हमारा तनाव, विभ्रम, भ्रांतियां दूर हो जाती हैं। हम स्वयं से आत्म चिंतन कर अपनी आलोचना करते हैं और अपने से क्षमा भाव को पैदा कर अपराधबोध से मुक्त होने लगते हैं। ये डायरी के पन्ने इतने सहनशील होते हैं की हमारे जैसे भी भाव हो उन्हें अपने में सहेज लेते हैं और उसके बाद हम अपने में स्फूर्ति दायक महसूस करते हैं। हमारे मन की समस्त कलुषताएं मिट जाती हैं और लिखने के बाद हमारा मन मष्तिष्क हल्कापन महसूस करता हैं और हमें अपने आप मार्ग मिल जाता हैं। इससे सिद्ध होता हैं की हमें मनोरोग से मुक्त होने के लिए यदि डायरी में अपने भावों को लिपिबद्ध कर सकते हैं तो इससे हमें आंतरिक सुखद अनुभूति होगी और हम स्वस्थ्य महसूस करने लगते हैं। इसके साथ जब डायरी लिखने का भाव आने लगेगा तब हम पढ़ना भी शुरू करेंगे और सत्साहित्य से मनोभावों में अभिवृद्धि होंगी और हम सकारात्मक सोच की और अग्रसर होंगे।

डायरी एक कहानी हैं, संस्मरण हैं, इतिहास हैं,
डायरी भावाव्यक्ति का एक सशक्त साधन हैं
डायरी बिना दोस्त का दोस्त हैं
डायरी हमें सुखानुभिति देता हैं
डायरी स्व अवलोकन का साधन हैं
डायरी अपनी भूल को बताने और सुधरने वाला हैं

मित्रता के दोहे

प्रो.शरद नारायण खरे

नेहिल होती मित्रता,होती सदा पवित्र।
दुख में कर ना छोड़ता,हो यदि सच्चा मित्र ।।
वही मित्र है ख़ास जो,कह दे चोखी बात।
रहे संग वह नित मगर,बनकर के सौगात।।
कृष्ण-सुदामा से सखा,नहीं मिलेंगे और।
ऐसा ही चलता रहे,सख्य भाव का दौर।।
पावनता का तेज हो,निश्छल हों सम्बंध।
बनें सखा महकार कर,अनुपम यह संबंध।।
अंतर्मन था निष्कलुष,गहन चेतना भाव।
अमर बने तब मैत्री,होगा नहीं अभाव।।
कृष्ण-सुदामा मैत्री,ने पाया सम्मान।
पनपे ना कोई कपट,केवल मंगलगान।।
एक देव था,एक नर,पर थे घेघे यार।
सख्य भाव देता सदा,हर युग में उजियार।।
ऊँचनीच को भूलकर,बनना चोखे यार।
तब ही यह रिश्ता बने,आजीवन उपहार।।
मित्र करे ग़ल्ती अगर,बतला देना भूल।
पर तजकर के साथ तुम,नहीं चुभाना शूल।।
रखना हित का भाव नित,रखना उर में प्रीत।
जय होगी तब मित्रता,जय हो ऐसी रीत।।

संक्षिप्त समाचार

शारीरिक शोषण से क्षुब्ध किशोरी ने फंदा लगा जान दी

वाराणसी। थानाक्षेत्र के एक गांव की किशोरी ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किए जाने से क्षुब्ध होकर शनिवार की सुबह घर में फंदा लगाकर जान दे दी। अंबेडकर नगर जिले के मालीपुर थाने की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। किशोरी (17) तीन अगस्त को अंबेडकरनगर जिले के सुरहुरपुर बाजार गई थी। वहां उसे विवेक यादव नामक युवक अपने साथ लेकर चला गया और उसका शारीरिक शोषण किया। आरोप है कि विवेक शादी का झांसा देकर किशोरी के साथ इस तरह की हरकत कई बार कर चुका था। किशोरी ने शादी का दबाव बनाया तो वह टाल गया और उसे शुक्रवार को गांव के पास छोड़कर चला गया। किशोरी घर पहुंची। इसके बाद उसने अंबेडकर नगर जिले के मालीपुर थाने पर विवेक के खिलाफ तहरीर दी। लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद वह घर लौट आई। शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में चली गई। शनिवार की सुबह किशोरी काफी देर बाद तक कमरे से बाहर नहीं आई तो परिजन उसे बुलाने गए। दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने अंदर झांका तो वह फंदे से लटक रही थी। परिजनों ने तत्काल सूचना पवई पुलिस को दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। शनिवार को किशोरी की मौत के बाद मालीपुर थाना पुलिस ने विवेक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

घंटे भर भी नहीं बरसा पानी, सड़कें जलमग्न

बदायूं। दिनभर उमस से बेहाल रहे लोगों ने शाम को पौन घंटे की बारिश से राहत मिली लेकिन इतनी ही देर में सड़कों पर जबरदस्त जलभराव हो गया। जिले में पिछले कई दिनों से गर्मी फिर से बढ़ने लगी थी। ऐसे में लोगों का जीना मुहाल हो गया था, हालांकि शुक्रवार को शाम के समय हल्की बारिश हुई थी।जिसकी वजह कुछ समय के लिए लोगों को गर्मी से राहत मिली थी, लेकिन रात में लोगों को फिर से उमस और गर्मी ने परेशान कर दिया। वहीं शनिवार सुबह से बादल छाए गए। दोपहर के समय हल्की हवा चलने से लोगों को राहत मिली। वहीं शाम साढ़े तीन बजे के आसपास बारिश होना शुरू हो गई। करीब पौने घंटे तक हुई बारिश की वजह से मौसम सुहाना हो गया। लोगों को गर्मी से राहत मिल गई, हालांकि बारिश इतनी तेज थी कि शहर की प्रमुख सड़कों से लेकर निचले इलाकों में जलभराव हो गया। सड़क पर जलभराव होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

साक्ष्य के अभाव में 22 आरोपी बरी, नवंबर 2000 में मुबारकपुर में हुआ था दंगा

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर कस्बे में लगभग 23 साल पहले शिया-सुन्नी समुदाय के बीच हुए दंगे के मामले में अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य के भाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। लगभग 23 साल पहले आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर कस्बे में शिया-सुन्नी समुदाय के बीच हुए दंगे के मामले में अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य के भाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट रमेश चंद्र की अदालत ने शनिवार को सुनाया। मुकदमे के अनुसार, पांच नवंबर 2000 को मुबारकपुर कस्बे में वादी मुकदमा अजादर हुसैन शाम सात बजे अपने दुकान में बैठा था। सुन्नी समुदाय के कई लोग धारदार हथियार लेकर पहुंचे। उन लोगों ने शिया समुदाय के खिलाफ नारा लगाते हुए व जान से मारने की धमकी देते हुए अजादार हुसैन की दुकान पर लूटपाट की। इस घटना में मुख्तार व मोहम्मद हुसैन घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में कुल 26 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। मुकदमे के दौरान आरोपी खलीलुर्रहमान, फुरतुल ऐम, एहकसामुर्रहमान, नौशाद की मौत हो गई। मुकदमे के परीक्षण के दौरान कुल सात गवाहों को अदालत ने पेश किया गया था। दालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी तनवर, गुफरान, मतीउर्रहमान, मो. फैसल, मुनीर, अयूब, मो. शाहिद, जमाल अख्तर, फरीबुलहक, असरार अहमद, तकीद उर्फ झिनक, नौशाद, इमामुलहक, अब्दुल मन्नान, शमसुल हक, अयूब फैजी, जमीर, काजी इद्रीश, मो. सालिम, वहीउद्जमा, मो. शमीम व मुख्तार अहमद को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

आजमगढ़। दीदारगंज थाना क्षेत्र के करूई गांव निवासी एक युवक की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दिए बगैर ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना से परिजनों में रोना-पीटना मच गया है। करूई गांव निवासी गोविंद 45 शुक्रवार की रात आठ बजे अपने निर्माणाधीन मकान के लिए आए ईंट की तराई के लिए टुल्लू पंप चालू करने गए। इसी दौरान उनका हाथ कटे हुए तार से छू गया और वह करंट की चपेट में आ गए। जानकारी होते ही परिजनों ने तत्काल लाइन बंद किया और उसे आनन-फानन में इलाज के लिए लेकर पीएचसी मार्टीनगंज पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर घर चले गए और पुलिस को घटना की सूचना दिए बिना ही शनिवार की सुबह शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक दो पुत्र व एक पुत्री का पिता था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाबत पूछने पर एसओ दीदारगंज नदीम अहमद फरीदी ने बताया कि हमें घटना की कोई सूचना नहीं दी गई। सूचना मिलती तो शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज कर उचित कार्रवाई की जाती।

नवजात बेटे से मिल कर लौट रहे पिता की मौत, खुशियां मनाने गांव जाते समय हादसा

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में कैथौली-रजादेपुर मार्ग पर पिकअप व बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के समय वह अपने नवजात पुत्र और पत्नी से मिल कर गांव लौट रहा था। यूपी के आजमगढ़ जिले में एक परिवार की खुशियां चंद घंटों में मातम में बदल गई। बेटे के जन्म के 24 बाद ही पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई। बेटे के जन्म की खुशी मनाने पिता गांव जा रहा था। इस दौरान बाइक में मालवाहक ने टक्कर मार दी। हादसे में पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में वो जिंदगी का जंग हार गया। हादसे में पिता की मौत की खबर से बेटे के जन्म की खुशियां मातम में बदल गई। परिवार के लोग अस्पताल की की ओर दौड़ पड़े। मृतकों के करुण-क्रंदन से अस्पताल परिसर में मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। जीयनपुर के जमीन मुहम्मदपुर गांव निवासी संदीप कुमार (24) शनिवार को अपनी ससुराल धनछुला गया था। मायके में ही उसकी पत्नी का प्रसव हुआ था।

आसान नहीं पता करना सब्जियों के असल दाम

बदायूं। नेकपुर निवासी पिंकी सागर शनिवार सुबह घर की साफ-सफाई कर रही थी। तभी बाहर से आवाज आई सब्जी ले लो... । वह अपना काम छोड़कर ठेले वाले के पास पहुंची। उसके बाद में उन्होंने सब्जियों के रेट पता किए। काफी मोलभाव करने के बाद में ठेले वाले ने किसी सब्जी पर पांच तो किसी पर 10 रुपये तक कम कर लिए। शाम को पति के आने पर सब्जी के रेट को लेकर बात हुई, तो पता चला कि सब्जी उन्होंने दोगुनी से तिगुने दाम पर खरीदी है। यह हाल पिंकी ही नहीं, अममून शहर की तमाम गृहणियां का है। जिले में इस मानसून काफी ज्यादा सक्रिय रहा है जिसकी वजह से अधिकांश मौसमी सब्जियां खराब हो गई। इसकी वजह से बाहर से अधिकांश सब्जियां आ रही है जो कितनी महंगी पड़ रही है। इसको पता नहीं है। ऐसे में ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, नात रिश्तेदारों के खर्चे का हिसाब किताब रखने वाली गृहणियों के पास सब्जी के भाव जानने का कोई तरीका नहीं हैं। सब्जी वाले 150 रुपये प्रति किलो के टमाटर का 200 रुपये भाव बताकर पांच से 10 रुपये छूट का लालच दे देते हैं। महिलाएं सस्ता समझकर खरीद तो लेती हैं, पर बाद में असलियत पता चलने पर पछताना पड़ता है। जिला प्रशासन भी सब्जियों के भाव निर्धारण करने को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसे में जिस विक्रेता को जो समझ में आता है, वहीं रेट सब्जी बेचता है। मंडी में जाकर लोगों को सब्जियों के भाव में अंतर का पता चल पाता है।

राहुल गांधी की सजा पर रोक से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस

आजमगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर शनिवार को जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमेटी एवं महिला कांग्रेस की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में वर्तमान राजनैतिक चुनौतियों एवं मिशन 2024 की रणनीति को लेकर विशेष चर्चा की गई। इसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सजा पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक से उत्साहित कांग्रेसियों ने जुलूस निकाला और मिष्ठान्न वितरण कर हर्ष व्यक्त किया। जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक का फैसला स्वागत योग्य है। न्याय की जीत हुई है। सच को अधिक दिन तक दबाया नहीं जा सकता। सच्चाई पर कितना भी पर्दा डाला जाए लेकिन एक न एक दिन सच्चाई दुनिया के सामने आ ही जाती है। बीजेपी की नकारात्मक राजनीति और अहंकार की हार हुई सत्य की जीत हुई। राहुल गांधी हमेशा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहे हैं और उठाते रहेंगे। कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर हमेशा सरकार को जगाने का काम करती थी और करती रहेगी।

पीएम ने लॉन्च की अमृत भारत स्टेशन योजना, बनारस समेत पूर्वांचल के इन स्टेशनों का होगा कायाकल्प

वाराणसी। अमृत भारत स्टेशन योजना में पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र तीन स्टेशन (बनारस, वाराणसी सिटी और काशी) समेत पूर्वांचल के 10 से ज्यादा रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। रविवार सुबह कायाकल्प होने वाले सभी स्टेशनों पर विकास परियोजना का पीएम मोदी ने वर्चुअल रूप से शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अमृत भारत स्टेशन योजना को लॉन्च किया। उन्होंने इस योजना के तहत पूरे भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। अमृत भारत स्टेशन योजना में पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र तीन स्टेशन (बनारस, वाराणसी सिटी और काशी) समेत पूर्वांचल के 10 से ज्यादा रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। सुबह कायाकल्प होने वाले सभी स्टोशनों पर विकास परियोजना का पीएम मोदी ने वर्चुअल रूप से शिलान्यास किया। इस दौरान आयोजित भव्य कार्यक्रम में वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे। वाराणसी के अलावा भदोही, दिलदारनगर, आजमगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर और चंदौली आदि जिलों के रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस स्टेशन, वाराणसी सिटी और उत्तर रेलवे के काशी स्टेशन पर विकास कार्यों का पीएम मोदी ने वर्चुअल शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत योजना के तरत यह स्टेशन शहर की ब्रांडिंग करेंगे। इन स्टेशनों पर स्थानीय विरासत और कला संस्कृति की झलक दिखेगी। हर स्टेशन पर प्राचीन विरासत को संजोया जाएगा। सुबह सवा 11 बजे पीएम ने रिमोट के जरिए शिलान्यास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी स्टेशनों पर बड़ी बड़ी एलईडी स्क्रीन के जरिए भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को देखा।

बनारस स्टेशन पर भाजपा काशी प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल, राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु, विधायक पिंडरा डॉ अवधेश सिंह, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डीआरएम विनीत कुमार श्रीवास्तव, सीनियर डीसीएम शेख रहमान आदि मौजूद रहे। उधर, सिटी स्टेशन पर राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल आदि रहे।

विंध्याचल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास

देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और शिलान्यास कार्यक्रम के तहत रविवार को पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विंध्याचल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल वह अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया गया। सांसद अनुप्रिया पटेल, राज्यसभा सांसद राम सकल, एमएलसी विनीत सिंह, नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, जिला पंचायत सदस्य राजू कनौजिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी , डीआरएम हिमांशू बडोनी आदि मौजूद रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सोनभद्र जिले के चोपन और रेणुकूट रेलवे स्टेशनों पर होने वाले कार्यों का रविवार को शिलान्यास हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से दोनों स्टेशनों पर आधुनिकीकरण के कार्यों की शुरुआत कराई। योजना के तहत चोपन रेलवे स्टेशन पर 30.90 करोड़ और रेणुकूट में 31.70 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस धनराशि से दोनों स्टेशन पर अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, लिफ्ट, एस्केलेटर, ट्रेवलेटर, एग्जीक्यूटिव लाउंज, वेटिंग एरिया, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं सहित कायाकल्प के अन्य कार्य होंगे। चोपन रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम में सांसद पकौड़ी लाल कोल, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, चेयरमैन उस्मान अली सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं रेणुकूट में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड सहित अन्य पार्टी नेता, जनप्रतिनिधि और रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे।

चालक की लापरवाही से पलटी स्कूल बस, 10 बच्चे गंभीर रूप से घायल, चालक मौके से फरार

औरैया। सीओ भरत पासवान ने बताया कि 10 बच्चों को मामूली चोटें आई है। परिजन बच्चों को उपचार के बाद घर ले गए हैं। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

औरैया जिले में फफूंद थाना क्षेत्र के भैसौल से बच्चों को लेने जा रही स्कूली बस चालक की लापरवाही से पलट गई। बच्चों व स्थानीय लोगों ने बताया कि चालक तंबाकू खाकर खिड़की से थूक रहा था। इसी दौरान उसका स्टीयरिंग से संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे खेत में जाकर पलट गई। हादसे में 10 छात्र-छात्राएं घायल हो गए। चालक मौके से बच्चों को रोता-बिलखता छोड़कर भाग निकला। अछल्दा स्थित मार्शल हैरॉल्ड स्कूल की एक मिनी स्कूल बस शनिवार सुबह फफूंद क्षेत्र के सेनपुर, अंधियारी, अमेला और नगला भदौरिया से 25 बच्चों को बिठाकर बच्चों को लेकर भैसौल जा रही थी बस की गति अधिक होने के चलते अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। बस पटलने के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास खेतों पर काम कर रहे किसानों ने बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। जानकारी पर मौके पर पहुंचे परिजन बच्चों को निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर पहुंचे सीओ अजीतमल भरत पासवान व फफूंद थाना पुलिस ने लोगों से घटना की जानकारी ली। साथ ही बस को खेत से निकाल कर थाने पहुंचवाया।

घायल हुए बच्चों व स्थानीय लोगों के अनुसार चालक तंबाकू बनाकर खा रहा था। इसी दौरान थूकने के दौरान पीछे की ओर देखने की वजह से हादसा हुआ है। यदि बस किसी गहरे खेत में पलटती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सीओ भरत पासवान ने बताया कि 10 बच्चों को मामूली चोटें आई है। परिजन बच्चों को उपचार के बाद घर ले गए हैं। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

घायल छात्र-छात्राएं

नगला भदौरिया निवासी एलकेजी की छात्रा नंदनी और मुक्ति, कक्षा चार का छात्र अगम, कक्षा पांच का छात्र अभय प्रताप, कक्षा पांच की छात्रा तृप्ति, कक्षा एक की छात्रा आराध्या, पीजी की छात्रा रूही, अमेला निवासी कक्षा दो का छात्र शिवम, छात्रा, व केजी कक्षा का छात्र नितिन घायल हो गए।

मिशन इंद्रधनुष-सीएमओ ने धर्मगुरुओं से मांगा सहयोग

वाराणसी। मिशन इंद्रधनुष अभियान को लेकरमुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में सीएमओ ने धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। सीएमओ आईएन तिवारी ने बताया कि मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत शून्य से दो साल तक के बच्चे एवं गर्भवती महिलाएं, जो किसी कारण की वजह से नियमित टीकाकरण से वंचित रह गई हैं, उनका टीकाकरण होना है। उन्होंने सभी धर्मगुरुओं से अपील की है कि वह सभी को टीकाकरण के लिए जागरूक करें। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आईएन तिवारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को अभियान के तीन चरण की रणनीति तथा धर्म गुरुओं की भूमिका और आगामी चरणों की तैयारी और शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की कार्ययोजना पर विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में यूनिसेफ के समन्वयक प्रवेश मिश्र द्वारा सामुदायिक जागरुकता के लिए धर्मगुरुओं की भूमिका और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों एवं गर्भवती महिला जो टीकाकरण से छूटे, वंचित व प्रतिरोधी परिवारों को प्रेरित करने के लिए उनके प्रयासों पर प्रकाश डाला गया और प्रतिभागियों से समाज में फैले टीकाकरण के प्रति भ्रांतियों को दूर करने एवम परिवार को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत टीकाकरण करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर विहारी जी मंदिर के पुजारी संत प्रकाश, जामे तूल फलाह के निदेशक मौलाना ताहिर मदनी, शहर इमाम मौलाना इंतेखाब आलम, सरायमीर बैतूल उलूम, निजामाबाद गुरुद्वारा के सतनाम सिंह शामिल रहे।

स्वामी प्रसाद मौर्य का फूंका पुतला, दिखाए काले झंडे

आजमगढ़। स्वामी प्रसाद मौर्य के शनिवार के जनपद आगमन को लेकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरवंश मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं धार्मिक संगठनों द्वारा विरोध जताया गया। उन्होंने स्वामी प्रसाद पर पवित्र ग्रंथ रामायण के अपमान का आरोप लगाया। इस दौरान लोगों ने उन्हें काला झंडा दिखाकर एवं पुतला दहन कर विरोध किया। इस दौरान जिला कार्यसमिति सदस्य संजीव कुमार सिंह बच्चा, शिव कुमार मौर्य मंडल अध्यक्ष, वीरेंद्र पटेल मंडल महामंत्री, जिला महामंत्री मिथिलेश चौरसिया, जिला कार्यसमिति, अवनीश चतुर्वेदी, मोनू विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

केशव नहीं, बल्कि बोल रहा सत्ता का घमंड-स्वामी प्रसाद

आजमगढ़। सामाजिक न्याय सम्मेलन में भाग लेने शनिवार को जनपद आए सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर भाजपा को दंगे का दुष्परिणाम दिखाई देने लगा। लोगों से अपील की कि भाजपा की साजिश से सावधान रहें।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से लोकतंत्र जिंदाबाद हुआ है। लोगों का विश्वास न्यायपालिका पर बढ़ा है। डिप्टी सीएम केशव मौर्य के प्रदेश की 80 सीटों पर जीत के दावे पर स्वामी प्रसाद ने कहा कि यह केशव प्रसाद नहीं बोल रहे बल्कि यह उनका सत्ता का घमंड बोल रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का मकसद है कि देश में अमन चयन कायम रहे। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में सब भाई-भाई की बात आगे बढ़ती रहे। भाजपा कभी हिंदू-मुस्लिम तो कभी मंदिर-मस्जिद की दुहाई देती है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा एक धर्मस्थल में दूसरा धर्मस्थल खोजेगी तो इसी परंपरा का अनुसरण करते हुए आने वाले दिनों में कुछ लोग मंदिरों में बौद्ध मठ खोजना शुरू कर देंगे। सामाजिक न्याय के बहाने कुछ राजनीतिक दलों के परिवारवादी बनने की बात पर स्वामी प्रसाद प्रसाद ने कहा कि यह भाजपा की चाल है। भाजपा से ज्यादा कोई पक्षपात नहीं करता है। चाचा व भतीजे की हार वाले बयान पर कहा कि अंधे के हाथ भी बटेर कभी-कभी लग जाता है। पिछले चुनाव में किसी तरह से भाजपा सत्ता के दुरुपयोग से जीती है।

अगर इस बार भाजपा आजमगढ़ में अपना प्रत्याशी मैदान में उतारेगी तो उसे मुंह की खानी पड़ेगी और उनकी जमानत जब्त होगी। इस मौके पर सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष हवलदार यादव, विधायक दुर्गा प्रसाद यादव, करूणाकांत मौर्य, जगदीश यादव आदि उपस्थित थे।

कांवड़ यात्रा में बवाल, कांवड़ियों ने एटा-आगरा मार्ग किया जाम, मोटर साइकिल में लगा दी आग

आगरा। कांवड़ियों ने एटा-आगरा मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान एक मोटर साइकिल में भी आग लगा दी।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों सहित कई थानों का पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। किसी तरह मामले को शांत कराया गया। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में कांवड़ियों ने जमकर बवाल किया। बताया गया है कि कोतवाली देहात क्षेत्र आगरा रोड स्थित गांव अमरगोजिया पर रविवार की दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवारों ने कांवड़ियों की कांवड़ को खंड़ित कर दिया। इसका कांवड़ियों ने विरोध जताया, तो उनकी मारपीट भी की गई। इससे कांवडियों में रोष पनप गया और जाम लगाकर विरोध जताया गया। इस बीच एक बाइक को भी जला दिया गया। हंगामा और बवाल की सूचना पर डीएम व एसएसपी पहुंचे तब कांविड़ियों को शांत कर करीब दो घंटा बाद जाम खुलवाया गया।

गंगा घाट सोरों से फिरोजाबाद क्षेत्र के कांवड़ियां रविवार की दोपहर बाद कांवड़ लेकर आगरा रोड पर पहुंचे। यहां गांव अमरगोजिया का एक युवक बाइक से आया और 151 किग्राम की कांवड़ को खंडित कर दिया। कड़ी मेहनत के साथ यहां पर कांवड़ लेकर आए कांवड़ियों ने एतराज जाहिर किया और विरोध किया। इस पर युवक ने अपने साथी बुला लिए और उनकी पिटाई कर दी। इसके बाद दोनों ओर से जमकर मारपीट हुई।

ग्रामीणों ने सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर दिए और हंगामा करने लगे। इस बीच एक बाइक को भी आग के हवाले कर दिया। करीब दो घंटा तक दोनों ओर जाम लग गया। कांवड़ियों के साथ हुई वारदात की जानकारी जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल और एसएसपी राजेश कुमार सिंह को मिली तो अन्य अधिकारियों व पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां कांवड़ियों को डीएम और एसएसपी ने किसी तरह से शांत किया, तब जाकर करीब डेढ़ से दो घंटा बाद जाम खुल सका।

एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि कांवड़ियों के साथ गांव अमरगोजिया के युवकों ने अभद्रता कर मारपीट की है। बाद में दोनों पक्षों में मारपीट हुई। जाम लगाया गया, लेकिन समझा बुझाकर शांत कर दिया गया और जाम खुलवा दिया। वारदात को अंजाम देने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है और उपद्रवियों की पहचान कराकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पापी में परमात्मा देख सके, वही सच्ची आत्मा -आचार्य विशुद्ध सागर

बड़ौत। जैन आचार्य विशुद्धसागर मुनिराज ने कहा कि साधक के भाव पवित्र होने चाहिएं। संयमी का भेष सहज और व्यवहार मनोहर होना चाहिए। संयमी का भाषण मधुर और गंभीर होना चाहिए। साधक का जीवन सरल एवं सहज होना चाहिए। संयमी साधक जितना निस्पृह, शांत विरक्त और वैराग्य मुक्त होगा,उतना ही उसका प्रभाव फैलेगा। जैन आचार्य रविवार को ऋषभदेव सभागार में आयोजित धर्मसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इच्छा और चाह इंसान को नीचे गिरा देती है। आकांक्षाएं व्यक्ति को अंधा कर देती हैं, जहां व्यक्ति चैन से नहीं जी पाता। इच्छा ही अशांति है। व्यक्ति जितना-जितना चाहेगा उतना ही दुखी होगा ।अपेक्षा ही दुख है, उपेक्षा ही सुख है। पुण्य से बढ़कर समय से उसे पहले किसी को कुछ नहीं मिलता, जिसका जैसा नियोग होता है,

नहाने के दौरान पुरहा नदी में डूबा किशोर, लापता

औरैया। कोतवाली क्षेत्र के शिवपुर चापोरा में शनिवार दोपहर को दोस्तों संग बकरियां चराने गया किशोर हमीरपुर के पास पुरहा नदी में नहाने के दौरान डूब गया। दोस्तों की जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस गोताखोरों की मदद से किशोर को खोजने में जुटी है। शिवपुर चापोरा निवासी युसूफ अली का सबसे छोटा बेटा दौलत अली (14) कक्षा सात का छात्र है। शनिवार दोपहर को वह दोस्तों संग बकरियां चराने के लिए गांव के एक किलोमीटर दूर हमीरपुर के पास पुरहा नदी किनारे बकरियां चराने गया था। वहां सभी दोस्त पुरहा नदी में नहाने लगे। उन्हें देख वह भी नदी में उतर गया। बारिश के चलते नदी का बहाव तेज होने की वजह से दौलत अली नदी में डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन नदी में पानी अधिक होने की वजह से वह कुछ ही पलों में आंखों से ओझल हो गया। वहां से भागकर गांव आए साथियों ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। दौलत अली के डूबने की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी ललित कुमार ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश शुरू करवाई। देर शाम तक किशोर का कुछ पता नहीं चला।

वहीं ग्रामीणों में पुलिस की सक्रियता को लेकर आक्रोश भी दिखा। मां ने रोते-बिलखते हुए बताया कि वह पति के साथ फिरोजाबाद गई थी। बेटा स्कूल नहीं गया था। दोपहर को वह बकरी चराने ले गया था। उनके घर आने के बाद बेटे के डूबने की जानकारी मिल गई।

लाइनमैन की मौत पर एसएसओ के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

औरैया। थाना क्षेत्र के असेवा में शुक्रवार को 11 केवी लाइन को दुरुस्त करने के दौरान करंट लगने से संविदा लाइनमैन की मौत हो गई थी। शनिवार को मामले में अवर अभियंता ने संविदा एसएसओ के खिलाफ लापरवाही से कार्य करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुआगांव निवासी संविदा लाइनमैन रुस्तम सिंह (45) पुत्र रामजीलाल का शव शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा।

परिजनों ने बिजली विभाग की ओर से मुआवजे की चेक व बेटे को नौकरी मिलने तक शव का अंतिम संस्कार न करने की बात कह हंगामा कर दिया। मौके पर पहुंचे एसडीओ भगौतीपुर सतेंद्र प्रताप सिंह ने मौके पर पहुंच कर विनायक इलेक्ट्रिकल्स सासनी हाथरस की ओर से जारी पांच लाख की चेक परिजनों को सौंपी। साथ ही शेष ढ़ाई लाख रुपये जांच पूरी होने के उपरांत देने का आश्वासन दिया। विभाग की ओर से बेटे को संविदा लाइनमैन की नौकरी देने की बात पर परिजन बिफर गए। इसके बाद अधिकारियों ने बेटे को संविदा ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति देने का आश्वासन दिया। वहीं मौके पर पहुंचे भाजपा नेता ने 11 हजार, जेई अयाना शिवदत्त ने 10 हजार व जेई अजीतमल राजवीर सिंह ने 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। इसके बाद परिजनों ने संविदा लाइनमैन के शव का अंतिम संस्कार किया। अवर अभियंता शिवदत्त ने कछपुरा उपकेंद्र पर परिचालन का कार्य कर रहे संविदा एसएसओ प्रशांत पोरवाल निवासी औरैया की लापरवाही से लाइनमैन की मौत होने का आरोप लगा तहरीर दी। थाना प्रभारी विजय कुमार पांडेय ने बताया तहरीर के आधार पर संविदा एसएसओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बंदर के कूदने से टूटा तार युवक पर गिरा, मौत

बदायूं। मुसाझाग थाना क्षेत्र के गांव रूपपुर में उछल कूद करते हुए बंदर बिजली के तार पर आ गिरा जिससे तार टूट कर युवक के ऊपर गिर गया। करंट की चपेट में आकर युवक गंभीर रूप से झुलस गया। आनन-फानन में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया। घटना मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव रूपपुर के रहने वाले सीटू (18 साल)पुत्र संत प्रकाश अपने घर पर था। शनिवार देर शाम को वह घर से गली में निकला तो गली के ऊपर लगे बिजली के तार पर अचानक बंदर कूद गया। इससे तार टूटकर युवक के ऊपर गिर गया ।युवक बिजली करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसको जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद परिजन शव लेकर घर चले गए ।शव घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया।

गंगानगर में फसल और आबादी में घुस रहा बाढ़ का पानी

अमरोहा। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बिजनौर बैराज से छोड़े जा रहे पानी के कारण मैदानी इलाकों में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। गंगा तेजी के साथ कटान कर रही है। हसनपुर तहसील क्षेत्र के बीस से अधिक गांव की फसलों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। जबकि गांव गंगानगर की आबादी के कुछ हिस्से में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में पानी भरे होने से धान, मक्का, बाजरा व गन्ने की फसल बाढ़ को नुकसान हो रहा है। पशुओं के लिए चारा लाने के लिए भी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से तहसील क्षेत्र के गांव खादर क्षेत्र के मोहमम्मदाबाद, कासमाबाद, पिलौती खुर्द, पिपलौती कला, सिरसा गुर्जर, गंगानगर, जयतोली, मेहरपुर, जेवड़ा, जल्लेपुर नानई, विरामपुर, कसाईपुरा, पथरा, बिहारीपुर, पोरारा, सिरसा कला, मलकपुर, मरोरा, मिर्जापुर, खाजेपुर जीवपुर, मुबारिजपुर, हाजीपुर सलारा आदि गांव में फसलें बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हर वर्ष गंगा का जलस्तर बढ़ जाने की वजह से यह परेशानी उत्पन्न होती है। पिछले वर्ष भी गन्ने की फसल को ज्यादा नुकसान हुआ था। अधिक दिनों तक फसल में पानी भर जाने की वजह से गन्ने की पैदावार पर असर पढ़ता है। अब पिछले एक माह से फसलों में पानी भरा है। जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है। उधर, गांव गंगानगर की आबादी के कुछ हिस्से में पानी घुस गया है। जिन लोगों ने गंगा के नजदीक घर बना रखे हैं। उनके घरों चारों तरफ से पानी ने घेर लिया है। जिससे ग्रामीणों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पशुओं के लिए चारा लाने के लिए सबसे ज्यादा दिक्कत उठानी पड़ रही है। प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को लगातार सतर्क कर रहे हैं। बाढ़ चौकियों पर निगरानी के लिए बाढ़ खंड के अधिकारियों के अलावा तहसील से दो-दो लेखपालों की भी ड्यूटी लगाई हुई है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से किनारे के कई गांवों के खेतों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। लेकिन अभी कहीं पर भी आबादी तक पानी नहीं पहुंचा है। केवल गंगानगर में कुछ लोगों ने अपने घरों को आगे तक बना लिया है। थोड़ी सी परेशानी उन्हें हो सकती है। --पुष्कर नाथ चौधरी, एसडीएम हसनपुर।

सेल्समैन बनकर बेसहारा युवती से बढ़ाई पहचान...फिर पत्नी बनाकर रखा साथ, गर्भवती हुई तो भाग निकला

अमरोहा। देहरादून का बताने वाले विनय कुमार ने सेल्समैन बनकर युवती से जान पहचान की। इसके बाद युवती के साथ हमदर्दी दिखाकर उसके साथ रहने लगा। युवती को पता चला की युवक ने धोखे से दूसरी महिला से भी शादी कर ली है। तब जाकर पूरा मामला सामने आया। अमरोहा में पिता की मौत के बाद बेसहारा हुई मुस्लिम युवती को दूसरे धर्म के युवक ने प्रेम जाल में फंसा लिया। उसके साथ शारीरिक शोषण किया। झांसे में लेकर उसका मकान बिकवा और बारह लाख रुपये हड़प लिए। युवती के आठ महीने की गर्भवती होने के बाद उसे बेसहारा छोड़ कर भाग गया। नाम बदलकर धोखा देता रहा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। ये मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला का है। घर में ही परचून की दुकान चलाकर एक बुजुर्ग पत्नी और बेटी का पालन पोषण करते थे। चार साल पहले पत्नी की मौत होने के बाद पिता और बेटी रह गए। खुद को देहरादून का बताने वाला विनय कुमार अक्सर दुकान पर परचून का सामान देने के लिए सेल्समैन बनकर आता था। पिता की गैरमौजूदगी में युवती दुकान का सामान लेती थी। इसलिए उसकी विनय कुमार से अच्छी पहचान हो गई। करीब दो साल पहले दुकानदार की मौत हो गई। जिसके बाद विनय ने बेसहारा युवती के साथ हमदर्दी दिखाई और उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। वह विनय पर भरोसा करने लगी। दोनों पति-पत्नी के रूप में रहने लगे। इस बीच विनय ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान झांसे में लेकर विनय ने युवती का पुश्तैनी मकान भी बिकवा दिया और उन रुपयों से दो पिकअप अपने असली नीरज नाम से खरीद लिए। करीब आठ महीना पहले युवती गर्भवती हुई तो आरोपी विनय ने घर आना बंद कर दिया। करीब दो महीने पहले उसने दूसरी लड़की से शादी कर ली। जानकारी मिलने पर पीड़िता के होश उड़ गए। लिहाजा पीड़िता ने देहरादून के रहने वाले विनय के नाम से एफआईआर दर्ज कराई। लेकिन जब हकीकत सामने आई तो पुलिस भी अचंभित रह गई। हकीकत में खुद को विनय बताने वाले युवक का असली नाम नीरज था। वह देहरादून का नहीं बल्कि मुरादाबाद के मझौला थानाक्षेत्र में साईं कन्या इंटर कॉलेज के पास का रहने वाला निकला। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

तीसरी आंख के पहरे में रहेंगे नगर पालिका के कार्यालय

औरैया। नगर पालिका परिषद कार्यालयों में हर हलचल पर तीसरी आंख का पहरा रहे इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की कवायद शुरू की गई है। अब चाकरी बजाने में खानापूर्ति का ढर्रा नहीं चल पाएगा। सुरक्षा के मद्देनजर शहीद पार्क में भी कैमरे लगाए जा रहे है। नगर पालिका परिषद की ओर से निगरानी व्यवस्था को पुख्ता करने की दिशा में पहला कदम सीसीटीवी कैमरों के जरिए बढ़ाया गया है। पालिका परिसर के सभी कार्यालयों में कैमरे लगाए जा रहे हैं। एक दर्जन के करीब परिसर में कैमरे अभी तक लगाए जा चुके हैं। ईओ कार्यालय के समीप स्क्रीन पर फुटेज दिखाने के लिए स्क्रीन भी लगाई जा रही है। कर्मचारियों के साथ ही आने-जाने वाले लोगों पर भी नजर रखी जाएगी। नगर पालिका चुनाव के बाद कुछ कर्मचारियों की लापरवाही के मामला सामने आया था। काफी कुछ व्यवस्थाएं बेपटरी हुई थी।

ककोर बिजली केंद्र की मशीन जली, 60 गांवों की रात भर गुल रही बिजली

औरैया। मुख्यालय ककोर स्थित बिजली केंद्र पर लगी एक मशीन में शुक्रवार देर रात अचानक से फाल्ट के चलते आग लग गई। जिससे इस केंद्र से जुड़े लगभग 60 गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। सूचना पर पहुंचे जेई ने बिजली कर्मचारियों की मदद से दूसरे फीडर से आपूर्ति जोड़ने का काम कराया। इसके चलते रात भर इन गांवों के ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं सुबह बिजली कर्मचारियों की टीम ने नई मशीन लगाने का काम शुरू किया। ककोर स्थित 33 केवीए बिजली केंद्र से जुड़े ग्रामीण फीडर में अचानक से कहीं कोई फाल्ट हो गया। जिसके चलते बिजली केंद्र पर लगी मशीन में आग लग गई। इससे पहले कि मौजूद बिजली कर्मचारी कुछ समझ पाते पूरी मशीन जल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने मशीन में लगी आग बुझाई। मशीन जलने से इससे जुड़े 60 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सूचना पर देर रात पहुंचे जेई विवेक खरे ने बिजली कर्मचारियों की टीम के साथ दूसरे फीडर से आपूर्ति बहाल कराने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच तेज बारिश शुरू हो गई। जिससे आपूर्ति बहाल किए जाने में बाधा उत्पन्न हो गई। लगभग दो घंटे बाद फिर से आपूर्ति बहाल करने पर काम शुरू कराया गया। लाइन में फाल्ट होने से बिजली केंद्र ककोर पर लगी मशीन में आग लग गई। इससे लगभग 60 गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। रात में दूसरे फीडर से आपूर्ति बहाल कराई गई। बारिश के चलते थोड़ी परेशानी हुई। हालांकि बाद में सभी गांवों की आपूर्ति बहाल करा दी गई। इसके साथ ही जली मशीन को हटवा कर नई मशीन लगाई जा रही है। जिससे समस्या का स्थाई समाधान हो सके। - विवेक खरे, अवर अभियंता

संक्षिप्त समाचार

रटौल में बारिश के कारण भरभरा कर गिरी मकान की छत, दादी और पोता घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में रविवार सुबह रटोल थाना क्षेत्र में बारिश के कारण एक मकान गिरने से दादी और पोता गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के बागपत में रविवार सुबह हुए एक हादसे में दादी और पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। यहां पांची गांव में एक मकान की छत गिरने से दादी-पोता घायल हो गये। जिन्हें निजि चिकित्सक के यहा भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने पीड़त परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। पांची निवासी याकूब ने बताया की उसका मकान जर्जर है। उसने बताया की बरसात के चलते उसके मकान की छत शनिवार देर शाम को भरभरा कर गिर गयी। जिसमें उसकी पत्नी हसीना और पोता ढाई वर्षीय समद जो एक चारपाई पर लेटे हुए थे, जो मलबे में दबकर घायल हो गये। चीखपुकार सुनकर आसपास घरो के लोग दौड़कर पहुचे और दोनों को निजि चिकित्सक के यहा भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया की वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। ग्राम प्रधान नासिर, मास्टर असलम, दब्बू त्यागी आदि ग्रामीणों ने पीड़त परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने से पांच घंटे गुल हुई अमीनगर सराय की बिजली

बागपत। बिजलीघर के ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने से कस्बा अमीनगर सराय की बिजली आपूर्ति पांच घंटे तक ठप रही। बिजली सप्लाई ठप होने से लोगों को पेयजल और पशुओं के लिए चारा काटने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। कस्बे में पिछले कई दिनों से बिजली की अघोषित कटौती से लोग परेशान है। शनिवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे कस्बे के बिजलीघर के 400 केवीए और दस एमवीए के ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने से कस्बे की बिजली गुल हो गई और दोपहर डेढ़ बजे तक गुल रही। पांच घंटे तक आपूर्ति बंद होन के कारण लोगों को गर्मी में बुरा हाल हो गया। लोगों को पेयजल और पशुओं का चारा काटने के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा। एसडीओ नरेश कुमार ने बताया कि ट्रांसफार्मर में फाल्ट आने के कारण आपूर्ति बाधित हो गई थी। फाल्ट ठीक कराकर दोपहर में सप्लाई शुरु करा दी है। कस्बे के नितिन यादव, अभिषेक, हरिमोहन ने बताया कि कस्बे में अघोषित कटौती और लो वोल्टेज के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कस्बे की बिजली आपूर्ति सही कराने की मांग की है।

अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

बागपत। अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। दिन में दो से चार घंटे तक बिजली गुल रहती है। सबसे बुरा हाल ग्रामीण फीडर का है। बिजली गायब रहने से काम-काज ठप पड़े हैं। बीते तीन माह से ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता बिजली की अघोषित कटौती से खासे परेशान हैं। भीषण गर्मी और उमस से झुलस रहे बिजली उपभोक्ताओं को शासन द्वारा जारी किए गए निर्देश के मुताबिक बिजली नहीं मिल पा रही है। उप्र पावर कारपोरेशन, प्रदेश की योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र को 18 घंटे बिजली आपूर्ति का रोस्टर जारी किया हुआ है, लेकिन लोगों को 11 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। बिजली की अघोषित कटौती से बिनौली, बरनावा, संतनगर, रंछाड़, सिरसली, मांगरौली, वाजिदपुर, लौहड्डा, गुराना, बड़का आदि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था चरमरा गई है। सुधीर, पंकज, दीपक, अनिल, सन्नी, विकास आदि का कहना है कि विद्युत कटौती का कोई समय निर्धारित नहीं है, बिजली कब आती है और कब चली जाए। विद्युत कटौती का समय निर्धारित किया जाए, लेकिन आज तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

हर उम्र के व्यक्ति को हो रहा आई फ्लू , न करें लापरवाही -सीएमओ

अमरोहा। जनपद में आई फ्लू (कंजक्टिवाइटिस) के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिला अस्पताल व सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर फ्लू के हर उम्र के मरीज आ रहे हैं। चिकित्सक उन्हें सावधानी बरतने के साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में न जाने और चश्मा लगाने की सलाह दे रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि आई फ्लू के मरीजों में हर उम्र के मरीज हैं। कई स्थानों पर पूरा का पूरा परिवार आई फ्लू से पीड़ित है। मरीज दवाई लेने के साथ सावधानी भी बरतें और इस समय ज्यादातर स्कूली बच्चों को आई फ्लू की दिक्कत हो रही है क्योंकि बच्चे एक दूसरे को छूते हैं। इससे आई फ्लू की बीमारी फैल जाती है। मानसून सीजन में संक्रमण का खतरा किसी दूसरे सीजन से कहीं ज्यादा रहता है। इसकी वजह हवा में नमी होना है। इसमें बैक्टीरिया,वायरस आसानी से दोहराने लगते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बाहर जाएं तो चश्मा लगाए रहें। जिन लोगों को आंखों में इंफेक्शन है उन्हें स्कूल, कॉलेज व ऑफिस से छुट्टी लेने को कहें। आई फ्लू के लक्षण दिखते ही डॉक्टर से संपर्क करें। संक्रमण होने पर ताजा व ठंडे पानी से आंखें धोएं। यह वायरल है। जो अपने आप ही ठीक होने वाली बीमारी है। वॉश बेसिन, तौलिया, या तकिए से पूरे घर को इंफेक्शन हो जाता है। आई फ्लू ठीक होने में तीन से पांच दिन लग सकते हैं। हालांकि संक्रमण एक के बाद दूसरी आंख में हो सकता है तो ठीक होने पर ज्यादा समय भी लग सकता है।

बेला के युवक की गाजियाबाद में हत्या, परिजनों में कोहराम

औरैया। बेला थाना क्षेत्र के पुरवा भीखा निवासी युवक की गाजियाबाद की एक कंपनी में विवाद के बाद हत्या कर दी गई। शनिवार की सुबह जानकारी गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन घटना स्थल के लिए रवाना हुए हैं। भीखा पुर्वा निवासी हरिओम गाजियाबाद की क्रॉसिंग रिपब्लिक की जीएस-सात सोसायटी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। शनिवार तड़के उसके पेट में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस घटना की जानकारी सुबह गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी होते की परिवार के लोग गांव लोगों के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हुए। मृतक के प्रशांत ने बताया कि वह तीन भाई है। हरिओम सबसे छोटा था। पिछले वर्ष ही उसका विवाह तिर्वा क्षेत्र के ग्राम कपूरपूर्वा निवासी शिखा से हुआ था। उसका एक पुत्र हरीश भी है। पति की मौत के बाद पत्नी व अन्य परिवार के लोगों का बुरा हाल रहा। परिजनों ने बताया कि हरिओम की हत्या साथी गार्डों ने मिलकर की है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू की है।

धोखाधड़ी कर मुनीम के खाते से 38 हजार उड़ाए, रिपोर्ट

औरैया। सदर कोतवाली क्षेत्र के करमपुर स्थित ईंट भट्ठे के मुनीम के खाते से ठग ने ईंट भुगतान का फर्जी मैसेज भेजकर 38 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। करमपुर स्थित एक ईंट भट्ठे के मुनीम कृष्णकांत ने कोतवाली पुलिस को धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि दो जनवरी को सुबह साढ़े नौ बजे उनके मोबाइल पर एक नंबर से फोन आया। जिस पर बात करने वाले ने बताया कि वह थाना के बगल में अस्पताल बनवा रहा है। उसे 20 हजार ईंट चाहिए। इस पर मुनीम व फोन पर बात करने वाले के बीच रेट तय हो गए। रुपये देने की बात पर फोन पर बात करने वाले ने बताया कि उसका लड़का सेना में है वह अभी आपसे बात करेगा और वही पैसा देगा। मुनीम ने बताया कि थोड़ी देर के बाद दूसरे नंबर से फोन आया। जिस पर बात करने वाले ने अपने पिता से बात होने के हवाला देते हुए क्रेडिट कार्ड से ईंट का भुगतान करने की बात कही। आरोप है कि बात करने वाले ने फर्जी मैसेज भेजा। इसके बाद पता चला कि उसके खाते से ही 38 हजार रुपये कट गए।

प्रताप एक्सप्रेस से टकराया मवेशी, पांच मिनट खड़ी रही ट्रेन

औरैया। दिल्ली- हावड़ा रेल मार्ग पर कानपुर से इटावा की ओर जा रही 12496 प्रताप एक्सप्रेस से शाम चार बजकर पांच मिनट पर मवेशी टकरा गया। जिससे लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को स्टेशन के पास रोक दिया। करीब पांच मिनट में इंजन की जांच कर ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। ट्रैक पर मवेशी का शव पड़ा होने की वजह से अप लाइन पर पीछे आ रही 12487 सीमांचल एक्सप्रेस को होम सिगनल पर चार बजकर आठ मिनट पर रोका गया। सूचना पर पहुंचे रेलवे कर्मचारियों ने शव को ट्रैक से हटाया।

जलभराव और कीचड़ से जीना हुआ दुश्वार

बदायूं। मुकीमपुरा गांव की कश्यप बस्ती में जलभराव व कीचड़ ग्रामीणों के लिए परेशानियों का सबब बनी हुई है। जल्द ही समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने ब्लॉक मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। कश्यप बस्ती की गली के हालात ऐसे हैं कि गली से सुरक्षित गुजरना नामुकिन है। गली में अत्यधिक जलभराव व कीचड़ ग्रामीणों के गले की फांस बना हुआ है। स्कूल जाने वाले बच्चे जूते व चप्पल हाथों में लेकर कीचड़ से होकर गुजरते हैं। समस्या के समाधान को उन्होंने ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सचिव के कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान नहीं होने पर ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है।

बारिश का कहर-एटा में दो घरों की छत गिरीं, एक बालिका की मौत

आगरा। थाना निधौली कलां और बागवाला क्षेत्र में रविवार की सुबह छत गिरने से एक बालिका की मौत हो गई, जबकि आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में बारिश की वजह से रविवार की सुबह दो जगहों पर छत गिर गई।

हादसे में पांच साल की बच्ची की मौत हो गई। जबकि बच्ची की मां, भाई, चाची और चचेरा भाई घायल हो गए। वहीं दूसरे हादसे में चार बहनें घायल हुई हैं। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। थाना निधौली कलां क्षेत्र के गांव नगला खिड़ौ निवासी मुनेश कुमार के मकान की छत रविवार की सुबह करीब 6 बजे गिर गई। इस हादसे में पांच वर्षीय बेटी अंशिका की मौत हो गई। जबकि बच्ची की मां जयंती देवी, भाई देवकांत, चाची अनीता और चचेरा भाई हिमांशु घायल हो गए। घायल मां और भाई को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जबकि चाची और चचेरे भाई का निजी चिकित्सक के पास भर्ती कराया। मृत बच्ची के चाचा मुकेश कुमार ने बताया कि हादसा रविवार की सुबह करीब 6 बजे हुआ। उस समय बच्चे सो रहे थे, जबकि भाभी जागकर घर का कार्य कर रही थी। तभी अचानक से छत गिरी और सभी दब गए। किसी तरह से मलबा हटाकर सभी को निकाला गया। पहले निजी चिकित्सक के पास लेकर गए। यहां पर बच्ची को मृत बता दिया गया। जबकि अन्य घायलों को मेडिकल कॉलेज लेकर आए और भर्ती कराकर इलाज कराया जा रहा है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह हादसा होने से एक बच्ची की मौत हुई है। जबकि घायलों को परिजन की ओर से भर्ती कराकर इलाज कराया जा रहा है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया है। वहीं थाना बागवाला क्षेत्र के गांव जीसुखपुर में रविवार की सुबह करीब 10 बजे छत गिरने से बालिका अनु, इसकी छोटी बहनें तमन्ना, शिल्पी और राधिका घायल हुई हैं। घायल बच्चियों की दादी गुड्डी देवी ने बताया कि बेटा उपेंद्र की दो माह पहले जयपुर में मौत हो गई थी। इकलौते बेटे पर चार बेटियां थीं। 15 दिन पहले ही बेटा हुआ है। अचानक हादसा होने से चारों नातिन घायल हुई हैं।

सड़क व जल निकासी की समस्या से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

अमेठी। सड़क व जल निकासी की समस्या से परेशान नगर डीह गांव के ग्रामीणों ने शनिवार को तहसील में प्रदर्शन किया। एसडीएम को पत्र देकर ग्रामीणों ने समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की। इस पर अधिकारियों ने समाधान का भरोसा दिया। स्थानीय तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत नगरडीह के ग्रामीणों का आरोप है कि गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए सरकारी व भूमिधरी से रास्ता बना था। भूमिधरी से निकला रास्ता जेसीबी से खोद दिया गया है। गांव जाने के लिए पैदल जाना मुश्किल हो गया है। गांव में आने-जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। गांव में जो भी मार्ग मार्ग है, वह गड्ढे में तब्दील है। जल निकासी के लिए नाली का भी निर्माण नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब से गांव बना है, उस समय से बने रास्ते से आवागमन कर रहे थे। भूमिधरी से गुजरे रास्ते पर बनी इंटरलाकिंग को खोदकर गड्ढा बना दिए जाने से आवागमन बाधित है। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस, पुलिस व व्यक्तिगत वाहन नहीं पहुंच सकते। गांव में जलभराव के चलते आए दिन जहां विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों ने एसडीएम से निरीक्षण कर बाधित रास्ता बहाल कराकर निर्माण कराए जाने की मांग उठाई है।

पत्नी और कुछ लड़के कर रहे हैं पीछा- भाई को फोन कर बताया जान का खतरा, फिर ऐसे हाल में मिली लाश

आगरा। शादी के कुछ माह बाद पत्नी चली गई प्रेमी के साथ, जिसके बाद न्यायालय में मुकदमा चल रहा था। इसी मामले में युवक तारीख करने आया था। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में इटावा के बलराई क्षेत्र अंतर्गत नहर के पास पांच अगस्त को मिला शव शिकोहाबाद के स्वामी नगर निवासी मोहित यादव का था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को पैतृक गांव नगला रामकिशन ले गए। मोहित तीन अगस्त को जिला मुख्यालय तारीख पर गया था। लौटते समय उसने छोटे भाई आलोक को फोन किया था कि भाई मुझे कुछ लोगों ने पकड़ लिया है। इसके बाद फोन बंद हो गया था। मोहित मूल रूप से जिला फर्रुखाबाद के थाना मोहम्मदाबाद के नगला रामकिशन का निवासी था। शिकोहाबाद के मोहल्ला स्वामी नगर में मकान बनाकर रहने लगा था। मोहित नहर पटरी किनारे खोखा में परचूनी की दुकान करता था। परिजनों की मानें तो एक वर्ष पूर्व सिरसागंज के बलराई निवासी युवती पूजा से शादी हुई थी। शादी के बाद से दोनों के संबंध ठीक नहीं रहे।

मोहित की पत्नी के उसकी बुआ के गांव नगला बल निवासी युवक से संबंध थे। आरोप है कि शादी के कुछ माह बाद मोहित को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। पंचायत के बाद वह ससुराल आ गई थी। दो माह पूर्व मायके से फिर उसी लड़के के साथ चली गई। मोहित ने पत्नी पर आभूषण लेकर प्रेमी के साथ जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। तीन अगस्त को मुकदमें की तारीख थी। मोहित तारीख पर पिता बलवंत सिंह व एक अन्य के साथ दवाई आया था। तारीख में देरी के कारण पिता परिचित के साथ चले गए थे, परंतु मोहित वकील के पास रुक गया था। कुछ देर बाद मोहित ने छोटे भाई आलोक को फोन करके बताया कि 12 अगस्त की तारीख मिली है। इसके बाद फोन किया कि उसकी पत्नी और कुछ लड़के पीछा कर रहे हैं। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। पांच अगस्त को पिता बलवंत सिंह ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने जब बलराई पर युवक का शव मिलने की बात की तो उन्होंने बलराई से फोटो मंगवा कर देखा। युवक द्वारा पहनी हुई शर्ट से उसकी शिनाख्त मोहित के रूप में की गई। शिनाख्त होते ही परिवारों में चीख पुकार मच गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शव पैतृक गांव ले गए। परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक हरवेंद्र मिश्रा ने बताया बलराई में मिला शव स्वामी नगर के मोहित यादव का था। परिजनों की तहरीर पर पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

दामाद कर बैठा ऐसी गलती- सास ने पकड़ा गला

आगरा। एक युवक के होश उस समय उड़ गए, जब उसकी सास ने गला पकड़ लिया। वहीं दौड़ते हुए आई पत्नी ने डंडा मारकर पति का सिर फोड़ दिया। पत्नी और सास की इस हरकत के बाद बेचारा पति दहशत में है। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति को अपनी सास के सामने पत्नी की जिद न मानना महंगा पड़ गया। दरअसल पत्नी की जिद थी कि वो अपनी मां के साथ मायके जाएगी, लेकिन पति ने इस बात का विरोध करते हुए उसे जाने से रोका। इसके बाद जो हुआ पति को जान बचाने के लिए दौड़ लगानी पड़ गई। मामला फतेहाबाद थाना क्षेत्र के गांव पोखर पांडे का है। यहां के रहने वाले सुभाष पुत्र निर्मल सिंह के साथ पत्नी और सास ने जो किया उससे वह अब भी दहशत में है। पीड़ित ने थाने में पहुंचकर पत्नी पूजा और सास लक्ष्मी के खिलाफ शिकायत की। थाने पहुंचे सुभाष ने बताया कि घटना शुक्रवार सुबह की है। उसकी पत्नी पूजा अपनी मां लक्ष्मी देवी के साथ मायके जाने की जिद कर रही थी। उसने मना किया तो पत्नी इसी बात पर नाराज हो गई। फिर दोनों में विवाद शुरू हो गया। पीड़ित ने बताया कि पत्नी और सास दोनों ने उस पर हमला कर दिया। सास ने उसका गला पकड़ लिया, वहीं पत्नी ने उसके सिर में डंडा मारकर सिर फोड़ दिया।

विहिप कार्यकर्ता से मारपीट, पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

अंबाला। हिंदू संगठन के कार्यकर्ता से थाने में ले जाकर हेड कांस्टेबल और होम गार्ड ने मारपीट की। मामला कार्यकर्ता के जबरन रेहड़ी-फड़ी वालों के आईडी चेक करने का था। कार्यकर्ता पिटाई की सूचना पता लगते ही कार्यकर्ताओं ने नारायणगढ़ थाने में हंगामा कर दिया। इन लोगों ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते मामला बिगड़ गया। कार्यकर्ता दोनों मुलाजिमों को सस्पेंड करने की मांग पर अड़ गए। थाना प्रभारी से भी मामला शांत नहीं हुआ तो डीएसपी हेडक्वार्टर रमेश मौके पर पहुंचे और हेड कांस्टेबल जसविंदर और होम गार्ड निर्मल को लाइन हाजिर करने और उनके खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया। डीएसपी रमेश ने कहा कि वे एसपी के समक्ष मामला रखकर सस्पेंड करने की बात रखेंगे। करीब एक घंटे के बाद मामला शांत होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

ऐसे चले आरोप-प्रत्यारोप

नारायणगढ़ की सब्जी मंडी में बड़ी संख्या में रेहड़ी-फड़ी लगती हैं। दूसरे राज्यों तक के लोग यहां पर रेहड़ी-फड़ी लगाकर गुजर बसर करते हैं। पुलिस को सब्जी मंडी प्रधान ने बताया था कि कुछ युवक रेहड़ी-फड़ी वालों के आधार और पहचान पत्र जांचने शुरू कर दिए थे। देखते ही देखते सब्जी मंडी प्रधान ने इसकी सूचना नारायणगढ़ थाने में दे दी थी। उधर, थाने में दी शिकायत में बजरंग दल के प्रखंड संयोजक आशुतोष ने बताया कि वह सुबह करीब 12 बजे परशुराम चौक के पास निजी काम से गए थे। कुछ बाहरी रेहड़ी वाले थे और उनसे फलों के भाव पूछते तो बहुत ज्यादा बताए। बात करने पर अभद्र व्यवहार करने लगे। इतने में आसपास के रेहड़ी वाले भी आ गए और गालीगलौज करने लगे। इतने में पुलिस आ गई और डंडे बरसाने शुरू कर दिए। करीब दो से तीन कार्यकर्ताओं ने हेड कांस्टेबल जसविंदर और होमगार्ड निर्मल पर मारपीट के आरोप लगाए थे और उनके खिलाफ सस्पेंड की कार्रवाई करने की मांग उठाई थी। हिंदू संगठन ने बाहरी रेहड़ी-फड़ी वालों के दस्तावेजों की जांच करने की मांग उठाई।

आधार जांचने के लिए टीम गठित

डीएसपी हेडक्वार्टर की ओर से कार्रवाई करने के आश्वासन के बाद मामला शांत हो गया था। रेहड़ी-फड़ी वालों के आधार कार्ड जांचने के लिए टीम का गठन कर दिया है। इस टीम में दो पुलिस मुलाजिम, दो नगर पालिका के कर्मचारी और दो हिंदू संगठन के कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

SBI के टूट चुके थे ताले, लेकिन चोरी नहीं कर सके बदमाश

आगरा। भारतीय स्टेट बैंक में आधी रात को चोर ताले तोड़कर प्रवेश कर गए। चोरों ने चोरी की पूरी तैयारी थी, लेकिन उसी दौरान गश्त करती हुई पुलिस की जीप आ गई। पुलिस की जीप देख चोर बैंक से भाग निकले। मैनपुरी के थाना भोगांव क्षेत्र के कस्बा आलीपुर खेड़ा स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में चोरों ने शनिवार की रात ताले तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया। अचानक गश्त करती हुई पुलिस की जीप आ जाने से चोर मौके से भाग गए। जानकारी होने पर चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को सूचना दी। सीओ भोगांव और इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

यहां की है घटना

आलीपुर खेड़ा स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में शनिवार की रात लगभग 12 बजे बैंक के पीछे डीएवी इंटर कॉलेज के पास के गेट का ताला तोड़कर चोर बैंक के अंदर घुस गए। चोर बैंक में कैश काउंटर तक भी पहुंच गए। इसी बीच पुलिस की गश्त करने वाली जीप वहां से गुजरी तो चोर पीछे से होकर भाग गए।

बैंक की सुरक्षा में लगे दो होमगार्ड मुख्य गेट पर तैनात थे। उनको ताले तोड़े जाने की भनक तक नहीं लगी। जानकारी होने पर चौकी प्रभारी रिंकेश शर्मा मौके पर पहुंच गए। उन्होंने रात में ही थाने सहित सीओ को सूचना दे दी। सीओ सुनील कुमार सिंह, इंस्पेक्टर अजीत सिंह, बैंक कर्मचारी सहित सहायक मैनेजर मौके पर पहुंच गए। बैंक के अंदर पहुंचने पर पता चला कि बैंक से कुछ भी चोरी नहीं हुआ है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर बैंक में घुसे चोरों की तलाश कर रही है।

सीसीटीवी में नजर आ रहा चोर

बैंक के आसपास तथा बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी में एक चोर साफ नजर आ रहा है। बैंक में घुसे एक चोर के हाथ में लोहा काटने वाला आरी का पत्ता है। उसके दूसरे हाथ में टॉर्च है। एक चोर ने बैंक में घुसने के बाद सबसे पहले लाइट बंद की। इसके बाद मैनेजर के कमरे में पहुंचकर अलमारियों और ड्रॉज को खंगाला है। चोर की तलाश करने में पुलिस सीसीटीवी की मदद ले रही है।

चोरों की तलाश कर रही पुलिस

सीओ भोगांव सुनील कुमार ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक शाखा आलीपुर खेड़ा में ताले तोड़कर चोर घुसे हैं। बैंक से कुछ भी चोरी नहीं हुआ है। सीसीटीवी में एक चोर नजर आ रहा है। सीसीटीवी के अधार पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

रेलवे के 13 लाख कर्मी मोबाइल एप पर कर सकेंगे छुट्टी का आवेदन

अंबाला। भारतीय रेलवे के लगभग 13 लाख कर्मचारी अब मोबाइल एप पर छुट्टी के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह कर्मचारी 19 जोन और 70 रेल मंडलों में कार्यरत हैं। मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) से जुड़ा यह मोबाइल एप अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में कार्य करना शुरू कर देगा। इस पर लगातार कार्रवाई चल रही है और रेल कर्मचारियों का पूरा विवरण इस पर अपलोड किया जा रहा है।

एचआरएमएस परियोजना के महाप्रबंधक राजेश अबरोल ने बताया कि रेलवे ने कागजी प्रक्रिया को बंद करके अब ऑनलाइन माध्यम से ही कार्य करने की योजना बनाई है। इसमें रेलवे कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है ताकि वो छुट्टी या फिर अन्य किसी भी परेशानी आदि की जानकारी पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभागीय अधिकारी तक पहुंचा सकें। वहीं कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि आपातकालीन स्थिति को छोड़कर अब किसी भी रेलवे कर्मचारी के लिए कागज पर छुट्टी के आवेदन की अनुमति नहीं होगी।

सिस्टम में पांच अवकाश को शामिल किया शामिल

रेलवे ने एक अगस्त से अवकाश प्रबंधन प्रणाली को शुरू किया गया है। अब ऑनलाइन माध्यम से ही रेलवे कर्मचारी छुट्टी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें छुट्टी वापस लेने और छुट्टी को रद करने का भी प्रावधान है। सिस्टम में पांच अवकाश को शामिल किया गया है। इसमें औसत वेतन पर छुट्टी (एलएपी), आधे औसत वेतन पर छुट्टी (एलएचएपी), आकस्मिक अवकाश (सीएल), प्रतिबंधित अवकाश (आरएच) और बच्चे की देखभाल के लिए (सीसीएल) को शामिल किया गया है। छुट्टी का पूरा डाटा मॉड्यूल पर अपडेट किया जाएगा ताकि कर्मचारी अपने अवकाश से संबंधित जानकारी आसानी से देख सके। दरअसल पहले रेलवे कर्मचारियों को छुट्टी के लिए बाबुओं के चक्कर काटने पड़ते थे। इससे उन्हें मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती थी। इस संबंध में रेलवे की यूनियनों ने भी मंत्रालय और बोर्ड में अपनी बात रखी थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अलीगढ़। रात करीब आठ बबजे कुरहला पुल से सीहोर के रास्ते पर एक ट्रैक्टर बाइक में टक्कर मारकर निकल गया। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। गांव खंडवार निवासी ललित कुमार पुत्र संतोष कुमार और ऋषभ पुत्र ओमपाल सिंह पेट्रोल पंप पर काम करते थे। तीन माह पहले ही दोनों में दोस्ती हुई थी। ललित ने कुछ दिन पहले एक फाइनेंस कंपनी का काम भी शुरू किया था। उसी काम के लिए ऋषभ को साथ लेकर हाथरस गया था। रात करीब आठ बजे लौटते समय कुरहला के पुल से सीहोर वाले रास्ते पर आगे चल रहे ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश की तभी ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे ललित की मौके पर ही मौत हो गई। ऋषभ बुरी तरह घायल हो गए। कुरहला गांव के निवासियों से ललित के परिवार के परिवार को खबर मिली तो वह तत्काल ही मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ऋषभ का परिवार वाले अकराबाद के निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं।

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कीड़ाजड़ी के दोहन से बुरांश और भोजपत्र का अस्तित्व संकट में

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कीड़ाजड़ी के दोहन से बुरांश और भोजपत्र का अस्तित्व संकट में है, जिससे प्रकृति प्रेमी और वैज्ञानिक भी चिंतित हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कीड़ाजड़ी दोहन के लिए हिमालयी क्षेत्रों में पहुंचे लोग आग जलाने के लिए इन दुर्लभ पेड़ों का उपयोग कर रहे हैं, इससे इनकी संख्या लगातार घट रही है। जीबी राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान जल्द ही हिमालयी क्षेत्रों में इसका सर्वे करेगा। जीबी पंत संस्थान के वैज्ञानिकों के मुताबिक बहू मूल्य कीड़ाजड़ी का मुख्य स्त्रोत हिमालयी क्षेत्र हैं। इन्हीं क्षेत्रों में दुर्लभ सफेद बुरांश और भोजपत्र की उपलब्धता है।

कीड़ाजड़ी दोहन के लिए लोग कई महीनों तक इन क्षेत्रों में डेरा जमाते हैं और आग जलाने के लिए इन पेड़ों का उपयोग कर रहे हैं। नतीजन इन दुर्लभ प्रजाति के पेड़ों के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा गए हैं और इनकी संख्या हर साल घट रही है जो प्रकृति और पर्यावरण के लिए सही नहीं है। ऐसे में वैज्ञानिकों ने इन प्रजातियों को पहुंचने वाले नुकसान का आंकलन और इन्हें बचाने के लिए सर्वे का निर्णय लिया है, जो जल्द शुरू होगा।

सफेद बुरांश औषधीय गुणों से है भरपूर

अल्मोड़ा। सफेद बुरांश 3600 मीटर से अधिक ऊंचाई पर मिलने वाला पुष्प है जो औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके फूलों से बना शरबत हृदय रोगियों के लिए लाभकारी माना जाता है। इनकी पंखुड़ियों का उपयोग सर्दी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और बुखार को दूर करने के लिए किया जाता है।

भोजपत्र का उपयोग

अल्मोड़ा। भोजपत्र का वृक्ष 4500 मीटर की ऊंचाई पर मिलता है। इसकी छाल सफेद रंग की होती है जिसका प्रयोग प्राचीन काल में ग्रंथों के लेखन में किया जाता था। भोजपत्र में लेखन सालों तक सुरक्षित रहता है।

निश्चित तौर पर हिमालयी क्षेत्रों में बुरांश खासकर सफेद बुरांश और भोजपत्र को नुकसान पहुंच रहा है। इसका आंकलन करने के लिए संस्थान की टीम सर्वे करेगी। इन प्रजातियों को सहेजने की जरूरत है। - डॉ. केएस कनवाल, वैज्ञानिक, जीबी पंत संस्थान, अल्मोड़ा।

मौत के आधा घंटे बाद जीवत हुए भाजपा नेता

आगरा। भाजपा नेता को उपचार के दौरान डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद परिवार के लोग उन्हें घर ले गए। वहां जब परिवार के लोग रो रहे थे, तभी उनकी सांसें चलने लगीं। आगरा के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष महेश बघेल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घरवाले उन्हें लेकर घर पहुंचे तो वहां उनमें चेतना आ गई। ये देख घरवालों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्हें तत्काल ही दूसरे अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें भर्ती कर लिया गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश बघेल पुष्पांजलि हॉस्पिटल में भर्ती थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन उन्हें सराय ख्वाजा स्थित आवास पर ले गए। उनके भतीजे मुकेश बघेल ने बताया कि घर पहुंचने पर उनको चेतना आई और आंखे भी खोंली। ये देख परिवार के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। तत्काल दोबारा से गुरुद्वारा के पास स्थित दूसरे निजी हॉस्पिटल में ले गए, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है।

नौकर ने की दरोगा दिनेश की हत्या, बोला- बेटी की फीस भरनी थी, सैलरी मांगी तो कर दी मेरी बेइज्जती, इसलिए मार दिया

आगरा। फिरोजाबाद में नौकर ने ही दरोगा की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने बताया कि बेटी की फीस भरनी थी, सैलरी मांगी तो नहीं दी। अलग से मेरी बेइज्जती कर दी। इसलिए उसे मार दिया। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में दरोगा दिनेश मिश्रा हत्याकांड का पुलिस ने 36 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हत्याकांड में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया। नौकर धीरज ने ही दरोगा की हत्या की थी। आरोपी का कहना है कि दो महीने से दरोगा वेतन नहीं दे रहे थे। इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। हत्या के बाद खुद ही पुलिस व परिजनों को सूचना दी, जिससे वह बच सके। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा है।

हत्या का खुलासा करते हुए एसपी ग्रामीण कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि दरोगा की हत्या के बाद से ही पूरे जिले में अलर्ट कर दिया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने चार टीमें गठित कर शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए थे। घटना के बाद सबसे संदिग्ध नौकर धीरज ही लग रहा था। इस कारण उसे हिरासत में लिया गया था। उससे आठ घंटे से ज्यादा कई लोगों ने पूछताछ की। काफी समय तक उसने पुलिस को गुमराह किया, लेकिन सख्ती दिखाई तो वह टूट गया। उसने हत्या की बात स्वीकार की है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया। एसपी के अनुसार पूछताछ में धीरज ने बताया कि वह दरोगा के पास तीन माह पूर्व अरांव आया था। उनके घर का काम करने व लिखापढ़ी में सहयोग के लिए दरोगा ने उसे 10 हजार रुपये महीने पर रखा था। एक महीने की तो पगार उसे दे दी, लेकिन पिछले दो माह के वेतन को लेकर दरोगा से आए दिन कहासुनी हो रही थी। बताया कि एक दिन दरोगा ने उसकी बेइज्जती कर दी। इसके बाद उसने उन्हें ठिकाने लगाने की सोच ली। तीन अगस्त को वह सब्जी लेने के बहाने दरोगा की बाइक पर उनके साथ गया। जब दरोगा चंदपुरा में विवेचना कर रहे थे, तभी उसने गांव में स्थित ठेके से शराब खरीद कर पी।

जिस से वह नशे में धुत्त हो गया। उप निरीक्षक उसको बाइक पर बैठाकर चौकी की तरफ चल दिए। इसी दौरान चंदपुरा व पीथेपुर के बीच लघुशंका के बहाने बाइक रुकवाई। वहीं पर दरोगा से रुपये को लेकर कहासुनी हो गई। नशे में होने के कारण उसने अपने पास रखे तमंचा से दरोगा की गर्दन में सटाकर फायर कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रिटायर्ट दरोगा का बेटा है आरोपी

धीरज उर्फ प्रवीन शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से ग्राम नगला केवल मौजा (कन्थरी) थाना शिकोहाबाद का रहने वाला है। उसके पिता पुलिस में उप निरीक्षक के पद से रिटायर हुए थे। उसका भी कालिन्दी विहार आगरा में मकान है। बीएससी उत्तीर्ण करने के बाद भी नौकरी नहीं लगी। इसके बाद कुछ दिन एक समाचार पत्र में विज्ञापन विभाग में नौकरी की। इसके बाद एक ट्रांसपोर्टर के पास छह साल तक नौकरी की। कुछ दोस्तों के साथ गलत संगत में पड़ गया था। रोजाना शराब पीने का आदी हो गया। इसी आदत के कारण पत्नी भी घर छोड़कर चली गई। सात वर्ष की बेटी आगरा में दादी के पास रहकर पढ़ाई कर रही है। छह माह से वह उप निरीक्षक दिनेश कुमार मिश्रा के साथ रहकर उनका खाना बनाने, कपड़े धोने व अन्य घरेलू कार्य किया करता था। इसके बदले में वे मुझे खाना पीना व खर्चा इत्यादि के पैसे दिया करते थे।

बेटी की भरनी थी फीस

आरोपी धीरज ने बताया कि बेटी की किताब व फीस के लिए पैसे मांगे तो दरोगा ने देने से मना कर दिया। इस बात को लेकर कुछ तनाव में था।

आरोपी ने बताया कि वह दरोगा के साथ ही था।

सुनसान जगह देखकर बाइक रुकवाई और पैंट की बांयी ओर कमर में लगे तमंचे से गोली मार दी। तमंचा व कारतूस बिटौरा में छुपा दिया।

विदेश की चाह में लगी 32 लाख की चपत

अंबाला। विदेश भेजने का सपना दिखाकर व्यक्ति से 32 लाख 5 हजार 600 रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि बेटे व भतीजे को पहले तो पैसे लेने के बाद अलग-अलग देशों में घुमाया और वहां पर छोड़ दिया। बेटे को दुबई पुलिस ने वीजा खत्म होने पर काबू कर लिया। आखिर में बेटे व भतीजे को अपने खर्च से ही वापस भारत बुलाया। पुलिस ने आरोपी कंपनी के डायरेक्ट डीपी चौधरी, सीईओ राजन आर्य, सुखप्रीत सिंह, तरुण व विशाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में डिफेंस इन्कलेव निवासी लखविंद्र ने बताया कि विशाल बुद्धिराजा उसके मकान में किराये पर रहता है। उसने बताया था कि उसका रिश्तेदार तरुण कुमार एक कंपनी को जानता है, जो बच्चों को विदेश भेजती है। उसने नोएडा की इनफो बर्थ इनोवेशंस के डायरेक्टर डीपी चौधरी, राजन आर्य, सुखप्रीत सिंह के बारे में बताया। कहा कि वह उसके बेटे परविंद्र सिंह व भतीजे दलजीत सिंह को कम पैसे में अच्छे विदेश में पहुंचा सकते हैं। उनकी बातों में वह आ गया। टिकट के लिए 11 लाख 50 हजार रुपये और उसके बाद दो से तीन देशों में घुमाया और दुबई में जाकर छोड़ दिया। उसके बाद बेटे परविंद्र का वीजा खत्म होने के कारण पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। एजेंटों ने छुड़वाना तो दूर फोन तक उठाने बंद कर दिए।

अलीगढ़ में 42 मतदान केंद्रों के 73 मतदेय स्थलों में होगा परिवर्तन, सात अगस्त तक मांगे सुझाव

अलीगढ़। खैर में छह मतदान केंद्र के नौ मतदेय स्थल, बरौली में छह मतदान केंद्र के छह मतदेय स्थल, अतरौली में आठ मतदान केंद्र के 12 मतदेय स्थल, छर्रा में तीन मतदान केंद्र के 13 मतदेय स्थल, कोल में तीन मतदान केंद्र के पांच मतदेय स्थल, शहर में तीन मतदान केंद्र 10 मतदेय स्थल एवं इगलास में 13 मतदान केंद्र के 18 मतदेय स्थलों में परिवर्तन किया गया है। अलीगढ़ के कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भौतिक सत्यापन के उपरांत परिवर्तित एवं अपरिवर्तित मतदान केंद्रों की सूची सभी को उपलब्ध करा दी गई है। जनपद की सभी सात विधानसभाओं में 42 मतदान केंद्रों से आच्छादित 73 मतदेय स्थलों में परिवर्तन किया जा रहा है। अभी समय है। यदि इस बारे में सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष एवं अन्य पार्टी पदाधिकारी कोई सुझाव या आपत्ति देना चाहते हैं, तो सोमवार तक उपलब्ध करा दें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि बैठक का उद्देश्य मतदेय स्थलों के संभाजन पर सुझाव एवं आपत्ति प्राप्त करना है। परिवर्तित एवं अपरिवर्तित मतदेय स्थलों, मतदान केंद्रों की सूची पूर्व में उपलब्ध करा दी गई है। खैर में छह मतदान केंद्र के नौ मतदेय स्थल, बरौली में छह मतदान केंद्र के छह मतदेय स्थल, अतरौली में आठ मतदान केंद्र के 12 मतदेय स्थल, छर्रा में तीन मतदान केंद्र के 13 मतदेय स्थल, कोल में तीन मतदान केंद्र के पांच मतदेय स्थल, शहर में तीन मतदान केंद्र 10 मतदेय स्थल एवं इगलास में 13 मतदान केंद्र के 18 मतदेय स्थलों में परिवर्तन किया गया है। इस प्रकार सात विधान सभाओं में 42 मतदान केंद्रों से आच्छादित 73 मतदेय स्थलों में परिवर्तन किया गया है। तहसील प्रशासन से दूर परिवर्तन योग्य ऐसे मतदान केंद्र जिनका लोकहित में बदलाव किया जाना अनिवार्य है। छर्रा विधायक ठा. रविंद्र पाल सिंह ने गुरसिकरन के माजरा नगला कूतिया, जमालपुर के माजरा नगला बंजारा, मई, नगला खैम, नगला हाजी,कस्बा जलाली के मौहल्ला जाना, ताजपुर, गौसपुर बिहारीपुर, निरगौला, अकराबाद के गॉव मोहनपुर एवं दिवागढ़ के बूथों का परिवर्तन करने का सुझाव दिया। बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्रा ने नगला आशिक अली के बौद्ध विहार के बूथ, उदयवीर सिंह लोधी ने राजीव नगर एवं श्रीनगर के मतदाताओं के लिए ओएलएफ के स्थान पर एसकेडी विद्यालय में बूथ बनाए जाने का सुझाव दिया। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट गौरव रंजन श्रीवास्तव, समस्त एसडीएम एवं तहसीलदार समेत तमाम राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्रों की तैयारी, समीक्षा बैठक की, अफसरों को दिया निर्देश

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान खरीद वर्ष 2023- 24 की तैयारी बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी अनुमोदित क्रय केंद्रों पर समस्त उपकरण एवं किसानों की सुविधाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण कराई जाए तथा जहां उपकरण मरम्मत योग्य हो उसे मरम्मत तथा सत्यापन का कार्य पूर्ण कर ली जाए। सभी धान क्रय केन्द्रों के लिए नोडल अधिकारी नामित करें।नोडल अधिकारी एक दिन के अन्तराल पर क्रय केन्द्रो का निरीक्षण करेंगे। प्रत्येक केन्द्र पर स्थानीय लेखपाल एंव ग्राम पंचायत विकास अधिकारी संबद्ध किए जायेंगे, जो धान खरीद के लिए किसानों को केन्द्र पर जाने के लिए प्रेरित करेंगे।उन्होने निर्देश दिया है कि धान खरीद पारदर्शी ढंग से करायी जाय। प्रत्येक केन्द्र पर एक रजिस्टर रखा जायेंगा तथा उसमें किसान का क्रमांक अंकित किया जायेंगा। पहले आओ पहले बेचों का अनुपालन करते हुए धान खरीद करायी जायेंगी।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा किसानों के धान का समय से भुगतान पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होने सभी क्रय एजेन्सी के जिला प्रभारी को निर्देशित किया है कि 48 घण्टे के भीतर भुगतान सुनिश्चित करें।जिला धान खरीद अधिकारी /अपर जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिया है कि धान क्रय केन्द्रों तथा राईसमिल का सत्यापन कराकर रिपोर्ट दें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने 05 अधिकारियों का मांगा स्पष्टीकरण

अयोध्या। जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवम् गुणवत्तापरक निस्तारण न करने वाले 05 अधिकारियों का मांगा स्पष्टीकरण। आईजीआरएस पोर्टल पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जन सामान्य की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण न करने को लेकर जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का समय बद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराना जिला प्रशासन एवं शासन की शीर्ष प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, ऑनलाइन, पीजी पोर्टल भारत सरकार एवं संपूर्ण समाधान दिवस तथा जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों आदि के निस्तारण की समीक्षा की गई। इसमें यह सामने आया कि कुछ अधिकारियों को व्हाट्स एप ग्रुप व दूरभाष पर भी बार दूबार निर्देश दिए जाने के बाद भी जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरती गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संदर्भ के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण न सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों यथा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सोहावल, खंड विकास अधिकारी तारून व खंड विकास अधिकारी अमानीगंज को तीन दिवस के भीतर पोर्टल पर अपलोड की गई आख्या के साथ आख्या के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी नियमित अपनी अपनी आईडी को लॉगिन करें तथा अपने पोर्टल पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जनसुनवाई से जुड़े प्रकरण का निराकरण समय से और गुणवत्ता के साथ करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी विभाग का कोई भी प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में ना जाने पाए, सभी प्रकरणों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित किया जाए।

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति किसी भी सुविधा से वंचित ना हो- जिलाधिकारी

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति किसी भी सुविधा से वंचित न हो के अनुरूप अभिनव पहल करते हुए जनपद के ऐसे मेधावी बच्चे जो आर्थिक एवं अन्य कारणों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए दृढ़ संकल्प है आज जिलाधिकारी कार्यालय में आकांक्षात्मक विकासखंड भियांव से अभय पुत्र कमलेश कुमार निवासी जगदीशपुर कपिलेश्वर तथा रिया पुत्री राकेश निवासी जगदीशपुर कपिलेश्वर से आए हुए बच्चों से मुलाकात करते हुए एवं उनके परिजनों से वार्ता के उपरांत जिलाधिकारी महोदय द्वारा आश्वासन दिया गया कि इन बच्चों के पढ़ाई लिखाई संबंधी खर्च की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी तथा जनपद में इस तरह के अन्य मेधावी बच्चे जो आर्थिक कारणों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं ग्रहण कर पा रहे हैं उन्हें भी जिला प्रशासन की तरफ से व्यवस्था दी जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए जनपद में एक फण्ड बनाया जाएगा जिससे आर्थिक कारण से कोई बच्चा पढ़ाई में पीछे न रहे। इसी प्रकार आकांक्षात्मक विकासखंड में आय बढ़ाने के उद्देश्य से व महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी कार्य करने के निर्देश दिए गए। भियांव ब्लॉक में भरवा मिर्च के प्रोडक्शन बढ़ाने व उसे ब्रांड के रूप में विकसित करने पर भी कार्य किया जा रहा है, जिससे इन क्षेत्रों का समग्र विकास किया जा सके।

फसल बीमा योजना में शिथिलता बरतने पर कृषि अफसरों को जिलाधिकारी ने लगाई फटकार

त्रिगुट संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत समस्त बैंको के जिला समन्वयको एवं इफको टोकियो कंपनी के पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी द्वारा की गई समीक्षा में फसल बीमा योजना अंतर्गत लाभार्थियों को योजना से आच्छादित किए जाने में शिथिलता पाई गई, जिस पर नाराज जिलाधिकारी ने संबंधित बैंक कर्मचारियों/अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए जनपद के समस्त लाभार्थियों को योजना से त्वरित व तत्काल लाभान्वित करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा योजना से लाभान्वित करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तक निर्धारित की गई है इसके पूर्व बचे हुए लाभार्थियों को तत्काल फसल बीमा योजना से लाभान्वित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें,अन्यथा की दशा में कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित समस्त बैंको को निर्देशित किया गया कि निर्धारित तिथि तक सभी संबंधित कृषकों के फसलों का बीमा कराना एवं योजना अंतर्गत अपने निर्धारित दायित्वों का ससमय निर्वहन करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र कृषक फसल बीमा के लाभ से जनपद में वंचित न रहे। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, उप कृषि निदेशक डॉ अश्विनी कुमार सिंह, एलडीएम, जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, बैंक के अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

एलएलबी द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 175 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण, फूंका कुलपति का पुतला

अलीगढ़। छात्र नेता बल्देव चौधरी सीटू, जय यादव और इमरान के नेतृत्व में गेट पर छात्र-छात्राएं एकत्र थीं। बलदेव चौधरी ने कहा कि एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्रों की पुनर्परीक्षा डॉ. आंबेडकर विवि आगरा ने कराई थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं किया गया और नतीजे घोषित कर दिए गए। इसमें कॉलेज के 175 छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण हो गए। डॉ. बीआर आंबेडकर विवि आगरा से संचालित एलएलबी द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 175 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो गए। इन विद्यार्थियों ने विवि आगरा के कुलपति का पुतला एसवी कॉलेज के गेट पर फूंक दिया। पुतला फूंकने की खबर पर कॉलेज के गेट पर पुलिस फोर्स तैनात थी। शनिवार को छात्र नेता बल्देव चौधरी सीटू, जय यादव और इमरान के नेतृत्व में गेट पर छात्र-छात्राएं एकत्र थीं। बलदेव चौधरी ने कहा कि एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्रों की पुनर्परीक्षा डॉ. आंबेडकर विवि आगरा ने कराई थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं किया गया और नतीजे घोषित कर दिए गए। इसमें कॉलेज के 175 छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण हो गए। इसके विरोध में 19 जुलाई को एसवी कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया। 28 जुलाई को प्राचार्य का घेराव भी किया गया था। जिसके बाद आश्वासन मिला कि जल्द ही सुधार कर नतीजे घोषित होंगे, लेकिन अभी तक परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया गया है। नतीजे में देरी होने से विवि के कुलपति का पुतला फूंका गया। छात्र नेताओं ने कहा कि परीक्षा परिणाम घोषित करें और परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि को आगे बढ़ाया जाए। अन्यथा छात्र-छात्राएं आगे रणनीति तय कर आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। छात्र इमरान व जय यादव ने कहा कि इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर अरुण शर्मा, निखिल, रितिक सैनी, अरविंद, अब्दुल गाजी, इमरान, पवन, सोनू कुमार, पुनीत शर्मा आदि मौजूद रहे।

एकल विद्यालय अभियान का 10 दिवसीय वार्षिक आचार्या अभ्यास वर्ग मे मुख्य अतिथि रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने दीप प्रज्वलित किया

बलरामपुर। उतरौला मे एकल विद्यालय अभियान का दस दिवसीय वार्षिक आचार्य अभ्यास वर्ग अवध भाग अंचल बलरामपुर संयुक्त संच श्रीदत्तगंज व रेहरा बाजार का स्थान राम तीरथ डिग्री कॉलेज वनघुसरा उतरौला मे प्रारम्भ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी जिला अध्यक्ष एकल विद्यालय युवा समिति व युवा ग्राम स्वराज प्रभारी ने मां सरस्वती जी भारत माता जी के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित पूजन अर्चन करते हुए बताया कि एकल विद्यालय अभियान के सभी आचार्य आचार्या को दस दिवसीय अभ्यास वर्ग का प्रतिक्षण सीखने वाले लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किए व सभी अचार्या आचार्य अपने अपने ग्राम सभाओं में बच्चों को अच्छी शिक्षा दें जिसमें पदाधिकारी गण में आकाश गुप्ता,कंचन गुप्ता,गुड़िया गुप्ता, मीरा सिंह,सुधा त्रिपाठी,अर्चना सिंह राहुल जयसवाल व इस मासिक बैठक में सेवाव्रती कार्यकर्ता वन्धु सरोज कुमार लक्ष्मण सिंह,त्रिलोकी वर्मा भाग ग्राम स्वराज योजना प्रमुख अवध अंचल प्रमुख बलरामपुर अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रमुख दिनेश कुमार,अंचल कार्यालय प्रमुख सुभाष,राहुल,राजाराम,सतीश रेखा, विनीता, ललिता, कंचन,बंदना, सीमा,शकुन्तला,गुड़िया देवी किरन,रीतू संच प्रमुख श्री दत्तगंज रामदास,संच प्रमुख रेहरा बाजार एवम सभी आचार्य आचार्या काफी संख्या में उपस्थित रहे।

पत्नी को प्रेमी के साथ पकड़ा, फिर उसी के हाथ सौंप आया अर्धांगनी को

अलीगढ़। महिला सुबह ही अपने दोनों बच्चों को लेकर प्रेमी के साथ निकल गई। पति को पता चला तो ग्रामीणों के साथ पीछा करते हुए गंगीरी चौराहे पर उसने पत्नी और उसके प्रेमी को पकड़ लिया। वहां पर पति और प्रेमी अपनी-अपनी ओर महिला को खींचने लगे। अलीगढ़ में गंगीरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला शनिवार को अपने दोनों बच्चों को लेकर प्रेमी के साथ निकल गई। गंगीरी चौराहे पर पति ने उसे पकड़ लिया। पति ने बहुत मनाया लेकिन पत्नी प्रेमी के साथ ही जाने की बात पर अड़ी रही। इस पर बच्चों सहित महिला को उसके प्रेमी के हवाले कर पति गांव लौट गया। सुबह गंगीरी चौराहे पर खासा मजमा लग गया। दरअसल एक महिला सुबह ही अपने दोनों बच्चों को लेकर प्रेमी के साथ निकल आई थी। पति को पता चला, तो ग्रामीणों के साथ पीछा करते हुए गंगीरी चौराहे पर उसने पत्नी और उसके प्रेमी को पकड़ लिया। वहां पर पति और प्रेमी अपनी-अपनी ओर महिला को खींचने लगे। लोगों ने भी समझाया लेकिन महिला अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। मामला थाने तक पहुंच गया। महिला ने पुलिस कर्मियों से कहा कि उसका पति नशीला पदार्थ खिलाता है और पीटता है। अब वह अपने प्रेमी के साथ ही रहेगी।

आशिकी का भूत उतारने के लिए बीच सड़क पर चप्पलों से पिटाई

आगरा। प्यार में लोग कुछ भी कर जाते हैं। फिर उन्हें न किसी की शर्म होती है और ना हीं किसी की डर। ऐसा ही मामला सामने आया आगरा में। जहां एकतरफा प्यार में युवक ने बीच सड़क पर अपनी इज्जत को तार-तार होते हुए तो सहन कर लिया, लेकिन हार नहीं मानी। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक युवक पर आशिकी का भूत इस कदर सवार हुआ कि चप्पलों से पिटाई का भी उस पर कोई असर नहीं था। बीच सड़क पर युवती और उसकी बहन सिरफिरे आशिक को पीटती रही, लेकिन इस दौरान भी वो बोलता रहा कि मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं, तेरे बिना मर जाऊंगा। एक पल भी नहीं जी पाऊंगा। किसी ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है।

यहां का है वायरल वीडियो

ये वायरल वीडियो आगरा के थाना कमला नगर क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि बीच सड़क पर एक युवक को दो युवतियां चप्पल से पीट रही हैं। आसपास लोगों की भीड़ लगी हुई है। फिर भी युवक ऐसी जिद पर अड़ा दिखाई दिया, जिसे लेकर हर कोई हैरान है। एक तरफ जहां युवतियां उससे कह रही हैं कि अब आई लव यू बोल, तो वहीं युवक कहता नजर आ रहा है कि तेरे बिना मर जाऊंगा। बहुत प्यार करता हूं।

बीच सड़क पर पटका युवक

तभी दूसरी युवती उसका कॉलर पकड़ कर सड़क पर धक्का देती है, जबकि दूसरी युवती पिटाई करना जारी रखती है। सिरफिरे की जिद के आगे युवतियां भी हार गईं। एक युवती उसे सड़क पर लिटा देती है और कहती है कि अब मर। बताया गया है कि युवक पास की बस्ती का रहने वाला है।

अवध विवि की बीएड व एमएड की मुख्य परीक्षा 8 अगस्त से

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की बीएड व एमएड की मुख्य परीक्षा 08 अगस्त दिन मंगलवार से दो पालियों में शुरू होगी। इस परीक्षा में लगभग 45 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की मुख्य परीक्षा के लिए आवासीय परिसर सहित 133 परीक्षा केन्द्र बनाये गए है। वही एमएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षा के लिए 13 केन्द्र बनाये है। विवि मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने परीक्षा नियंत्रक उमानाथ के हवाले से बताया कि बीएड, एमएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षा 08 अगस्त से शुरू हो रही है। जिनमें बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा 18 अगस्त तक चलेगी। वही बीएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा 10 अगस्त तक चलेगी। वहीं एमएड प्रथम वर्ष की परीक्षा 12 अगस्त तक होगी। एमएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा 11 अगस्त तक चलेगी। मीडिया प्रभारी ने बताया कि विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी केन्द्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर दिया गया है। प्रथम पाली की परीक्षा प्रात: 10 से दोपहर 01 बजे तक होगी। वही द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 2 बजे से सायं 5 बजे तक चलेगी। दो पालियों की परीक्षा सीसीटीवी कैमरे एवं सचलदल की निगरानी में होगी।

अवध विवि में प्रवेश काउंसिलिंग के साथ बीफार्मा की सीटे फुल

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की बीफॉर्मा प्रवेश काउंसिलिंग में 07 अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसिलिंग के साथ सीटे फुल हो गई। कांउसिलिंग प्रक्रिया में 19 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। काउंसिलिंग प्रक्रिया अभ्यर्थियों के शैक्षिक प्रमाण-पत्र के सत्यापन के उपरांत शुरू की गई। काउंसिलिंग आवासीय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अजय कुमार शुक्ल, डॉ0 विमल यादव, विवेक कुमार की देखरेख में सम्पन्न हुई। विवि मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि 08 अगस्त, 2023 दिन मंगलवार को त्रि-वर्षीय एवं पंचवर्षीय एलएलबी की प्रवेश कार्उसिलिंग शुरू होगी। त्रि-वर्षीय एलएलबी की कार्उसिलिंग प्रात: 10 बजे से परिसर के संत कबीर सभागार में एक से लेकर 150 रैक तक के अभ्यर्थियों की होगी। वही एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु एक से 200 रैंक तक के अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। इनकी प्रवेश काउंसिलिंग परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में सम्पन्न होगी।

विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री बनी श्रीमती रेखा श्रीवास्तव

गोंडा। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने प्रदेश हर के संगठन के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की सभी के सहमति से गोंडा जनपद की तेजतर्रार महिला विश्व हिंदू महासंघ का महामंत्री मातृशक्ति उत्तर प्रदेश श्रीमती रेखा श्रीवास्तव को बनाया गया है प्रदेश महामंत्री बनने से गोंडा जनपद वासियों में खुशी की लहर जैसा माहौल दिखाई दे रहा है वही कुछ महिलाओं का कहना है श्रीमती रेखा श्रीवास्तव तेज और निष्ठावान महिला ही हर उन महिलाओं की मदद करने के लिए जो कमजोर और पीड़ित महिलाओं का मदद करने के लिए श्रीमती रेखा श्रीवास्तव सबसे आगे रहती है ऐसे में गोंडा जनपद में विश्व हिंदू महासंघ के महामंत्री के रूप में रेखा श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए पूरा प्रदेश श्रीमती रेखा श्रीवास्तव को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित भी किया विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी हैं

चौकी भानपुर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान काटे ई चालान

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 4 वाहनों से 4000 का चालान ई किया। थाना तरबगंज के चौकी भानपुर पुलिस ने सोमवार को चौकी क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 4 वाहनों से 4000 का ई चालान किया। पुलिस चौकी भानपुर चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार को चौकी क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 4 वाहनों से 4000 का चालान ई किया गया। उन्होंने बताया कि लापरवाही पूर्वक चला रहे वाहन चालकों को सख्त हिदायत दिया गया कि बाइक चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं जिससे सुरक्षित रहें।और एक बाइक पर तीन सवारी बैठाकर बाइक न चलाएं, कान में लीड लगाकर बाइक न चलाएं क्योकि पीछे से आने वाले वाहनों की आवाज सुनाई नहीं देती है और दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। यातायात नियमों का पालन करें सुरक्षित रहे।

2017 से अभी तक 12 हाईकोर्ट जजों का इस्तीफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में 2017 से अभी तक 12 हाई कोर्ट के जज अलग-अलग कारणों से अपनी सेवा से इस्तीफा देकर चले गए हैं। एक ओर हाईकोर्ट जज बनने के लिए प्रयास किये जाते हैं। वहीं हाईकोर्ट के जज इस्तीफा देकर जा रहे हैं। इसके कारण न्यायिक हल्के में चर्चाएं लगातार हो रही हैं।

- न्यायमूर्ति रोहित देव का इस्तीफा

मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के न्यायमूर्ति रोहित देव का कोर्ट में इस्तीफा देना, सारे देश में चर्चा का विषय बन गया है। उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने की अनुशंसा कॉलेजियम ने की थी।

कलेक्ट्रेट सभागार में मछली विभाग की समीक्षा की गई

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार में मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक मत्स्य को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मछुआ दुर्घटना बीमा योजना से सभी पात्र मछुआ समुदाय के लोगों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को आच्छादित किया जाए। तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जानकारी दिया जाय,जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें।

मत्स्य आहार प्लांट एवं मत्स्य आहार मिल के वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के लाभार्थी एवं आवेदकों को योजना से संबंधित जानकारी दी गई तथा समस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, मत्स्य विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी, योजना के लाभार्थी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

वीरेंद्र बहादुर सिंह प्रदेशीय मंत्री मनोनीत

अयोध्या । माध्यमिक शिक्षक संघ %पांडेय गुट% के प्रदेश राज्य परिषद की बैठक प्रदेश कार्यालय - दारुल सफा विधायक निवास , लखनऊ में हुई। जिसमें अयोध्या जिले के संघर्षशील जिलाध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह को प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेशीय मंत्री मनोनीत किए गया। यह सूचना जनपद में प्राप्त होते ही जिले भर के शिक्षकों और उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नव मनोनीत प्रदेश मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हमारी सेवा शिक्षकों के हित में लगातार जारी रहेगी और नई जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करुंगा। सभी बधाई देने वाले शुभचिंतक साथियों को उन्होंने धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा-जिलाधिकारी

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या ।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के निर्धारण के सम्बंध में जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेउट सभागार में बैठक हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के सभी कार्यक्रमों को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित समाजसेवी संगठनों व एन0जी0ओ0 को स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने को लेकर जानकारी ली। बैठक में जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक से कहा कि उक्त अवसर पर जेल के कैदियों के अंदर भी राष्ट्रीय प्रेम की भावना के प्रति जागरूक करने हेतु कार्यक्रम आयोजित कराये जाय, जिससे उन्हें अनुभूति हो सके कि हम भी आजाद भारत के नागरिक है। इस कार्यक्रम का विस्तृत रूपरेखा अपर जिलाधिकारी नगर श्री सलिल कुमार पटेल द्वारा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि 15 अगस्त को प्रात: 8 बजे सभी राजकीय एवं शासकीय भवनों, विद्यालयों, पंचायत घर, कार्यालय में ध्वजारोहण किया जाए। अपर जिलाधिकारी नगर ने कहा कि प्रात: 6:00 बजे ग्राम स्वावलम्बी विद्यालय खादी आश्रम द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित किया जायेगा। इसके संयोजक प्रबन्धक/अध्यक्ष ग्राम स्वावलम्बी विद्यालय/जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा की जायेगी। 6:30 बजे क्रासकन्ट्री रेस डा0 भीमराव अम्बेडक स्टेडियम डाभासेमर में आयोजित किया जायेगा, जिसके संयोजक क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी व क्षेत्राधिकारी नगर है। प्रात: 8 बजे से समस्त राजकीय तथा गैर राजकीय भवनों/सभी पंचायत भवनों/प्रत्येक विद्यालयों में ध्वजारोहण। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, पंथ निरपेक्षता, सामाजिक समरसता तथा साम्प्रदायिक सौहर्द की भावना को बलवती बनाने पर जोर दिया जाय तथा स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास एवं देश के अन्य भागों में शहीद हुये देशभक्तों के जीवन के प्रेरक प्रसंग दोहरायें जाये, जिनसे राष्ट्रीय चेतना जागृति हो। झण्डारोहण के बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम तथा कलेक्टेउट परिसर स्थित सभागार एवं जनपद के सभी विभागों द्वारा पूर्व में प्रदत्त वृक्षारोपण के लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जायेगा। संयोजक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभी जिला स्तरीय अधिकारी/अपर जिलाधिकारी नगर/सिटी मजिस्टेउट/ सचिव स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिषद। 8:30 बजे प्रात: से जनपद में स्थापित सभी शहीदो/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण संयोजक नगर आयुक्त, नगर निगम अयोध्या द्वारा किया जायेगा। 9 बजे प्रात: से जनपद की सभी मलिन बस्तियों, कुष्ठ आश्रमों में स्वच्छता कार्यक्रम, उक्त का निरीक्षण नामित अधिकारीगण करेंगे। संयोजक नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या एवं परियोजना अधिकारी डूडा। इसके बाद प्रात: 10 बजे से जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, श्रीराम अस्पताल, जिला संयुक्त चिकित्सालय दर्शननगर, कुष्ठ आश्रम, मूक बधिर विद्यालय में फल वितरण। 11 बजे पूर्वान्ह जिला कारागार के बंदियों को खाने के साथ फल एवं मिष्ठान वितरण। संयोजक वरिष्ठ जेल अधीक्षक। सायं 4 बजे से कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों द्वारा मेरी माटी मेरा देश विषय पर निबंध, कक्षा 6 से 8 तक छात्रों द्वारा आजादी के विषय पर पेंटिंग, कविता की प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। सायं 5 बजे से 6 बजे तक कक्षा 9 से 12 तक अपनी स्वरचित कविता, आजादी के अमृत महोत्सव पर 2 मिनट का लाइव परफारमेंस आनलाइन करेंगे। अन्य कार्यक्रम जो शासनादेश प्राप्त होगा उसके अनुसार निर्धारित किया जायेगा। तदोपरांत जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार की अध्यक्षता में ही मेरी माटी-मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान का सम्पूर्ण देश में उत्सवी ढंग से आयोजन किया जाना है। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 2023 को समस्त ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, ब्लाक, छावनी परिषदों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, निगमों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों आदि को पंच प्रण यथा-विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों में कर्तवय की भावना की शपथ दिलायी जानी है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, स्थानीय निकायों एवं ब्लाक स्तर पर दिनांक 9 से 15 अगस्त 2023 तक जनसहभागिता के साथ कार्यक्रम का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये। इस कार्यक्रम का बिन्दुवार विवरण मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान 2023 के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजित होने है। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान चलाया जायेगा। इस अवसर पर बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पुलिस अधीक्षक नगर श्री मधुबन कुमार सिंह अन्य स्तर एवं स्वयंसेवी संगठनों, पत्रकार सहित सभी कार्यालय के कार्यालयध्यक्ष, सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स–05262–230683
मो0– 09415120085
लखनऊ कार्यालय–
फोन– 0522–4028445
मो0– 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com